वार्षिक पत्रिका

अपराजिता

एक भारत, श्रेष्ठ भारत विशेषांक

2017–2018

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रुड़की (हरिद्वार) उत्तराखण्ड (स्थापित 1966)

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः।

हमें सब दिशाओं से श्रेष्ठ विचार प्राप्त हों।

Let Noble Thoughts Come to Us from Every Side

ऋ.1.89.1

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विशेषांक

अपराजिता

अंक 17 2017-18

संरक्षिका

डा० अर्चना मिश्रा, प्राचार्या

LIBRARY COPY /3

मुख्य सम्पादिका

डा० अनुपमा गर्ग

सम्पादक मण्डल

डा० अलका आर्य

डा० अस्मा सिद्दीकी

डा० ज्योतिका

आवरण एवं अंतः सज्जा

डा० अलका आर्य

छात्र सम्पादिका

कु० रुमाना, बी.ए., VI सेम०

कु० आयुषि, बी.एससी., IV सेम०

कु० कविता, बी.ए., IV सेम०

कु० शैला शेखर, बी.एससी., VI सेम०

NAAC Accredited - B

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की

सम्बद्ध हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (स्थापित 1966)

इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में प्रकट विचार लेखकों के अपने हैं। सम्पादक मण्डल की उनसे सहमति होना अनिवार्य नहीं है।

कम्प्यूटर कार्य

प्रकाशक
रुड़की - 247 667
दूरभाष : 01332-262705
ई-मेल : ssd.degree@gmail.com

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Sri Sanatan Dharam Prakash Chand Kanya Snatkottar Mahavidyalaya
Roorkee, affiliated to Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Uttarakhand as
Accredited
with CGPA of 2.53 on four point scale
at B grade
valid up to January 18, 2021

Date : January 19, 2016

Director

डा॰ के॰ के॰ पाल
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

सत्यमेव जयते

राजभवन
देहरादून - 248 003

29 मई 2018

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुड़की अपनी वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी देश व समाज की शक्ति उसके युवाओं में निहित होती है। 'एक भारत- श्रेष्ठ भारत' के निर्माण-यज्ञ में युवाओं को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है। राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन, डिजीटल इंडिया, स्किल डेवलेपमेंट, स्टार्ट अप व मेक इन इंडिया कार्यक्रमों से जुड़कर देश के विकास में अपने सामर्थ्य व प्रतिभा का उपयोग करें।

वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(डा॰ कृष्ण कांत पाल)

त्रिवेन्द्र सिंह रावत

मुख्य मंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून-248001
फोन : 0135-2650433
0135-2716262
फैक्स : 0135-2712827
आवास : 0135-2750033
0135-2750346
फैक्स : 0135-2752144

Memo/मा०मु०मं०उ०/2017-18
दिनांक 08/02/2018

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की द्वारा पत्रिका 'अपराजिता' का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि पत्रिका में प्रकाशित लेख पाठकों के लिए ज्ञानवर्द्धक व उपयोगी सिद्ध होंगे।

मेरी ओर से सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की द्वारा पत्रिका 'अपराजिता' के सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

(त्रिवेन्द्र सिंह रावत)

डा० अर्चना मिश्रा
प्राचार्य
श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रुड़की - 247667, हरिद्वार

डा. धन सिंह रावत
राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)
उच्च शिक्षा, सहकारिता, प्रोटोकाल
दुग्ध विकास

विधान सभा भवन
देहरादून
कक्ष सं. : 23
फोन : (0135) 2666410
फैक्स : (0135) 2666411

पत्रांक 78/
दिनांक 25/01/2018

संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' 2017-2018 का प्रकाशन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विशेषांक के रूप में कर रहा है। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय नियमित रूप से अपने वार्षिकांक को प्रकाशित करता रहेगा। साथ ही पत्रिका में उत्तराखण्ड राज्य से जुड़ी शिक्षाप्रयोगी मुख्य विषयों सहित महाविद्यालय के वर्ष पर्यन्त चलने वाले क्रियाकलापों एवं शिक्षा की गुणवत्ता एवं समस्याओं के समाधान हेतु शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कार्मिकों, छात्रों एवं अभिभावकों के मध्य आपसी समन्वय के द्वारा प्राप्त सफलताओं को विशेष रूप से प्रकाशित किया जाता रहेगा।

इस प्रयास हेतु मेरी ओर से "अपराजिता" वार्षिक पत्रिका से जुड़े समस्त पदाधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कार्मिकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

(डा० धन सिंह रावत)

प्रतिलिपि में,
डा० अर्चना मिश्रा
प्राचार्या
श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रुड़की - 247667, हरिद्वार

Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar (Garhwal)-246174, Uttarakhand, India
हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढ़वाल) - 246174, उत्तराखण्ड, भारत
(A Central University)

Vice Chancellor
कुलपति
Prof. A.B. Bhatt

Tel No. 01346-250260
Fax No. 01346-250...

Ref No. VC/2018/027

Date : 9-1-...

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की, उत्तराखण्ड अपनी वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' का प्रकाशन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विशेषांक के रूप में करने जा रहा है, इस हेतु सम्पूर्ण प्रकाशन मण्डल को हार्दिक बधाई। पत्रिका के प्रकाशन से जहाँ छात्र-छात्राओं में रचनात्मक योग्यता का विकास होगा वहीं उनकी सृजनशीलता में भी वृद्धि होगी।

पत्रिका विद्यार्थियों की भावनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम है साथ ही उनकी रचनात्मक क्षमता का परिचायक भी है। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय पत्रिका "अपराजिता" में छात्र-छात्राओं की मौलिक रुचियाँ, उनके दृष्टिकोण, भावनाओं और विचारों से युक्त रचनाओं आदि का समावेश कर पत्रिका को विशेष बनाने का प्रयास करेगा। पत्रिका में उपयोगी महत्वपूर्ण एवं रोचक पाठ्य-सामग्री की प्रचुरता होगी तथा छात्र-छात्राओं के लिये मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

मैं पत्रिका 'अपराजिता' के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

(ए० बी० भट्ट)

डा० अर्चना मिश्रा
प्राचार्या
श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रुड़की - 247667, हरिद्वार

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी - 263139 (नैनीताल)

डा० सविता मोहन
निदेशक, उच्च शिक्षा

पत्रांक संख्या ...../2018-19
दिनांक 24 मई 2018

संदेश

महोदय,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आपका महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका 'अपराजिता' सत्र 2017-18 का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे आशा है कि वार्षिक पत्रिका में ऐसी महत्वपूर्ण, ज्ञानवर्धक एवं मार्गदर्शक पाठ्य-सामग्री प्रकाशित की जायेगी जिससे छात्राओं का सही मार्गदर्शन होगा और उनके जीवन-दर्शन, कला-संस्कृति और अध्ययन रुचि में अवश्य रचनात्मक सहयोग मिलेगा। छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा एवं उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगी।

"अपराजिता" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य सम्पादक मण्डल, प्राध्यापक, कर्मचारियों और छात्राओं को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

मंगलकामनाओं सहित,

डा० सविता मोहन

सेवा में,
डा० अर्चना मिश्रा
प्राचार्या
श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रुड़की - 247667, हरिद्वार

स्थापित : 1966

फोन : 01332-2627..

फैक्स : 01332-2694..

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रुड़की – 247 667 (हरिद्वार) उत्तराखण्ड

(सम्बद्ध हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर)

शुभकामना-संदेश

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' को केन्द्रीय विषय-वस्तु के रूप में लेकर वार्षिक पत्रिका अपराजिता का प्रकाशन अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। आशा है पत्रिका में प्रस्तुत लेख व अन्य सामग्री युवा-पीढ़ी व प्रबुद्ध पाठक वर्ग के लिए समान रूप से ज्ञानवर्धक तथा रुचिकर होगी।

पूर्णतया समर्पित भाव से शिक्षा तथा सांस्कृतिक मूल्यों को प्रसार के लिए निरन्तर कार्यरत प्राचार्या एवं समस्त प्राध्यापिका वर्ग तथा पत्रिका के सुचारुपूर्ण प्रकाशन हेतु संपादिका-मंडल को अनेकों शुभकामनाएँ।

सुनील कुमार बंसल

सचिव, प्रबंध समिति

दिनांक 06-03-2018

स्थापित : 1966

फोन : 01332-262705

फैक्स : 01332-269434

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रुड़की – 247 667 (हरिद्वार) उत्तराखण्ड

(सम्बद्ध हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर)

संदेश

यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि शिक्षा की नगरी रुड़की में प्रसिद्ध हमारा महाविद्यालय हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 'अपराजिता' का प्रकाशन करने जा रहा है। अबकी बार हमारे महाविद्यालय ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' विशेषांक के रूप में पत्रिका का प्रकाशन करने का निर्णय लिया है।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' देखने में यह पंक्ति बहुत ही सरल मालूम होती है लेकिन यह वास्तव में अपने अन्दर सम्पूर्ण भारत की विधाओं को समेटे हुए है। यह विषय अपने में एक व्यापक विषय है। हमारे देश की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है जो सारे विश्व में प्रसिद्ध है कि हजारों जातियाँ-उपजातियाँ होने के बावजूद भी हमारे अन्दर समानता की भावना होने से एक भारत दिखाई देता है और जब एक भारत दिखाई देता है तब श्रेष्ठ भारत दिखाई देता है। यह सही कथन है कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के विचार से हम आगे बढ़ेंगे तो हम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के देखे सपना को पूर्ण करेंगे और वो दिन दूर नहीं जब हमारा देश विश्व गुरु बनने जा रहा है।

अन्त में, मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए महाविद्यालय की प्राचार्या एवं सम्पादक मण्डल को शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

धन्यवाद!

सौरभ भूषण

कोषाध्यक्ष, प्रबंध समिति

दिनांक 25-02-2018

प्राचार्या - संदेश

श्रेष्ठ शैक्षिक मूल्य ही भारत के भविष्य को आकार दे सकते हैं। इसकी शुरुआत व्यक्ति के बचपन में परिवार से होती है पर आगे चलकर शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षा एक ओर नवीन ज्ञान-विज्ञान के प्रसार द्वारा बदलते समय के साथ प्रतिस्पर्धा करती है तो दूसरी ओर श्रेष्ठ प्राचीन मूल्यों का संरक्षण भी करती है। सम्यक् शिक्षा के माध्यम से ही कोई भी समाज अपनी संस्कृति के गुणवत्तापूर्ण तत्वों की रक्षा और व्यर्थ व अप्रासंगिक तत्वों का त्याग करता है।

आज के युग में विकास और वैज्ञानिक प्रगति अपरिहार्य है, पर अपनी संस्कृति के बुनियादी मूल्यों को संभाले बिना इस विकास को मजबूत आधार देना संभव नहीं होगा। शीर्ष नेतृत्व नीतियाँ बना सकता है, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें क्रियान्वित कर सकता है, पर किसी भी कार्यक्रम को सफलता से धरातल पर उतारने का कार्य नागरिकों की सहभागिता के बिना नहीं हो सकता। इसमें भी युवा पीढ़ी अपनी असीम ऊर्जा और संकल्पशक्ति के साथ महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकती है। एक समरस और विकसित भारत निर्माण के संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाने की सामर्थ्य इसी पीढ़ी में है।

आशा है प्रस्तुत अंक देश के वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य के विषय में जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही युवा-ऊर्जा से भरपूर नई पीढ़ी को एक स्वस्थ, सक्षम और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान देने हेतु प्रेरित करेगा। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विषय को केन्द्र में रखकर वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन हेतु महाविद्यालय का प्रबुद्ध प्राध्यापिका वर्ग एवं संपादक मंडल निश्चय ही बधाई का पात्र है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ

- डा० अर्चना मिश्रा

सम्पादकीय....

भारत सागर-सुलभ पर कभी एक साम्राज्य के अन्तर्गत और कभी पूर्णतः स्वतन्त्र राज्यों-उपराज्यों में बंटे रहने के बावजूद पिछले दो हजार वर्षों से [illegible] एक राष्ट्र रहा है और इसकी आत्मा एक है। भारतीय राष्ट्रीय एकता धर्म एवं संस्कृति की कोख से उत्पन्न हुई है। [illegible] वर्षों से [illegible] है जिससे प्रत्येक भारतवासी शक्ति लेता है। न केवल भौगोलिक सीमाओं की दृष्टि से, अपितु वैचारिक पृष्ठभूमि के हिसाब से भी भारत एक [illegible] है। [illegible] आक्रमण के समय से ही भारत ने प्रत्येक [illegible] विचार को, जो कि उसे विदेश से प्राप्त हुआ, [illegible] और विभिन्न जातियों, धर्मों एवं सम्प्रदायों को अपनी मूल धारा में समाहित करते हुए उन्हें अपनी [illegible] दिया। [illegible] भारत ने इनका [illegible] अपने [illegible] भीतर ही [illegible] किया है, बाहर [illegible] नहीं।

भारतीय समाज का बहु-सांस्कृतिक [illegible] है और उसमें अनेक, जातीय-भाषाई, धार्मिक [illegible] का अस्तित्व एक निर्विवाद सत्य है। सामाजिक, भौगोलिक, धार्मिक, वैचारिक विभिन्नताएँ भारतीय लोकतन्त्र का एक अनिवार्य तत्व है। [illegible] कि भारतीय संविधान भी भारतीय धर्म एवं संस्कृति की [illegible] है, प्रत्येक भारतवासी को [illegible] एवं राष्ट्र की एकता और अखण्डता को सुनिश्चित करने वाली, बंधुता बढ़ाने के लिये दृढ़ संकल्प है और इसी संकल्प को पूर्ण अर्थ देने के लिये प्रत्येक भारतीय नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने आचार-व्यवहार, विचार एवं कर्म से आपसी एकता एवं बंधुता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत बनाने में अपना योगदान दे।

वार्षिक पत्रिका अपराजिता का 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' विशेषांक महाविद्यालय परिवार की उच्चाकांक्षाओं, शैक्षणिक जीवन एवं विद्यार्थिनी उपलब्धियों का प्रतिबिम्ब है। प्रस्तुत अंक उत्साही छात्राओं एवं प्रबुद्ध शिक्षिकाओं की मौलिक एवं रचनात्मक सामग्री पर आधारित है। [illegible] हिंदी, इंग्लिश, लोकतन्त्र, विज्ञान, भारतीय संस्कृति, नारी सशक्तीकरण, [illegible], शिक्षा, [illegible], स्वर्ण जयंती, कला एवं संस्कृति आदि सम-सामयिक विषयों पर आधारित [illegible] लेखों का प्रकाशन हो चुका है। रचनात्मकता की इसी अविरल धारा को निरंतरता देते हुए अपराजिता का यह अंक आपके सामने प्रस्तुत है।

महाविद्यालय की प्रगतिशील प्रबंधतंत्र, प्रबुद्ध प्राचार्या एवं कर्मनिष्ठ और उत्साही शिक्षिका वर्ग के मार्गदर्शन तथा श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये पूर्ण [illegible] संपादक मंडल के समर्पित प्रयासों और युवा उर्जा से भरपूर छात्राओं की सृजन संभावनाओं से [illegible] नवीन विचार के साथ आगे बढ़ रही है। आशा है पत्रिका का प्रस्तुत अंक मौलिकता, उत्कृष्टता और सार्थकता के मानदण्डों पर खरा उतरकर नवीन सार्थक [illegible] की ओर एक और सोपान का आरोहण करेगा। पत्रिका के कलेवर और विषयवस्तु के परिवर्तन के लिये सुविज्ञ एवं स्नेही पाठकवृंद के सुझावों का सदैव स्वागत है।

धन्यवाद।

डा० अनुपमा गर्ग

उत्तरेण समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणे।
वर्षं तद्भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः॥
– ब्रह्मपुराण, 19/1–27

अनुक्रम

			पृष्ठ संख्या
	[illegible]		
	[illegible]		
1.	[illegible]		1
2.	[illegible]		27
3.	[illegible]	- कु० मुद्रिका वर्मा	28
4.	[illegible]	- कु० [illegible]	29
5.	[illegible]	- कु० अनुराधा	30
6.	[illegible]	- डॉ. अर्चना सिंह	32
7.	[illegible]	- कु० [illegible]	33
8.	[illegible]	- कु० [illegible], कु० दीपा, कु० [illegible].....	34
9.	[illegible]	- डॉ. अलका आर्य	37
10.	[illegible]	- डॉ. [illegible]	39
11.	[illegible]	- डॉ. [illegible]	40
12.	कविताएँ	- डॉ. [illegible]	41
13.	[illegible]	- कु० [illegible], डॉ. अर्चना चौहान	42
14.	[illegible]	- कु० [illegible], कु० [illegible], कु० [illegible].....	43
15.	'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'	- डॉ. अंजू शर्मा	45
16.	[illegible]	- कु० [illegible]	46
17.	[illegible]	- कु० दीपा / कु० [illegible]	47
18.	[illegible]	- कु० [illegible], कु० [illegible], कु० [illegible].....	48
19.	[illegible]	- डॉ० अर्चना सिंह / कु० अनुराधा	50
20.	[illegible]	- कु० [illegible]	51
21.	[illegible]	- कु० मुद्रिका वर्मा	52
22.	[illegible]	- डॉ. अर्चना चौहान	53
23.	[illegible]	- कु० [illegible]	54
24.	[illegible]	- कु० [illegible], कु० [illegible], कु० [illegible].	55
25.	[illegible] " [illegible] " : रिपोर्ट		59
26.	[illegible]	- डॉ० अर्चना सिंह, डॉ. अलका आर्य	61
27.	[illegible]	- डॉ. [illegible] / कु० [illegible]	62
28.	[illegible]	- कु० दीपा, कु० [illegible], कु० मुद्रिका	63
29.	Narrating The Nation Through Literature	- Dr. Bharati Sharma	65
30.	Narrating Nation Through Literary Heritage	- Km. Hema Narang	67
31.	Contribution of Science and Technology	- Km. Mudrika Verma	68
32.	Challenges of New India : From Skill Development to Water Scarcity	- Km. Anaaya Singh	69
33.	[illegible]	- कु० [illegible] / कु० [illegible] / कु० [illegible]	70
34.	[illegible]		73
35.	[illegible]		75
36.	[illegible]		76

महाविद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय मेरिटलिस्ट में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएँ

क्र. सं.	नाम	कक्षा	वर्ष	अंक प्रतिशत	विश्वविद्यालय मेरिट लिस्ट में स्थान
1.	कु. [illegible]	एम ए चित्रकला	2017	87.2	प्रथम (स्वर्ण पदक)
2.	कु. [illegible]	एम ए राज विज्ञान	2017	87.1	प्रथम (स्वर्ण पदक)
3.	कु. [illegible]	एम ए चित्रकला	2017	86.5	द्वितीय
4.	कु. [illegible]	एम ए चित्रकला	2017	82.8	पंचम
5.	कु. [illegible]	बी एस सी	2017	77.94	दशम
6.	कु० [illegible]	बी०ए०	2016	76.00	प्रथम (स्वर्ण पदक)
7.	कु० [illegible]	बी०ए०	2016	78.00	तृतीय
8.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2016	85.97	प्रथम (स्वर्ण पदक)
9.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2016	84.50	तृतीय
10.	कु० [illegible]	बी०एस०सी०	2010	81.33	पंचम
11.	कु० [illegible]	एम०ए० राजनीतिविज्ञान	2014	73.00	चतुर्थ
12.	कु० [illegible]	एम०ए० राजनीतिविज्ञान	2013	73.67	द्वितीय
13.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2013	86.00	द्वितीय
14.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2013	85.71	तृतीय
15.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2013	85.13	चतुर्थ
16.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2012	80.80	द्वितीय
17.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2012	79.30	चतुर्थ
18.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2012	79.10	पंचम
19.	कु० [illegible]	एम०ए० राजनीतिविज्ञान	2011	68.78	प्रथम (स्वर्ण पदक)
20.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2011	77.80	द्वितीय
21.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2010	83.60	प्रथम (स्वर्ण पदक)
22.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2010	80.10	द्वितीय
23.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2010	77.30	चतुर्थ
24.	कु० [illegible]	बी०एस०सी०	2009	79.78	प्रथम (स्वर्ण पदक)
25.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2009	79.10	द्वितीय
26.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2009	77.50	पंचम
27.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2008	83.63	प्रथम (स्वर्ण पदक)
28.	कु० [illegible]	एम०ए० चित्रकला	2008	81.63	तृतीय
29.	कु० [illegible]	बी०एस०सी०	2007	79.89	द्वितीय

महाविद्यालय की प्रगति आख्या (2017-2018)

[illegible] महाविद्यालय [illegible] शैक्षणिक [illegible] उच्च शिक्षा के क्षेत्र में [illegible] है। [illegible] महाविद्यालय [illegible] प्रगति के पथ पर अग्रसर है। [illegible] (साहित्यिक एवं विज्ञान संकाय) [illegible] 1466 छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। [illegible] विश्वविद्यालय द्वारा [illegible] के लिए भी [illegible] है।

कला संकाय में सन् 1966 से स्नातक स्तर पर [illegible] हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत साहित्य, चित्रकला, राजनीति विज्ञान है। विज्ञान संकाय (स्ववित्त पोषित) में 1998 से [illegible] विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा सन् 2003 से कम्प्यूटर साइंस तथा 2012 में [illegible] विषयों की स्नातक शिक्षा का प्रबन्ध है।

प्रतिवर्ष की भाँति गत सत्र 2016-2017 में भी महाविद्यालय का परिणाम उच्च कोटि का रहा है-

बी०ए० प्रथम वर्ष (I, II Sem.)	97.10%	बी०एस०सी० प्रथम वर्ष (I, II Sem.)	98.37%
बी०ए० द्वितीय वर्ष (III, IV Sem.)	98.19%	बी०एस०सी० द्वितीय वर्ष (III, IV Sem.)	92.71%
बी०ए० तृतीय वर्ष	94.11%	बी०एस०सी० तृतीय वर्ष	97.49%
एम०ए० चित्रकला प्रथम वर्ष (I, II Sem.)	100%	एम०ए० राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष (I, II Sem.)	100%
एम०ए० चित्रकला द्वितीय वर्ष (III, IV Sem.)	88.88%	एम०ए० राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष (III, IV Sem.)	90.97%

(अंक सुधार परीक्षाफल प्रतीक्षित)

छात्र संघ चुनाव / विषय परिषद गठन (2017-2018)

सत्र के आरम्भ में दिनांक 26-08-2017 को निर्धारित प्रक्रियानुसार निर्वाचन अधिकारी डॉ० [illegible], डॉ० [illegible], सुश्री [illegible] प्रसाद, डॉ० [illegible], श्रीमती [illegible], डॉ० [illegible] एवं समस्त प्राध्यापकगण के सहयोग से महाविद्यालय में छात्रा संघ चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई। निम्न छात्राएं [illegible] से निर्वाचित हुई -

कु० [illegible], बी०ए० V सेम० अध्यक्ष, कु० [illegible], बी०एस०सी० V सेम० उपाध्यक्ष, कु० [illegible], बी०ए० V सेम० सचिव, कु० [illegible], बी०एस०सी० V सेम० [illegible], कु० [illegible], बी०ए० V सेम० कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्यों में कु० [illegible], कु० [illegible], कु० [illegible], कु० [illegible] तथा कु० [illegible] चयनित हुए। समस्त पदाधिकारियों को दिनांक 26-08-2017 को शपथ ग्रहण समारोह में महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के [illegible] की अध्यक्षता में प्राचार्या डॉ० [illegible] द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी।

विषय परिषद गठन - छात्रा संघ चुनाव के उपरान्त समस्त विभागों ने विषय परिषद का गठन कर सत्र पर्यन्त चलने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। तदनुसार विषय परिषद पदाधिकारियों को उनका कार्यभार सौंपा गया।

महाविद्यालय स्तरीय गतिविधियाँ

वाद विवाद प्रतियोगितायें

[illegible] दिनांक 24 अक्टूबर 2017 को '**मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना**' [illegible] परिषद द्वारा [illegible] वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका परिणाम निम्नवत रहा।

(1) कु० [illegible], बी०एससी० V सेम० प्रथम स्थान (2) कु० [illegible], बी०ए० V सेम० द्वितीय स्थान

(3) कु० [illegible], बी०एससी० [illegible] सेम० तृतीय स्थान

दिनांक 3 अक्टूबर को [illegible] लिमिटेड, रुड़की द्वारा प्रायोजित तथा राजनीति विज्ञान व समाज शास्त्र विभाग द्वारा संयोजित विचार प्रस्तुति प्रतियोगिता '**मेरा लक्ष्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत**' विषय पर आयोजित हुई। इस अवसर पर सभी को देश में भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु [illegible] की शपथ भी दिलाई गई। प्रतियोगिता का परिणाम निम्नवत् रहा-

(1) कु० [illegible], बी०एससी० VI सेम० प्रथम स्थान (2) कु० [illegible], बी०ए० VI सेम० द्वितीय स्थान

(3) कु० [illegible], बी०एससी० VI सेम० तृतीय स्थान

विजयी छात्राओं को [illegible] द्वारा पुरस्कार स्वरूप नकद राशि व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अन्तर्महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिनांक 2 मार्च 2018 को [illegible] द्वारा '**वैज्ञानिक प्रगति एवं पर्यावरण**' विषय पर अन्तर्महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.एस.एम. (पी.जी.) कालेज, के.एल.डी.ए.वी. कालेज, बी. एस. आई., रुड़की तथा [illegible] महाविद्यालय हरिद्वार ने [illegible] प्रतिभागिता की। निर्णायक मंडल की भूमिका में [illegible] प्रोफेसर [illegible] (आई.आई.टी., रुड़की) तथा [illegible] (प्रबन्धक [illegible], रुड़की) ने विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया। परिणाम निम्नवत् रहा-

(1) कु० [illegible], बी०एससी० VI सेम०, [illegible] (पी.जी.) कालेज, रुड़की - प्रथम स्थान

(2) कु० [illegible], एम०ए० VI सेम०, बी. एस.एम. (पी.जी.) कालेज, रुड़की - **द्वितीय स्थान**

(3) कु० [illegible], बी०एस०सी०, बी.एस.आई., रुड़की - **तृतीय स्थान**

विभागीय गतिविधियाँ

विभिन्न विभागों द्वारा निम्न विषयों पर **निबन्ध लेखन प्रतियोगिता** आयोजित की गई- **Narrating Nation through Library Heritage of India** (अंग्रेजी विभाग), **स्वतंत्र भारत में हिन्दी का स्थान** (हिन्दी विभाग), भारत में विविधता में एकता (समाजशास्त्र विभाग), **गाँधी दर्शन एवं राष्ट्र निर्माण** (राजनीति शास्त्र विभाग), **नये भारत की चुनौतियाँ** (अर्थशास्त्र विभाग), **सामाजिक परिदृश्य में भारत की लोक कलायें** (चित्रकला विभाग), **भारतीय संस्कृते संस्कृत भाषाया महत्त्वम्** (संस्कृत विभाग)। इन सभी विषयों में छात्राओं की सक्रिय प्रतिभागिता रही। छात्राओं की उत्कृष्ट निबंध रचनाओं को इस पत्रिका में प्रकाशित किया जा रहा है।

कक्षा गतिविधि के अन्तर्गत -

26 जुलाई 2017 को **राजनीति शास्त्र एवं समाज शास्त्र विभाग** की ओर से '**कारगिल विजय दिवस**' मनाया गया, जिसमें कारगिल युद्ध एवं शहीदों के बलिदान की झलकियों को [illegible] के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर देश प्रेम से जुड़ी कवितायें, गीत व विचार भी छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये गये।

- समाज शास्त्र विभाग द्वारा विचार प्रस्तुति -

  बी.ए. द्वितीय वर्ष :- **सामाजिक सिद्धान्तों की प्रासंगिकता** ('Relevance of Social theories)

  बी.ए. तृतीय वर्ष :- **धार्मिक मूल्यों का महत्त्व** (Importance of Religious values)

- दिनांक 15 अगस्त 2017 को राजनीति शास्त्र विभाग की छात्राओं (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने [illegible] के साथ **नुक्कड़ नाटक** के माध्यम से [illegible] के महत्त्व को उजागर किया।

- दिनांक 30 अक्टूबर 2017 को बी.ए. VI सेम० **राजनीति विज्ञान की छात्राओं** को उनके नवीन पाठ्यक्रम- **'Democracy Awareness through legal literacy'** के अन्तर्गत विधिक व्यवस्था की संरचना एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने हेतु [illegible], नवीन न्यायालय परिसर, रुड़की का **शैक्षणिक भ्रमण** कराया गया, जहाँ छात्राओं ने [illegible] कोर्ट, क्रिमिनल कोर्ट की कार्यवाही को देखा तथा न्यायिक क्षेत्र से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त किया।

- राजनीति विज्ञान विभाग (एम.ए.) द्वारा आयोजित विचार प्रस्तुति में छात्राओं ने समसामयिक विषयों जैसे जी.एस.टी., दक्षिण कोरिया की नीतियाँ, भारत-पाक विभाजन इत्यादि पर अपनी प्रस्तुति PPT Presentation द्वारा दी।

- डा० [illegible] तथा डा० [illegible] के दिशा निर्देशन में विभिन्न समसामयिक विषयों जैसे तीन तलाक [illegible] भारतीय मुस्लिम महिलायें, विश्व के लिये एक चुनौती- उत्तर कोरिया, महिला-पुरुष की राजनीतिक भागीदारी - एक तुलनात्मक अध्ययन, [illegible] - लोकतन्त्र, [illegible] इत्यादि पर लघु शोध प्रबन्ध कराये गये।

- दिनांक 14 सितम्बर 2017 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष में **हिन्दी विभाग** द्वारा **स्वरचित कविता** एवं '[illegible] हिन्दी' विषय पर **विचार प्रस्तुति प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रेमचन्द जन्मजयन्ती के अवसर पर छात्राओं हेतु [illegible] प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रेमचन्द की **प्रख्यात** रचनाओं के प्रमुख अंशों को [illegible] के माध्यम से [illegible] प्रस्तुति की गई। इसके अतिरिक्त सप्ताह के प्रत्येक [illegible] को छात्राओं को शैक्षणिक, बौद्धिक एवं समसामयिक विषयों के ज्ञान हेतु **विविध हिन्दी** समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं का पठन-पाठन भी कराया गया।

- दिनांक 14 फरवरी 2018 - **अर्थशास्त्र विभाग** द्वारा आयोजित **विचार प्रस्तुतियों** में छात्राओं ने अनेक सामयिक विषयों पर PPT के माध्यम से विचार प्रस्तुत किये। जिसमें कु० [illegible] (बी.ए. IV सेम०) **Smart Cities**, कु० [illegible] सिंह, बी.ए. VI सेम० **Cashless Economy**, कु० [illegible], बी.ए. VI सेम० **Problem of unemployment**, तथा कु० [illegible], बी.ए. IV सेम० **National Income of India** की प्रस्तुतियाँ विशेष रूप से सराहनीय रहीं। इसके अतिरिक्त दिनांक 13.03.2018 **New Economic Reforms and Indian Economy** विषय पर छात्राओं ने **PPT Presentation** में भारतीय अर्थव्यवस्था पर नवीन नव सुधारों के प्रभाव को प्रस्तुत किया।

चित्रकला विभाग -

दिनांक 12.8.2017 को गठित हुई चित्रकला विषय परिषद के अन्तर्गत निम्न गतिविधियाँ संचालित हुई-

- डा. अलका आर्य के निर्देशन में वुडकट प्रिंट मेकिंग विषय पर एक
- दिनांक 23 सितम्बर 2017 को डा. अलका आर्य के निर्देशन में, जिसमें बी.ए. तथा एम.ए. चित्रकला की लगभग 50 छात्राओं ने द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें वरिष्ठ कलाकार (विषय विशेषज्ञ) ने छात्राओं को प्रशिक्षित किया। कलाकार के द्वारा छात्राओं को व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हुए 'वुडकट ब्लॉक' तैयार करके प्रायोगिक प्रिंटिंग की विविध विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया। तत्पश्चात छात्राओं ने स्वयं वुडकट प्रिंट तैयार किये।
- दिनांक 6 अक्टूबर 2017 को 'हस्त निर्मित आभूषण सज्जा प्रतियोगिता' आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने कागज, कपड़ा, मिट्टी, लकड़ी, धागा तथा अन्य सामग्री से सुन्दर आभूषण सृजित किये। प्रतियोगिता के अंत में छात्राओं द्वारा निर्मित आभूषणों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।
- दिनांक 11 अक्टूबर 2017 को दीपावली के शुभ अवसर पर 'Creative forms of Rangoli' विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 25 नवम्बर 2017 को श्रीमती मोनाक्षी कश्यप के निर्देशन में गुजरात की लोक कला 'लिप्पन' पर छात्राओं ने कार्यशाला लगाई। जिसमें बी.ए. तथा एम.ए. की लगभग 50 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर अतिथि प्रोफेसर डॉ. एस.के. मित्तल, डा. एकता सिंह (स्वामी शुकदेवानन्द यूनिवर्सिटी) तथा डा. सुनीता गुप्ता (डी.एस. कालेज, अलीगढ़) ने निर्णायक मण्डल की भूमिका में सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों का चयन किया।
- डा. अलका आर्य के दिशा निर्देशन में आयोजित एक द्विदिवसीय कार्यशाला में दिनांक 2 फरवरी 2018 को चित्रकला विभाग में आमंत्रित कलाकार की प्रख्यात कलाकार द्वारा जल रंग एवं पोस्टर रंग तकनीक से दृश्य चित्रण कला का प्रशिक्षण एम.ए. एवं बी.ए. की छात्राओं को दिया गया।
- एम.ए. द्वितीय पाठ्यक्रम में सम्मिलित पारम्परिक कला 'कोलाज' तकनीक में छात्राओं की कला प्रतिभा को उजागर करने के उद्देश्य से 'कोलाज प्रतियोगिता' का आयोजन हुआ जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभागिता करते हुए सुन्दर आकृतियाँ, गुलदस्ते तथा दृश्य इत्यादि तैयार किये।
- दिनांक 19-03-2018 को श्रीमती मोनाक्षी कश्यप के दिशा निर्देशन में "फेस पेन्टिंग" प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में एम.ए. चित्रकला की 30 छात्राओं ने प्रतिभागिता करते हुए भारतीय लोक कला के विविध रूपों को अपनी कल्पना और रचनात्मकता के साथ उकेरा।
- **पोस्टर प्रतियोगिता** - विश्व जल दिवस के अवसर पर दिनांक 22-3-2018 को डा. अलका आर्य के दिशा निर्देशन में 'जल है तो कल है' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें लगभग 25 छात्राओं ने जल संरक्षण की आवश्यकता एवं उसके महत्व को पोस्टरों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।
- **रंगोली प्रतियोगिता**-डा. अर्चना चौहान के दिशा निर्देशन में दिनांक 9 अप्रैल को महाविद्यालय में चौत्र महिलाओं की कला प्रतिभा को उजागर करने के उद्देश्य से एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 50 महिलाओं ने प्रतिभागिता की।

राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' - दिनांक 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2018 को चित्रकला विभाग द्वारा राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की 200 छात्राओं के साथ आठ राज्यों के आमंत्रित कलाकारों की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई। इस त्रिदिवसीय कला प्रदर्शनी में भूतपूर्व छात्राओं तथा आस-पास के शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने भी प्रतिभागिता की। विभिन्न स्कूलों, कालेजों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रुचिपूर्वक प्रदर्शनी का अवलोकन कर मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

स्वावलम्बन -

छात्राओं को कला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में चित्रकला विभाग द्वारा संचालित 'स्वावलम्बन' प्रकोष्ठ के अन्तर्गत निम्न लिखित गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम संचालित किये गये-

- दिनांक 09 सितम्बर 2017 को डा. अलका आर्य एवं श्रीमती मोनाक्षी कश्यप के दिशा निर्देशन में छात्राओं को विभिन्न प्रकार की कला सामग्री एवं वेस्ट मैटेरियल से आभूषण बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। वर्तमान में हस्तनिर्मित आभूषणों की फैशन एवं मांग को देखते हुए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं, इसी उद्देश्य से छात्राओं की रचनात्मकता को इस कार्यशाला के माध्यम से नवीन आयाम प्रदान करने का प्रयास किया गया।
- दिनांक 11 अक्टूबर 2017 संस्कृति क्लब आई.आई.टी. रुड़की, दिनांक 13 अक्टूबर 2017 सी.बी.आर.आई. रुड़की तथा दिनांक 14 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय जल संस्थान रुड़की द्वारा आयोजित दीपावली मेले में स्वावलम्बन बैनर के अन्तर्गत चित्रकला विभाग की छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन की। छात्राओं द्वारा सृजित कलाकृतियों में मधुबनी पेन्टिंग, वारली पेन्टिंग, ग्लास पेन्टिंग्स, स्कल्पचर्स, रंगोली पाट-आकार, फ्लावर पॉट्स, कलमदान, बैग्स व ज्वैलरी, वॉल हैंगिंग तथा पारम्परिक व दिये इत्यादि दर्शकों द्वारा क्रय किये गये। कुछ छात्राओं को नवीन कलाकृतियाँ तैयार करने के आर्डर भी प्राप्त हुए। राष्ट्रीय जल संस्थान रुड़की द्वारा हमारी छात्राओं द्वारा सुसज्जित 'स्वावलम्बन' को सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।
- कला पोलिटेक्निक, रुड़की की संयोजिका श्रीमती नीलम बत्रा द्वारा दिनांक 6 फरवरी तथा 10 मार्च 2018 को चित्रकला विभाग की छात्राओं को, कला क्षेत्र में प्रचलित अनेक पारम्परिक विधाओं में नवीन रचनात्मक प्रयोग कर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने हस्तनिर्मित अनेक कलाकृतियों का प्रदर्शन और उनका तकनीकी प्रशिक्षण छात्राओं को प्रदान किया।

अतिथि व्याख्यान/सेमिनार

- दिनांक 30.08.2017 को डा. अनुपमा गर्ग के निर्देशन में संयुक्त हिन्दी और अंग्रेजी साहित्य एवं विषय परिषद के सहयोग से डा. स्मिता झा, प्रोफेसर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आई.आई.टी., रुड़की ने Communication and its various Aspects विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 21.09.2017 से डा. अनुपमा गर्ग के निर्देशन में अंग्रेजी विभाग की छात्राओं के Skill Enhancement Course को ध्यान में रखते हुए 'रचनात्मक एवं तकनीकी लेखन' विषय पर एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में श्री तरुण सुशील (मुख्य संवाददाता, टाइम्स ऑफ इंडिया) उपस्थित रहे। व्याख्यान 21.09.2017, 3.10.2017, 13.10.2017 एवं 16.10.2017 को क्रमशः News Story, Film Review, Book Review एवं Press Release विषयों पर दिये गये।

- दिनांक 16-11-2017 को [illegible] में एडवोकेट श्री [illegible] और श्री [illegible] द्वारा "Democratic Awareness through Legal Literacy" विषय पर एक व्याख्यान [illegible] छात्राओं को महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई।
- दिनांक [illegible]-03-2018 को [illegible] (पूर्व विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग, [illegible]) ने Chemistry in our lives विषय पर व्याख्यान देते हुए [illegible] farming in India और दैनिक जीवन में रसायन शास्त्र की भूमिका और महत्त्व पर प्रकाश [illegible]

Faculty of Science – Activities

- An essay writing competition was organized on the topic "Contribution of Science to Make India a Great Power"
- All departments conducted seminars on various topics pertaining to syllabus. Mathematics department conducted seminars on the topics, "Advance course on Matrices and applications" on 26/10/2017 and, Different characteristics of Mathematics" on 12th [illegible] 2018.
- Zoology deptt. conducted seminars on the topic, "Apiculture" and "Immunology".
- Project writing assignments were given by Chemistry department on "Glass ware" [illegible] by computer Science department on "Font Page Designing in MS word"
- Short term course was conducted by Maths department on the topic "Advance course [illegible] Matrices and its Application" from 23rd Oct 2017 to 26th Oct 2017.
- On the occasion of World's Maths Day, Chart exhibition was organized by Mathematics department on 15th Oct. 2017 on the theme, "Contribution of Maths in other subjects"
- A career oriented practice session was conducted by Mathematics department on 19 [illegible] 2017
- On the occasion of 98th birth anniversary of Dr. Vikram Sarabhai, wall magazine [illegible] was organized by Physics department from 12th Aug 2017 to 17th Aug 2017.
- A workshop on the theme, "Basic Computations and Physics" was organized in Physics department on 28th Aug 2017.
- Poster making competition was held in Physics department.
- International Science day celebration – International science day was celebrated by Physics department on the theme "Science and Technology for the Sustainable Future" [illegible] 27th Feb to 3rd March 2018.

A science Model Exhibitions based on above theme was organized to focus the creativity of young scientists. In this exhibition students displayed their innovative ideas through working models on various topics like Drip Irrigation, Robotics, Electricity and Magnetism based [illegible] models.

- Various informative charts and posters were displayed on latest technology [illegible] Environment Awareness through an attractive wall magazine.

- Mathematics department organized a Wall Magazine on International Women's Day on 8th March 2018 on the theme, "Rural and Urban Activities Transforming Women Lives".

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2017-18

[illegible] वर्तमान समय में [illegible] है, इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली खेल-कूद प्रतियोगिताओं में [illegible] भाग लेती है। क्रीड़ा समिति द्वारा वर्ष पर्यन्त आयोजित गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

- दिनांक 3-10-2017 को [illegible], शतरंज एवं [illegible] प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई।
- दिनांक 16-09-2017 से 15-02-2018 तक [illegible] प्रशिक्षक श्री [illegible] के निर्देशन में सम्पन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय की लगभग 100 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कु० दीपा, कु० [illegible], B.Sc. V Sem छात्राओं ने Yellow Belt में [illegible] स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- दिनांक 14-02-2018 से 15-02-2018 तक वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता [illegible] एवं [illegible] के निर्देशन में सम्पन्न हुई जिसका शुभारंभ [illegible] द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में 100 मी०, 200 मी०, 400 मी० दौड़, [illegible] प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुईं। दिनांक 15-02-2018 को [illegible] (कोषाध्यक्ष) एवं श्री [illegible] (आर्थिक सलाहकार) [illegible] समिति के द्वारा विजयी छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गए।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता : विजयी छात्राएं

100 मीटर रेस	कु० [illegible]	बी०एससी० I सेमेस्टर	प्रथम स्थान
	कु० अंजु	बी०ए० I सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० [illegible] देवी	बी०ए० I सेमेस्टर	तृतीय स्थान
200 मीटर रेस	कु० [illegible]	बी०ए० IV सेमेस्टर	प्रथम स्थान
	कु० [illegible]	बी०ए० IV सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० [illegible] देवी	बी०ए० IV सेमेस्टर	तृतीय स्थान
400 मीटर रेस	कु० [illegible] देवी	बी०ए० IV सेमेस्टर	प्रथम स्थान
	कु० [illegible]	बी०ए० IV सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० [illegible] देवी	बी०ए० VI सेमेस्टर	तृतीय स्थान
स्लो साइकिल	कु० [illegible]	बी०एससी० द्वितीय वर्ष	प्रथम स्थान
	कु० मनीषा	बी०ए० VI सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० कोमल	बी०ए० VI सेमेस्टर	तृतीय स्थान
शॉटपुट	कु० [illegible]	बी०एससी० II सेमेस्टर	प्रथम स्थान
	कु० [illegible]	बी०ए० II सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० [illegible]	बी०ए० IV सेमेस्टर	तृतीय स्थान

रिले रेस	कु० अंजू	बी०ए० VI सेमेस्टर	विजेता
	कु० सोनाली त्यागी	बी०एस०सी० VI सेमेस्टर	विजेता
	कु० हिना	बी०ए० VI सेमेस्टर	विजेता
	कु० लक्ष्मी	बी०ए० VI सेमेस्टर	विजेता

रस्साकशी प्रतियोगिता में बी०ए० एवं बी०एस०सी० की सम्मिलित टीम विजेता रही- कु० [illegible], मुस्कान, कु० हिना, कु० सोनाली, कु० नैन्सी, कु० [illegible], कु० शालू, कु० फातमा सिद्दीकी

कबड्डी प्रतियोगिता में बी० ए० एवं बी०एस०सी० की सम्मिलित टीम विजेता रही- कु० विधि गुप्ता, सोनाली त्यागी, कु० प्रिया सैनी, कु० अनुराधा, कु० हिना, कु० लक्ष्मी, कु० प्रियंका, कु० अंजू, कु० [illegible], कु० रानी, कु० प्रीति, कु० नैन्सी, कु० [illegible], कु० मुस्कान, कु० रेशमा।

खो-खो प्रतियोगिता में बी०ए० एवं बी०एससी० की सम्मिलित टीम विजेता रही- कु० सोनाली त्यागी बी०एस०सी० चतुर्थ सेमेस्टर, कु० प्रिया सैनी, कु० नैन्सी, कु० विधि गुप्ता, कु० मुस्कान, कु० शालू, [illegible] कु० कोमल, कु० काजल, कु० प्रीति कश्यप, कु० [illegible], कु० हिना, कु० लक्ष्मी देवी, [illegible] रानी, कु० अनुराधा

इंडोर गेम्स

शतरंज -	कु० [illegible]	बी०ए० IV सेमेस्टर	विजेता
	कु० विधि गुप्ता	बी०एससी० IV सेमेस्टर	उप विजेता
कैरम-	कु० पूजा	बी०एससी० II सेमेस्टर	विजेता
	कु० शालिनी	बी०ए० IV सेमेस्टर	उप विजेता
कुर्सी दौड़ गेम्स	कु० प्रगति सिंह	बी०एससी० II सेमेस्टर	प्रथम स्थान
	कु० पूजा	बी०एससी० II सेमेस्टर	द्वितीय स्थान
	कु० शिवम	बी०एससी० IV सेमेस्टर	तृतीय स्थान

कु० सोनाली त्यागी, बी०एससी० तृतीय वर्ष ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके चैम्पियन ट्रॉफी प्राप्त की।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

महाविद्यालय में दिनांक 5 अप्रैल 2018 को सांस्कृतिक समिति प्रभारी डा० भारती शर्मा के दिशा निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता जी, सचिव श्री सुनील कुमार तायल व कोषाध्यक्ष श्री सतीश भूषण जी तथा सदस्य श्री गोपाल गुप्ता जी की प्रेरणादायक उपस्थिति ने महाविद्यालय परिवार का उत्साहवर्धन किया।

छात्राओं द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है-

- सेमी क्लासिकल गीतों पर आधारित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की मोहक प्रस्तुति।
- सेमी क्लासिकल संगीत पर एकल नृत्य प्रतियोगिता।

- अंग्रेजी, हिन्दी व संस्कृत विभागों के संयोजन से साहित्यकारों की [illegible] पुस्तकों पर आधारित अन्ताक्षरी प्रतियोगिता में लगभग 30 छात्राओं ने प्रतिभागिता करते हुए अपने प्रखर ज्ञान तथा विषय विशेष पर गहन अध्ययन का परिचय दिया।

निर्देशक- डा० भारती शर्मा, डा० सीमा राय तथा डा० शिखा जैन।

- समसामयिक विषयों पर आधारित आशुभाषण प्रतियोगिता।

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता- सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोकनृत्य, [illegible] के उत्साहवर्धक गीत-संगीत और अनूठे वेशभूषा के साथ हुआ। इसके अतिरिक्त डा० कामना जैन के निर्देशन में देशभक्ति थीम पर आधारित 'जय हो' गीत पर सामूहिक नृत्य तथा डा. किरन बाला के निर्देशन में नृत्य नाटिका '[illegible]' की भावपूर्ण प्रस्तुति व 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में [illegible] माननीय अतिथियों के कर-कमलों द्वारा छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल नियोजन में डा० भारती शर्मा, डा० अनीता चौहान, डा. संगीता सिंह, डा० [illegible] तथा श्रीमती प्रीति वर्मा का विशेष योगदान रहा।

सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के परिणाम-

एकल गायन प्रतियोगिता	कु० कोमल	बी०ए० VI सेमेस्टर	प्रथम
	कु० अदिबा	बी०ए० IV सेमेस्टर	प्रथम
	कु० कल्पना	बी०ए० VI सेमेस्टर	द्वितीय
	कु० कोकिला	बी०ए० IV सेमेस्टर	तृतीय

निर्णायक मण्डल - डा० अनुपमा शर्मा, डा० किरन बाला, डा० [illegible]

एकल नृत्य प्रतियोगिता	कु० मुस्कान	बी०ए० IV सेमेस्टर	प्रथम
	कु० नीतू	बी०ए० VI सेमेस्टर	द्वितीय
	कु० दीपा	बी०ए० II सेमेस्टर	द्वितीय
	कु० कोमल	बी०ए० VI सेमेस्टर	तृतीय
	कु० प्रीति कश्यप	बी०ए० VI सेमेस्टर	तृतीय

निर्णायक मण्डल - डा० कामना जैन, डा० [illegible], डा० सीमा राय

आशुभाषण प्रतियोगिता	कु० मुस्कान वर्मा	बी०एससी० IV सेमेस्टर	प्रथम
	कु० मानसी सिंह	बी०ए० VI सेमेस्टर	द्वितीय
	कु० दीपा	बी०ए० IV सेमेस्टर	तृतीय

निर्णायक मण्डल - सुश्री [illegible] प्रसाद, डा० रेखा सिंह, श्रीमती [illegible] अग्रवाल

साहित्यिक अन्ताक्षरी- विनर आफ-शेक्सपियर ग्रुप (कु० [illegible], वैशाली, कु० कोमल)

निर्णायक मण्डल - डा० भारती शर्मा, डा० सीमा राय, डा० शिखा जैन

श्रेष्ठता पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ छात्रा-	कु० [illegible]	बी०ए० VI सेमेस्टर
	कु० रेखा [illegible]	बी०एस०सी० VI सेमेस्टर

कार्यक्रम संचालक-	स्नातक -	कु० नीतू	बी०ए० VI सेमेस्टर
	स्नातकोत्तर-	कु० [illegible]	एम०ए० IV सेमेस्टर

महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार -

दिनांक 24-03-2018 को [illegible] के सौजन्य से 'वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पक्ष (Scientific Aspects of Vedic Knowledge)' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन डॉ० [illegible] एवं डॉ० [illegible] के दिशा निर्देशन में हुआ। जिसमें शिक्षिका वर्ग द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों के [illegible] में विज्ञान की [illegible] [illegible] ब्रह्म और दर्शन, एक वैज्ञानिक विश्लेषण, विभिन्न ग्रंथों में [illegible] एक वैज्ञानिक विचार, वैदिक एवं आधुनिक [illegible] का तुलनात्मक अध्ययन, Vedic Math, Science through Narratives इत्यादि।

छात्रा वर्ग प्रस्तुतियाँ - छात्रा वर्ग द्वारा वैदिक [illegible], [illegible] एवं [illegible], आयुर्वेद एक वैज्ञानिक [illegible], आयुर्वेद का वैज्ञानिक महत्व Scientific value of Om Mantra, Mystery names vedas, The Mahabharata A Science Fiction, Ancient and Modern Science : A comparative Study इत्यादि विषयों पर विचार प्रस्तुत किये गये।

छात्रा कल्याण/छात्रवृत्ति/आर्थिक सहायता

महाविद्यालय की छात्रा कल्याण समिति द्वारा उच्च अंक प्राप्त करने वाली निर्धन छात्राओं को [illegible] पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होने वाली छात्रवृत्तियों के विषय में जानकारी दी गई। इनमें Nomon Science Scheme एवं Indra Gandhi Scholarship इत्यादि उल्लेखनीय है। इस सत्र [illegible] छात्राओं को छात्रवृत्ति/आर्थिक सहायता प्राप्त हुई उसका विवरण निम्नवत है:-

- महाविद्यालय की 25 छात्राओं को निर्धन छात्रा कल्याण कोष के अन्तर्गत प्रति छात्रा रू0 500/- आर्थिक सहायता दी गई।
- रोटरी क्लब, रूड़की द्वारा कु० [illegible] (बी०एस०सी० V सेमेस्टर) को ट्यूशन फीस भुगतान हेतु रू0 5000/- की धनराशि प्रदान की गई
- Prestigious Scholarship INSPIRE द्वारा महाविद्यालय की दो छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु चयनित किया गया- कु0 रितु गोस्वामी (बी०एस०सी० VI सेमेस्टर) - रू0 1,20,000/-
  कु0 आरती (बी०एस०सी० IV सेमेस्टर) - रू0 1,20,000/-

Career Guidance and Placement cell

Following activities were organized by the career Guidance and placement cell under the supervision of Dr. Alka Arya, Dr. Kiranbala and Mrs. Shelley Singhal -

25-09-2017 – Students were informed through a meeting and a notice about the **'Shorthand & Typing Course'** conducted by polytechnic, Roorkee.

30-11-2017 – A seminar was organized by Resource Person, Sh. Satyendra Pratap Singh on the topic **"Emerging Trends in Skill Development."**

03-12-2017 – Students were informed through an orientation program about **Free E-learning** courses running by Planning Department of Indian Government.

09-2-2018 – A **seminar** was organized by CETPA INFOTECH Pvt. Ltd, Roorkee on **"Digital Marketing"**

15-03-2018 – An interactive Session was conducted by Franklin Air Hostess Training Institute, Dehradun about the **career options in Aviation Industry.**

28-03-2018 – A lecture was given on the topic **"Opportunities in the field of Commercial Arts"** by Mrs. Neelam Rana

07-04-2018 – A workshop was organised with Prof. D.S. Negi (I.I.M.B. (U.)) as main speaker on the topic **"Neuro linguistic Programming"**.

भित्ति पत्रिका

छात्राओं के समसामयिक और सामान्य ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से विगत अनेक वर्षों से भित्ति पत्रिका महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही है। छात्राएं इसके विभिन्न स्तम्भों –विशिष्ट व्यक्तित्व, भाषा ज्ञान, संस्कृति, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य इत्यादि, के माध्यम से अपनी बौद्धिक और रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति करती है। प्रत्येक विभाग द्वारा भित्ति पत्रिका के अन्त में प्रदर्शित सामग्री के आधार पर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाती है और श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है।

स्वच्छता सर्वेक्षण

दिनांक 13-12-2017 को [illegible] रूड़की द्वारा महाविद्यालय का स्वच्छता सर्वेक्षण कराया गया। [illegible] में महाविद्यालय की स्वच्छता समिति के कार्यों का अवलोकन तथा महाविद्यालय परिसर कक्षों एवं शौचालयों की स्वच्छता व्यवस्था का मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त [illegible] ने उपस्थित छात्राओं को **'स्वच्छता हेतु'** सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए स्वच्छता के महत्व को बताया।

विस्तार प्रकोष्ठ

'आईये लाइब्रेरी चलें' युवा भारत के साथ प्रारम्भ विस्तार प्रकोष्ठ के अन्तर्गत गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विस्तार प्रकोष्ठ का उद्देश्य छात्राओं की बौद्धिक, वैचारिक एवं सामाजिक क्षमताओं को विस्तार देना है, जिससे उनमें एक समतावादी दृष्टिकोण विकसित हो और शिक्षा के मूल उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके। इस सत्र में विस्तार प्रकोष्ठ के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ संपादित हुई -

- 15 अगस्त 2017 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर **'भारत का नव निर्माण और युवा'** विषय पर विचार प्रस्तुति हुई।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अभियान **'संकल्प से सिद्धि तक'** में महाविद्यालय की शिक्षिका वर्ग एवं छात्राओं ने अपने संकल्प लेखनी बद्ध किये तथा छात्राओं के उत्तम संकल्पों को पुरस्कृत किया गया।

- दिनांक 28-8-2017 को 'मैं स्वच्छता के लिये क्या करूँगी' विषय पर जनपद स्तरीय निबंध प्रतियोगिता हेतु श्रेष्ठ छात्राओं का चयन किया गया।
- राष्ट्रीय दिवस पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर विचार प्रस्तुति हुई।
- दिनांक 20-1-2018 को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विषय पर स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजन किया गया।
- सत्र के अन्त में छात्राओं के मध्य 'समसामयिक चर्चा' के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर लेख प्रतियोगिता कराई गई जिसमें छात्राओं ने रुचिपूर्वक प्रतिभागिता की।

ग्रीन ब्रिगेड -

'हमारी धरा हमारी धरोहर' सूत्रवाक्य के साथ पर्यावरण संरक्षण को समर्पित 'ग्रीन ब्रिगेड' ने [illegible] जागरूकता हेतु सक्रिय योगदान दिया। [illegible] की भाँति स्वच्छ भारत अभियान एवं पर्यावरण [illegible] के प्रति लोगों में चेतना का संचार करने हेतु छात्राओं को पौध रोपित कराई गई [illegible] अभियान एवं वृक्षारोपण [illegible] महाविद्यालय के आस-पास की गन्दगी का निस्तारण करते हुए लोगों, जिन्होंने निर्धारित कार्यक्रमानुसार [illegible] स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

विशिष्ट राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रतिभागिता -

- दिनांक 11-9-17 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय शताब्दी वर्ष के अवसर पर छात्राओं के लिए स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं की वर्तमान विश्व में प्रासंगिकता के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्‌बोधन के प्रसारण को देखने की व्यवस्था की गई।
- दिनांक 16-1-18 को प्रधानमंत्री जी द्वारा परीक्षा पर चर्चा के राष्ट्रीय प्रसारण को देखने के बाद छात्राओं ने बड़ी संख्या में अपनी प्रतिक्रियायें दी।

पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस-

महाविद्यालय में दिनांक 12 अगस्त 2017 को महान गणितज्ञ डॉ॰ एस॰ आर॰ रंगनाथन जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। डॉ॰ रंगनाथन भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक हैं तथा इनका प्रमुख योगदान वर्गीकरण एवं सूचीकरण का है। 1965 में भारत सरकार ने इन्हें पुस्तकालय विज्ञान में राष्ट्रीय शोध प्राध्यापक की उपाधि से सम्मानित किया। पुस्तकालय विज्ञान के विकास हेतु डॉ॰ रंगनाथन ने अथक प्रयास किये। जिसके परिणाम स्वरूप आज स्नातक शिक्षा के उपरांत पुस्तकालय विज्ञान में रोजगार के अनेक अवसरों की संभावनाएं सृजित हो गई हैं। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रभारी [illegible] द्वारा छात्राओं को 'पुस्तकालय विज्ञान में रोजगार की संभावनाएं' विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

शौर्य दीवार का अनावरण -

युवा छात्रों में देशभक्ति और त्याग की भावना का संचार करने तथा देश के शूरवीर अमर शहीदों की स्मृति को बनाये रखने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में 21 परमवीर चक्र विजेताओं के व्यक्तिचित्रों से सुसज्जित शौर्य दीवार का अनावरण स्वतंत्रता दिवस के शुभअवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव श्री सुमित कुमार [illegible] जी तथा कोषाध्यक्ष श्री [illegible] जी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विशिष्टीय कार्यशाला / गोष्ठी

डा॰ रेखा सिंह के दिशा निर्देशन में महाविद्यालय में दिनांक 2 अप्रैल से 4 अप्रैल 2018 तक "Stress Management through sahaj yog Meditation" विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों को मानसिक कुंठा व तनाव से मुक्त करने तथा आत्मिक ध्यान, प्राणायाम और योग के माध्यम से स्वयं के आत्मबल को बढ़ाने के उपाय बताये गये।

भूतपूर्व छात्रा संघ -

सत्र 2017-18 में हुए पूर्व छात्रा संघ चुनाव में सर्वसम्मति से श्रीमती [illegible] अध्यक्ष, कु॰ [illegible]-उपाध्यक्ष, कु॰ [illegible] - सचिव, श्रीमती दीपिका- उपसचिव तथा सुश्री [illegible] का कोषाध्यक्ष पद पर चयन किया गया।

- महाविद्यालय में विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित [illegible] प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थानों में कार्यरत/अध्ययनरत पूर्व छात्राएं सम्मिलित हुईं।
- दिनांक 5 अप्रैल 2018 को चित्रकला विषय वाले भूतपूर्व छात्राओं की कला प्रदर्शनी से जोड़ने हेतु एक बैठक आहूत की गई। इसी क्रम में दिनांक 9 अप्रैल 2018 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भूतपूर्व छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता करने के साथ प्रदर्शनी की आयोजन व्यवस्था में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इस श्रृंखला में कु॰ दीपमाला, कु॰ अनुराधा कश्यप, कु॰ शिवानी सिंह और कु॰ सीमा रानी का नाम उल्लेखनीय है।

नवीन प्रकोष्ठ/समितियों का गठन -

- वर्तमान सत्र में उच्च शिक्षा निदेशालय से समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में छात्रा सुरक्षा एवं सशक्तीकरण प्रकोष्ठ तथा ई-लर्निंग सेल का गठन किया गया, जिसका उद्देश्य निर्धारित विभागों एवं समितियों के परस्पर सहयोग से छात्राओं को नियोजित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने हेतु समन्वित प्रयास करना है।
- **छात्रा सुरक्षा एवं सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** - दिनांक 07-12-2017 को एडवोकेट श्रीमती [illegible] (अध्यक्ष [illegible]) द्वारा Legal Awareness about the criminal law Amendment - 2013 विषय पर छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।
- दिनांक 26-9-2017 को छात्राओं को किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु अग्निशमन अभ्यास कराया गया।

इसी क्रम में स्थापित ई-लर्निंग सेल शिक्षण प्रक्रिया में डिजिटल माध्यम को बढ़ावा देने हेतु उत्साहपूर्वक तत्पर है। वर्तमान सत्र में इस सेल द्वारा समय-समय पर विभिन्न विषय आधारित/ रोजगार विषयक/ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी इत्यादि अनेक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण वेबसाइट्स सम्बन्धी सूचनाओं को नोटिस

बोर्ड पर प्रदर्शित कर छात्राओं का मार्ग दर्शन किया गया। करत संकाय की छात्राओं हेतु ...
Computer training Sessions भी चलाए गए।

- उपरोक्त के अतिरिक्त आगामी सत्रों में अन्तर्विभागीय सहयोग से छात्र विकास के प्रयासों के ... कार्ययोजना बनाई गई।
- वर्तमान सत्र में छात्रा कल्याण समिति द्वारा प्रारंभ पुस्तक दान योजना में छात्राओं से प्राप्त ... द्वारा बुक बैंक की स्थापना की गई। आगामी सत्र से निर्धन छात्राओं को पूरे सत्र हेतु उपलब्ध ... में से निर्गम आरंभ कर दिया जायेगा।

अन्य उपलब्धियाँ

- 27-09-2017 - राष्ट्रीय स्वच्छता मीन मिशन के तत्वावधान में फार्मिकेश से "अर्थ ... अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में बी.ए. तथा एम.ए. की 8 छात्राओं ने प्रतिभाग ... की।
- 11-10-2017- संस्कृति क्लब आई-आई-टी- रुड़की के सौजन्य से आयोजित दीपावली ... मेहन्दी प्रतियोगिता में 5 छात्राओं ने प्रतिभागिता की तथा कु० अतीन फातिमा (बी.ए. V सेम०) ... तथा कु० मोनिका (एम.ए. III सेम०) द्वितीय स्थान पर रहीं।
- 07-12-2017 - यूथ हास्टल एसोसिएशन आफ इंडिया, देहरादून द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ... प्रदर्शनी 'पर्यावरण एवं स्वच्छ भारत' में महाविद्यालय की 13 छात्राओं ने प्रतिभागिता की, जिसमें कु० सुल्ताना (एम.ए. V सेम०) को द्वितीय तथा कु० वन्दना (बी.ए. III सेम०) को तृतीय पुरस्कार ... हुआ।
- 21-03-2017 - विश्वम्भर सहाय ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन्स रुड़की द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय रंगोली प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम [कु० कामिनी (एम.ए. VI सेम०), कु० सोनू (एम.ए. ... सेम०), कु० इमराना (एम.ए. IV सेम०)] ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- 14-03-2018 को विश्वम्भर सहाय ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन्स रुड़की द्वारा आयोजित श्री ... मेमोरियल नेशनल सेमिनार में अर्थशास्त्र विभाग की कु० मानसी सिन्धु (बी.ए. IV सेम०) ने प्रतिभाग करते हुए - "Will India's Recent Economic Reforms Boost GDP growth Rate Exceeding China Growth Rate in Near Future." विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये।
- 04-11-2017 को दर्पण एवं भास्कर संस्कृति ज्ञान परीक्षा में महाविद्यालय की 52 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। जिसमें कु० प्रीति देवी (बी.ए. V सेम०) ने राज्य में द्वितीय स्थान, कु० ... (बी.ए. III सेम०) व कु० मीनू (बी.ए. I सेम०) ने स्वर्ण पदक, कु० ... गौतम (बी.ए. V सेम०) ने रजत पदक, ... (बी.ए. I सेम०) ने कांस्य पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।
- संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र भारत एवं भूटान तथा श्री रामचन्द्र मिशन एवं हार्टफुलनेस इन्स्टीट्यूट द्वारा "ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञानता नहीं, बल्कि ज्ञान का भ्रम है।" विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रतिभागिता की, जिसमें कु० स्वाति (B.A. VI सेम०) तथा कु० भारती को श्रेष्ठ निबन्ध लेखन के लिये पुरस्कृत किया गया।

- 'स्वच्छ भारत अभियान' के अन्तर्गत हुए सर्वेक्षण में हमारे महाविद्यालय को रुड़की नगर में प्रथम स्थान प्रदान किया गया। नगर निगम रुड़की द्वारा आयोजित एक सामूहिक कार्यक्रम में दिनांक 30 दिसम्बर 2017 को महाविद्यालय की स्वच्छता टीम, (... एवं ... की स्वच्छता टोलियाँ) को मेडल तथा प्रशस्तिपत्र दिया गया।

Internal Quality Assessment Cell (IQAC) - वर्ष 2017-18 के लिये महाविद्यालय में गठित आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चितन समिति (IQAC) में प्रबंध समिति के सचिव श्री सुनील कुमार ... जी, प्राचार्या डा० ... मिश्रा (अध्यक्ष), डा० एस. के. गुप्ता, पूर्व प्राचार्य, ... (कम्युनिटी मेम्बर), प्रो. ... आई-आई-टी- रुड़की, (कम्युनिटी मेम्बर), डा० अनुपमा गर्ग (समन्वयक), डा० अलका आर्य (सचिव), डा० ... जैन, श्रीमती ... ने सदस्य के रूप में अलग-अलग कार्यभार संभालते हुए सक्रिय भूमिका निभाई।

इस सत्र में कुल 21 बैठकें आहूत की गई, जिनका विवरण निम्नवत् है-

- दिनांक 5 अगस्त 2017 बी.ए. V Sem की छात्राओं के साथ हुई अभिविन्यास बैठक में CBCS प्रणाली में नवीन विषय के रूप में पढ़ाये जाने वाले Generic Elective Course (GEC) पर विस्तार से जानकारी दी गई।
- दिनांक 16 अगस्त 2017 को बी.ए. I Sem की समस्त छात्राओं के साथ अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ।
- दिनांक 17 अगस्त 2017 को शिक्षक अभिभावक मीटिंग आहूत की गई।
- दिनांक 7 नवम्बर 2017 को शिक्षिकाओं के साथ हुई बैठक में आगामी सत्र में होने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ CAS के अन्तर्गत डा० ... शर्मा व डा० ... जैन की प्रोन्नति हेतु API फार्मों को जाँच हेतु IQAC में जमा किया गया तथा IQAC द्वारा अग्रसारित दिनांक 10.6.18 को सभी प्रारूप फार्मों को सौंप दिये गये।
- दिनांक 8 फरवरी 2018 को पुनः शिक्षिकाओं के साथ अगले सेमेस्टर में संचालित होने वाली विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार करने हेतु बैठक हुई।
- दिनांक 27 मार्च 2018 को समस्त शिक्षिकाओं के साथ ई-लर्निंग ... की कार्ययोजना तैयार करने हेतु विचार विमर्श हुआ।
- दिनांक 24 मार्च 2018 को महाविद्यालय अनुशासन समिति के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की गई।
- दिनांक 30 मार्च 2018 को पूर्व छात्रा संघ के साथ हुई बैठक में आगामी सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कला-प्रदर्शनी की कार्ययोजना से अवगत कराया गया।
- अनुपस्थित रहने वाली छात्राओं के अभिभावकों के साथ दिनांक 16 अप्रैल 2018 को बैठक आहूत कर उन्हें आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।
- दिनांक 17 अप्रैल 2018 को IQAC की Annual Meet हुई जिसमें सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में कई प्रमुख मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ।

संक्षेप: इस सत्र में महाविद्यालय के चहुँमुखी विकास के दीर्घकालिक लक्ष्यों को निर्धारित करने के साथ अल्पकालीन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में IQAC द्वारा सकारात्मक प्रयास किये गये।

राष्ट्रीय सेवा योजना (सत्र 2017-2018)

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा० [illegible] के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा [illegible] गतिविधियाँ सम्पादित की गई-

नियमित गतिविधियाँ:-

- दिनांक : 26-07-2017 - कारगिल दिवस के अवसर पर Wall Magazine तैयार करवाया गया।
- दिनांक : 24-08-2017 - डेंगू जागरूकता रैली एवं स्वच्छता कार्यक्रम एवं 'स्वच्छ संकल्प से सिद्धि तक'
- दिनांक : 26-08-2017 - स्वच्छता टोलियों द्वारा सम्पर्क
- दिनांक : 04-09-2017 - स्वच्छता टोलियों के निरीक्षण में स्वच्छता अभियान-डोर-टू-डोर कैम्पेन
- दिनांक : 07-09-2017 - "मैं स्वच्छता के लिए क्या करूँगी" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता।
- दिनांक : 08-09-2017 - हिमालय बचाओ अभियान के अन्तर्गत शपथ
- दिनांक : 25-09-2017 - पर्यावरण जागरूकता रैली एवं वृक्षारोपण
- दिनांक : 27-09-2017 - स्वच्छता जागरूकता रैली तथा 'स्वच्छता ही सेवा' के अन्तर्गत श्रमदान।
- दिनांक : 11-10-2017 - 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर।
- दिनांक : 01-12-2017 - एड्स जागरूकता रैली एवं क्विज का आयोजन।
- दिनांक : 19-12-2017 - स्वच्छता डोर-टू-डोर कैम्पेन समीक्षा एवं व्याख्यान
- दिनांक : 17-03-2018 - रक्तदान शिविर में छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता।

एक दिवसीय शिविर आख्या (2017-2018)

दिनांक 24.09.2017 - राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर 'मेरा पेड़ हमारा पर्यावरण' नई पहल का शुभारम्भ के साथ वृक्षारोपण किया गया जिसका उद्देश्य स्वयंसेवियों के माध्यम से समाज में पर्यावरण के प्रति लगाव एवं संवेदनशीलता को विकसित करना है।

दिनांक 02.10.2017 - गाँधी जयन्ती के अवसर पर श्रमदान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्रम में 'स्वच्छता ही सेवा है' नुक्कड़ नाटिका सामाजिक व साम्प्रदायिक सौहार्द पर आधारित नाटिका, कविता, विचार प्रस्तुति इत्यादि का आयोजन।

दिनांक 31.10.2017 - राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 'मैं राष्ट्रीय एकता के लिए क्या करूँगी' विषय पर विचार लेखन गतिविधि का आयोजन, छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत लोकनृत्य, राष्ट्र एकीकरण पर आधारित मूक नाटिका, सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर आधारित लघु नाटिका, आयोजन, राष्ट्रीय एकता पर विचार प्रस्तुति इत्यादि।

दिनांक 09.11.2017 - राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता अभियान, मेरा पेड़ हमारा पर्यावरण, पहल के अन्तर्गत वृक्षारोपण, उत्तराखण्ड की लोक कला, संस्कृति, प्राकृतिक सौन्दर्य पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया।

दिनांक 28.01.2018 - एक दिवसीय शिविर ग्राम [illegible] में आयोजित किया गया जिसमें ग्राम स्वच्छता अभियान, गंगा स्वच्छता रैली के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक 23.03.2018 - [illegible] दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्मारक स्थल पर वृक्षारोपण।

सात दिवसीय विशेष शिविर:- शिविर का शुभारम्भ दिनांक 30.01.2017 को अंगीकृत ग्राम [illegible] में [illegible] के [illegible] श्री [illegible] एवं डा० दीपा शर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। शिविर के दौरान निम्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन हुआ -

- अंगीकृत ग्राम में स्वच्छता एवं [illegible] सर्वेक्षण / स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु रैली।
- बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ व नशा निषेध रैली का आयोजन।
- मेरा पेड़ हमारा पर्यावरण के अन्तर्गत वृक्षारोपण / प्राइमरी स्कूल के प्रांगण में क्यारियों का निर्माण।
- पॉलिथीन उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा निर्मित कपड़े के थैलों का निःशुल्क वितरण / तथा [illegible] लोगों को [illegible] [illegible] / 'नुक्कड़ नाटिका' [illegible]' का मंचन।
- इलेक्ट्रॉनिक [illegible] के सदुपयोग पर व्याख्यान।
- डा० [illegible] द्वारा व्याख्यान एवं दांतों का परीक्षण / स्वस्थ बच्चा-स्वस्थ बच्चा प्रतियोगिता का आयोजन।
- 'धूम्रपान एवं मद्यपान सेहत के लिये हानिकारक है' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता।

समापन समारोह में छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों- गढ़वाली लोक नृत्य, राष्ट्रीय एकता पर आधारित [illegible], बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ थीम पर नृत्य नाटिका इत्यादि की मनमोहक प्रस्तुति मुख्य अतिथि डा० एम.पी. सिंह, श्री एस. एस. [illegible], श्रीमती [illegible], कौशल दीक्षा शर्मा तथा प्राचार्या डा० [illegible] की गरिमामयी उपस्थिति में हुई।

अध्यापिका वर्ग की उपलब्धियाँ

Dr. Archana Mishra

- *Published Research Paper - Women Empowerment: A Human Rights Perspective in Aparajita Shodh Patrika*, ISSN-2454-4310-2017 P.No. 96-100
- प्रथम काव्य संकलन "[illegible]" के लिए 3 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त मेमोरियल ट्रस्ट नई दिल्ली - द्वारा विशिष्ट सम्मान से अलंकृत
- काव्य संकलन - वातायन: स्मृतियां-[illegible], [illegible], [illegible] का सान्निध्य बुक्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशन ISBN - 978-93-87246-01-0 प्रकाशन वर्ष 2017

Dr. Anupma Garg

- Published Research Paper Optimism in Romantic Poets' in Aparajita Research Journal 2 2016-17 ISSN 2452-4310 P.No. 115-119
- Presented one paper in National Seminar

Dr. Alka Arya

- Published Research Paper ' आधुनिक कला में परम्परा और प्रयोग के सामाजिक सरोकार' 'Aparajita' a multi-disciplinary Research Journal Vol.3, 2017 ISSN 2454-4310, P.No.
- Published Research Paper ' आधुनिक युग में वैदिक कला संस्कृति की प्रयोजनीयता' in an International Refereed Journal & Blind Peer reviewed multi-disciplinary Research Journal P.No. 914
- Participated in National Art exhibition 'Infinity' organized by M.K.P (PG) College, Dehradun from 6-12 Oct 2017.
- Participated in 1st All India Contemporary Art Exhibition organized by Anand Art Museum Haridwar in Dec. 2017.
- Presented one paper in National Seminar

Dr. Bharati Sharma

- Published Chapter of Adhyatm Yoga in Anugita Parva of Mahabharata in Ancient Indian Heritage P.No. 128-132, ISBN 978-81-7702-421-0
- Published Paper Mithakavi Kaidas and Willam Wordsorth a comprehensive Review in an international conference and edited book in Redifining Role of teachers in the New Emerging world P.No. 133-139, ISBN 978-93-97289-88-8
- Presented 2 papers in international conference one in national and one in college level seminar

Dr. Kumna Jain

- Published Paper ' विश्व शांति हेतु वैदिक जीवनमूल्य' in Vedic Vag Jyoti An international Refereed & Peer Reviewed Research Journal, ISSN No. 2277-4351 Pg. no. 89-95
- Published Paper 'प्रकृति एवं मानव: अजः क्रिया का बदलता स्वरूप' in Aparajita Research Journal Vol. 3, 2017, ISSN No. 2454-4310 Pg. no. 10-24
- Published Paper 'अहिंसा और गाँधी ' in Loktantra Sameeksha Vol. 47, No. 1-4, Jan 2015, ISSN No. 0024-595.
- Chapter भारतीय समाज में बालिकाओं के प्रति बढ़ते अपराध: (एक विश्लेषण) Published in Book, Violence Against Woman, Viswabharti Publications, New Delhi Pg. no 489-4..
- Presented 2 papers in International, 1 in National and 1 in College level seminar

Dr. Kiran Bala

- Awarded for highly esteemed contribution in the development of Uttarakhand on Hindi Diwas by Govt. of Uttarakhand.

- Published a chapter, Entitled ' महिला हिंसा: समस्या एवं समाधान' in Edited book 'Violence Against Woman' by Vishva Bharati Publication ISBN - 978-93-819, 2017.
- Published Research Paper Entitled 'विवाह के परिवर्तित स्वरूप एवं छात्राओं की मनोवृत्ति ... विश्लेषण' in Aparajita Shodh Patrika, ISSN, No. 2454-4310-2017
- Published Research Paper Entitled 'ग्रामीण महिलाओं में दहेज के प्रति दृष्टिकोण' in Aparajita Shodh Patrika, ISSN, No. 2454-4310-2017
- Presented two research paper in National Conference

Dr. Archna Chauhan

- Awarded Doctor of letters (D.Litt) in Drg & Pg on the Topic. मुगल कालीन लघु चित्रों में अलंकरण एवं बार्डरों का अंकन - एक अध्ययन by C.C.S. University, Meerut
- Participated in National Art Exhibition - Infinity 6-12 Oct. 2017 M.K.P (P.G.) College Dehradun.
- Presented two papers in National Seminar.

Dr. Anjuli Prasad

- Published Research Paper ' हिन्दू धर्म में आस्था और धार्मिक विश्वास' in Aparajita Research Journal. ISSU-3 2016-2017 P. No.-52
- Participated in Three week Research Methodology workshop 04-24 Dec. 2017 in M.B. P.G. College, Haldwani, Kumoun University Nainital.
- Completed successfully Pre-Phd Course in M.B. PG College, Haldwani, Kumaun University Nainital.

Dr. Shalini Verma

- Published Research Paper "तलाकों के लिए मुस्लिम महिलाओं की खुलकर और परिवार द्वारा ... अपनाना' in तीन तलाक राजनीतिक एवं सामाजिक विमर्श Research Journal, Vol. 1, ISBN-987-93-80565-59-5.
- Published Research Paper 'गाँधीवादी विचारधारा में महिलाएँ' in Aparajita Research Journal Vol. 3 2017 ISSN No. - 2454 - 4310.
- Presented 2 Research Paper in National Seminar.

Dr. Ruchi

- Published Research Paper ' सशक्तीकरण की राह पर मुस्लिम महिलायें दशा एवं दिशा' ISBN-9829 3-80565 तीन तलाक राजनीतिक एवं सामाजिक विमर्श।
- Published Research Paper ' अजब अभियान : एक बहुआयामी अवधारणा ISSN No. - 2454 - 4310 अपराजिता

महाविद्यालय विकास कार्य

महाविद्यालय में शिक्षण एवं छात्रा सुविधा एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए प्रबन्धसमिति द्वारा [illegible] विकास सम्बन्धी कार्य कराये गए।

- सत्र 2016-17 में प्रस्तावित पुस्तकालय Automation के प्रस्ताव पर त्वरित गति से कार्य कराते [illegible] पुस्तकालय का कम्प्यूटरीकरण पूर्ण किया गया।
- [illegible] में अतिरिक्त [illegible] कक्षों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रबंध समिति द्वारा [illegible] कक्ष उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।
- अधिक छात्राओं को सुविधापूर्वक पठन-पाठन करने हेतु पुस्तकालय में अतिरिक्त फर्नीचर की व्यवस्था की गई।
- कला संकाय की छात्राओं को e-learning की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से पुस्तकालय में Broad Band Connectivity की व्यवस्था की गई।
- शिक्षण सम्बन्धी [illegible] को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त शिक्षकों, नवीन पाठ्यक्रम की आवश्यकता के मद्देनजर विज्ञान प्रयोगशालाओं हेतु उपकरणों के क्रय की व्यवस्था।
- परिवर्तित पाठ्यक्रम (CBCS) हेतु आवश्यक पुस्तकों का क्रय।
- महाविद्यालय सुरक्षा मानकों के सुदृढ़ीकरण हेतु भी अनेक कार्य कराये गये। विवरण निम्नवत् :
  - महाविद्यालय की CCTV प्रणाली का नवीनीकरण तथा विस्तारण।
  - छात्राओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए बाउण्ड्रीवाल तथा छतों की रेलिंग का उच्चीकरण।
  - सुरक्षा मानकों को दृष्टिगत रखते हुए नगर प्रशासन से अनुमति प्राप्त कर महाविद्यालय के [illegible] साइकिल स्टैंड की व्यवस्था।
  - [illegible] से चली Water Logging की समस्या के निदान हेतु महाविद्यालय के पीछे के [illegible] खुदाई व भूमि का समतलीकरण।

संयोजन - डा० अलका आर्य

डा० अर्चना मिश्रा, प्रा[illegible]

❖ ❖ ❖

मेधावी छात्राएं (सत्र 2016-17)

बी. ए. तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक

कु. [illegible] ([illegible])

LIBRARY COPY

बी. ए. तृतीय वर्ष में प्रथम श्रेणी

कु. अमिता उपाध्याय

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. श्रुति मिश्रा

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. अन्नू

कु. [illegible]

कु. [illegible]

कु. [illegible]

मेधावी छात्राएं (सत्र 2016-17)

बी एससी तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक (गणित संवर्ग)

कु. पूजा सुन्दरी (71%)

बी एससी, तृतीय वर्ष में प्रथम श्रेणी (गणित संवर्ग)

कु. वन्दना

कु. लवलता

कु. दिव्या सैनी

कु. रश्मि रावत

कु. शिवानी चौहान

कु. आकांक्षा भण्डारी

कु. नेहा सैनी

कु. प्रियंका बिष्ट

कु. आरती चौहान

कु. मधु त्यागी

कु. निशा सैनी

कु. प्राची सैनी

कु. मित्र

मेधावी छात्राएं (सत्र 2016-17)

बी एससी, तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक (जीव-विज्ञान संवर्ग)

विश्वविद्यालय वरीयता सूची में दशम स्थान

कु. बिन्दु गोस्वामी (77.84%)

बी एससी तृतीय वर्ष में प्रथम श्रेणी

कु. वैशाली कौशिक

कु. शिवानी [illegible]

कु. मनीषा भाटी

कु. नेहा कुमारी

कु. ज्योति

कु. अंजू सैनी

कु. अनुश्री कौशिक

कु. नीतू

कु. अंकिता जोशी

कु. छवि शर्मा

कु. गायत्री सैनी

कु. वैष्णवी कौशिक

कु. सोनिया

कु. प्रीति

कु. कनिका

कु. प्रियंका [illegible]

कु. अनुष्का सैनी

राष्ट्रीय सेवा योजना दैनिक गतिविधियाँ

[illegible]

[illegible]

[illegible] प्रतियोगिता

[illegible] प्रतियोगिता

[illegible]

[illegible]

[illegible] प्रतियोगिता

[illegible]

कला संकाय शैक्षिक गतिविधियाँ

[illegible] | Various Aspects of Communication

[illegible] प्रतियोगिता [illegible]

Tuba Eri Singh [illegible]

हिन्दी दिवस

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विज्ञान-संकाय शैक्षिक गतिविधियाँ

[illegible] : Science Wall Magazine

Seminar : Role of Chemistry in other [illegible]

[illegible] : National Science Day (28th Feb 2018)

Working Models for Sustainable [illegible]

Wall Magazine Display : International Women's Day

Guest Lecture : Chemistry in our [illegible]

Science Model Exhibition

Science Exhibition visit by Alumni

अन्य गतिविधियाँ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हम सब एक हैं : मूक नाटिका

[illegible]

अन्य गतिविधियाँ

[illegible]

[illegible] भित्ति पत्रिका

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] प्रथम स्थान [illegible]

क्रीड़ा गतिविधियाँ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

आचार्य एवं क्रीड़ा समिति के साथ [illegible]

[illegible]

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

[illegible]

समारोह में प्रबंध समिति के माननीय सदस्य

एकल नृत्य प्रस्तुतियाँ

सामूहिक नृत्य प्रस्तुति

[illegible]

'जय हो' सामूहिक नृत्य प्रस्तुति

प्रबंध समिति एवं प्राध्यापिका वर्ग के साथ पुरस्कृत छात्राएँ

अध्यक्षीय संबोधन

चित्रकला विभाग गतिविधियाँ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पोस्टर प्रतियोगिता - [illegible]

पुरस्कार वितरण

स्वावलम्बन/कैरियर गाइडेन्स सेल

राष्ट्रीय सेवा योजना
सात दिवसीय शिविर

An Educational Trip in Agra

An educational trip to Agra was organized between 26 Nov. 2017 to 28 Nov. 2017 by Political Science and Botany Department. The purpose was to visit historical monuments and have a more realistic vision of history students of Botany Deptt. joined to study semi desert type of vegetation, as **Agra** is located in semi arid zone of UP.

First of all we reched Sahib Shri **Guru Ka Taal Gurudwara**. It's a historical Sikh pilgrimage place dedicated to the memory of 9th Guru Sri Guru Teg Bahadur ji. It is near Sikandra in Agra.

The next morning started with our trip to **Fatehpur Sikri Akbar's** liberal religious views reflected **in the** charismatic blend of Indo – Islamic master piece. In **Fatehpur** Sikri we also visited Buland **Darwaza**, which is considered to be one of the highest gateways in the world. After that we proceed **for the** Dream in Marble or Symphony in marble i.e. the Tajmahal, one of the seven wonders of the **world**, built by Shahjahan in the sweet memory of his queen Mumtaz Mahal.

On the same day we also visited the local market Sadar and purchased the specialities of the city of Agra's Petha and Dalmoth. Next morning our venture was to visit **Agra Fort**. The red stone walls of Agra Fort hail to an era of grandeur. Inside the fort, we saw various buildings such as **Khas Mahal**, which was a private place built by Shahjahan for his daughters. Most spectacular of all is **the fact** that from the fort one can catch a glimpse of the Taj Mahal vegetation part.

The vegetation of Agra is Semi desert type and many xerophytic plants are found here, besides **xerophytic** shrubs stunted trees like reonj (*Acacia leucophloea*), Cheonkar (*Prosopis spicigera*) **and Lasa** (*Capparis horrid*) were seen here. Arusa tree i.e. (*Adhatoda Vasica*) was a regular site **and the** students collected parts of these plants for their herbarium.

It is very true, historical places always bring a great experience of **learning** and historical monuments are the secrets that they hold with in them.

We came back with wonderful memories of the Taj Mahal, Agra and Fatehpur Sikri which are considered as UNESCO world heritage sites. It has glorified India and the Mughal art.

Report by
Dr. Kamna Jain
Dr. Asma Siddiqui

[illegible] में इसके संबंध में कोई अपवाद नहीं होता क्योंकि ये सब [illegible] लक्ष्मी, सरस्वती, राम, कृष्ण, शिव, गणेश आदि देवी-देवता देश के सभी भागों में एक जैसी [illegible] कुम्भ जैसे मेले में देश के सभी प्रान्तों के लोग शामिल होते हैं। होली, दिवाली, रक्षा-बंधन, [illegible] सम्पूर्ण भारत में मनाए जाते हैं।

कभी-कभी अलग-अलग प्रान्तों के बीच छोटे-मोटे मत भेद दिखाई पड़ते हैं। इसके बावजूद [illegible] में [illegible] देश मिलकर उसका सामना करता है। अलग-अलग अखबार, [illegible] अलग-अलग [illegible] आदि भी मूल रूप से राष्ट्रीय एकता को ही प्रकट करते हैं। इस प्रकार भारत [illegible] में एकता का दर्शन होता है।

अलग-अलग फूलों से सजकर, क्यारी गुलशन बन जाती है
अलग-अलग हैं नदियाँ सारी, इक सागर में मिल जाती है
अलग-अलग शब्दों से बँधकर, एक कहानी बन जाती है
अनेक रंगों की सुंदरता ही तो, इंद्र धनुष कहलाती है।
आसमान में तारे सारे, संग होकर प्यारे लगते हैं
यों भारत की धरती पर, कई भाषा और कई धर्म हैं,
यही अनेकता मिल जाने पर, एकता हमारी बन जाती है।

❖ ❖ ❖

स्वतन्त्र भारत में हिन्दी का सफर

"भारत में सब भिन्न अति, ताही सो उत्पात
विविध देश मतहु विविध, भाषा विविध लखात।"

भारतेन्दु हरिश्चंद्र के अनुसार "भारतवर्ष में भिन्न-भिन्न लोग और समुदाय होने के [illegible] सम्पर्क भाषा के रूप में प्रयोग की जाती है" परन्तु मानव को अपने भावों की अभिव्यक्ति [illegible] भाषा के माध्यम से ही करनी होती है। भाषा के अभाव में न तो किसी सामाजिक परिवेश की कल्पना [illegible] है और न ही सामाजिक व राष्ट्रीय प्रगति की। साहित्य, विज्ञान, कला, दर्शन आदि सभी का आधार भाषा [illegible] देश के निवासियों में राष्ट्रीय एकता की भावना के विकास और पारस्परिक संपर्क के लिए एक [illegible] अवश्य होनी चाहिए जिसका व्यवहार राष्ट्रीय स्तर पर किया जा सके और ऐसी भाषा 'हिन्दी' ही है। [illegible] के प्रयोग संवर्धन के लिए भारत में राजभाषा विभाग खोला गया। अब प्रश्न यह उत्पन्न होता है कि हिन्दी [illegible] पर कैसे दिलवाया जाए? कौन से ऐसे उपाय किए जाएं जिनसे हम अपने लक्ष्य तक पहुँच सकें। इस [illegible] करते हैं, हमें हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। निमंत्रण-पत्र, नामपट्ट हिन्दी में होने चाहिए, [illegible] पत्रों, विज्ञापनों, [illegible] आदि के बिल जनता को हिन्दी में दिये जाने चाहिए। प्राथमिक स्तर से स्नातक [illegible] अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जानी चाहिए। मैथिलीशरण गुप्त जी ने कहा

"भाषा बिना व्यर्थ ही जाता ईश्वरीय ज्ञान, सब दानों में बड़ा है ईश्वर का यह दान
असंख्यक है इसके उपकार, करो अपनी भाषा पर प्यार"

आजादी के बाद 13 सितम्बर 1949 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि किसी विदेशी भाषा से कोई देश महान नहीं बन सकता, क्योंकि कोई भी विदेशी भाषा आम लोगों की भाषा नहीं बन सकती है। उसके एक दिन बाद 14 सितम्बर 1949 को यह निर्णय लिया गया कि हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी और अंक अन्तर्राष्ट्रीय होंगे, यह भाषा भारत की राजभाषा होगी।

हिन्दी को भारत की राजभाषा बनाने के बाद ही इसका विरोध शुरू होने लगा। इस विरोध के बाद यह फैसला लिया गया कि अंग्रेजी भाषा को पन्द्रह वर्षों के लिए राजभाषा का स्थान दिया जाएगा। इसके बाद केवल हिन्दी ही राजभाषा होगी। 26 जनवरी 1965 को संसद में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि 'हिन्दी का सभी सरकारी कार्यों में उपयोग किया जाएगा, लेकिन उसके साथ-साथ अंग्रेजी का भी [illegible] के रूप में उपयोग किया जाएगा।

राष्ट्रभाषा हिन्दी का भविष्य उज्ज्वल है। वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी देश व विदेशों में हिन्दी भाषा में भाषण देकर हिन्दी के प्रचार-प्रसार में वृद्धि की। यदि हिन्दी विरोधी अपनी [illegible] भावनाओं को त्याग सकें और हिन्दी भाषी लोग धैर्य, संतोष और प्रेम से काम लें तो हिन्दी भाषा भारत के लिए [illegible] राष्ट्रीय जीवन का आदर्श बन जाएगी। हमारा कर्तव्य है कि हम हिन्दी के प्रति [illegible] दृष्टिकोण अपनाएँ, हिन्दी के अन्तर्गत विभिन्न प्रान्तीय भाषाओं के [illegible] का समावेश करें। भाषा का प्रसार जोर से नहीं होता वह निरन्तर परिश्रम और धैर्य से होता है। हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है और इसकी उन्नति ही हमारी उन्नति है। हिन्दी के प्रसिद्ध कवि गोपाल सिंह नेपाली ने भी कहा है कि

"बढ़ने दो इसे सदा आगे, हिन्दी जनमत की गंगा है
यह माध्यम उस स्वाधीन देश का, जिसकी ध्वजा तिरंगा है।"

आज कम्प्यूटर का युग है। विश्व के समस्त कार्य आज कम्प्यूटर की मदद से किये जाते हैं; आज विश्व की सभी भाषाओं के साथ हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर उपलब्ध है। कम्प्यूटर में हिन्दी प्रयोग को काफी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने भारतीय भाषाओं के लिए टेक्नोलॉजी विकास नामक परियोजना के अंतर्गत कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं।

वैज्ञानिक क्षेत्र में आज हिन्दी का महत्वपूर्ण योगदान है। हिन्दी ने वैज्ञानिक शब्दावली को ग्रहण कर लिया है जैसे ऑक्सीजन (आक्सीजन), परमाणु बम (एटम बम)। निष्कर्षतः वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टि से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रयोग पर्याप्त मात्रा में बढ़ा है, जिससे हिन्दी भाषा ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपयोगिता और सार्थकता स्थापित की है। एक शब्द में एक राष्ट्रभाषा हमारे गौरव और हमारी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रतीक है। भारत की भाषाओं में केवल हिन्दी ऐसी भाषा है जिसमें उपर्युक्त सब गुण पाये जाते हैं। हिन्दी, संस्कृत, प्राकृत आदि की पूर्णतया उत्तराधिकारी है। [illegible] से निराला, युग का सांस्कृतिक साहित्य हिन्दी ने ही प्रवर्तित किया है। हिन्दी अत्यन्त सरल और वैज्ञानिक भाषा है। काबुल का पठान या [illegible] का [illegible] भारत के नाना प्रदेशों में घूमता है या निवास करने लगता है, तो वह पड़ोस की भाषा पंजाबी, राजस्थानी इत्यादि नहीं सीखता है, परन्तु वह हिन्दी सीखता है। विदेशों से जो पर्यटक आते हैं, वे जिस भारतीय भाषा को आसानी से अपना पाते हैं वह हिन्दी है। निष्कर्षतः तमिल, मराठी, मलयालम, उड़िया, बंगाली आदि भारत के विभिन्न प्रान्तों की भाषाएं हैं, परन्तु हिन्दी पूरे राष्ट्र की भाषा है।

❖ ❖ ❖

समरस भारत के लिए: संवाद, संवेदना और सहिष्णुता

डॉ० [illegible]

[illegible] विशाल भारत [illegible] अनेक धर्मों, भाषाओं, वर्गों की सामाजिक विरासत सँजोये है। [illegible] से मुक्ति के उपरान्त विश्व के अग्रणी [illegible], सौ से अधिक [illegible] राष्ट्र के रूप में भारत ने [illegible] देश के विकास को गति देना था। स्वतंत्र-भारत की [illegible] संस्कृति को [illegible] के एक सूत्र में जोड़े रखने में सफल भी रहा है। [illegible] सहिष्णुता है, जो हमें एक दूसरे की आशाओं-विश्वासों का सम्मान [illegible] की भावना को अक्षुण्ण रखकर शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की [illegible] संविधान की भी बड़ी भूमिका है। तत्कालीन [illegible] भारतीय [illegible] परिस्थितियों की चुनौतियों के बीच आज तक न सिर्फ [illegible] सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ स्वतंत्रता [illegible] स्वीकार और रेखांकित किया है।

[illegible] जीवन के प्रत्येक पक्ष में परिवर्तन आया है। भारत एक विशिष्ट व [illegible] पूरे विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। [illegible] और अशिक्षा एक [illegible] समाज की स्थापना में बाधक [illegible] सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में भी [illegible] नजर आ रहा है। भारतीय संस्कृति ने [illegible] विभाजनकारी [illegible] भिन्न-भिन्न [illegible] धर्म, भाषा, [illegible]

आज [illegible] है कि हम [illegible] 'भारतीय' के रूप में समाज में व्याप्त विभाजनकारी तत्वों से [illegible] 'राष्ट्रप्रेम' और 'राष्ट्रीय-उद्देश्य' को [illegible] एकता को मजबूत बनाना। इसके लिए [illegible] संवाद, समाज के वंचित और कमजोर तबकों के प्रति संवेदन[illegible] सम्मान की भावना बनाये रखना। भारत [illegible] धार्मिक आस्थाओं के प्रति सहिष्णुता और सम्मान [illegible] विभिन्न विचारधारायें और परस्पर संवाद हमारी संस्कृति की पहचान [illegible] सृजनात्मकता और मुक्त चिंतन की अविरल धारा के साथ ही [illegible] एक [illegible], जीवंत समाज की पहचान भी है।

[illegible] विकास [illegible] आवश्यकता है पर यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि आर्थिक [illegible] विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। आज आवश्यक है कि [illegible] संस्कृति के [illegible] कोष में संचित जीवन-मूल्यों को आत्मसात कर एकात्म और [illegible] आधुनिक विज्ञान की विविध उपलब्धियों से भौतिक समृद्धि। वर्तमान परिदृश्य में व्याप्त [illegible] उतना ही महत्वपूर्ण है कि अपने [illegible] के लिए हम लोकतांत्रिक तरीके अपनायें। हिंसा, घृणा और वैमनस्य [illegible] तभी समाज और राष्ट्र स्थिर, शक्तिशाली और श्री-संपन्न होता है जो समरस [illegible]

किसी भी प्रकार के [illegible] निर्विवाद रूप से हमारी [illegible] इसलिए, उनकी [illegible] विरासत के [illegible] एक [illegible] और [illegible] भारत को [illegible] वर्तमान पीढ़ी को [illegible] हम [illegible] संवाद, संवेदना और सहिष्णुता के [illegible] समरस भारत के निर्माण के लिए [illegible] आवश्यक है।

✧ ✧ ✧

हिन्दी हैं हम, वतन है हिन्दोस्तां हमारा......

कु० [illegible]

पंथ का हो बँटवारा, मंजिल को तुम मत बाँटो, किरणों का हो बँटवारा, सूरज को मत बाँटो।

भारत एक ऐसा देश है, जो अनेक प्रकार की विविधताओं से भरा है। इतनी विविधताएँ संसार के किसी भी देश में दुर्लभ है। इस देश को त्यौहारों और पर्वों का देश भी कहा जाता है।

ऐ आब-ए-रूद-ए-गंगा वह दिन याद है तुझको, उतरा तेरे किनारे, जब कारवाँ हमारा।
मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना, हिन्दी है हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा।

ये कवि अल्लामा इकबाल की कविता है जो इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि यह उस हिन्दुस्तान की बात करती है जो अनेक धर्मों, [illegible] होने के बावजूद [illegible] हो रहा है। [illegible] बहुत कोशिश की लेकिन वह इन तरीकों से असफल रहे। ये सोच रखना हमारे लिए आवश्यक है कि हम चाहे [illegible] हम हिन्दुस्तानी हैं। हम चाहे, अलग-अलग धर्म [illegible] के हों और अलग-अलग भाषा बोलते हों लेकिन हम सब हिन्दुस्तानी हैं और हम सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं एक संस्कृति और भाषा के कारण। [illegible] "मजहब यह नहीं सिखाता कि आपस में बैर रखो" तो प्रश्न यह उठता है कि मजहब सिखाता क्या है?

मजहब सिखाता है – लड़ाई झगड़े से दूर रहकर मेल मिलाप और भाईचारे का संदेश देना।
मजहब सिखाता है- भले ही ईश्वर के नाम पृथक है और रूप भिन्न है फिर भी वह एक ही है।

मजहब के नाम पर लड़ना मूर्खता है। मजहब की आड़ में लड़ने वाले अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए इसकी विभिन्न ढंगों से व्याख्या करते हैं। कौन कहता है कि मजहब सिखाता है कि आपस में बैर रखो। आइये कुछ उदाहरण देखें- पहला जनता के राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का पार्थिव शरीर [illegible] में रखा था और उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा था। [illegible] कलाम जी की एक झलक पाना चाहते थे। उस दिन न तो वहाँ कोई हिन्दू, न मुस्लिम, न सिक्ख, न ईसाई था, वे तो सिर्फ हिन्दुस्तानी थे जो उन्हें अंतिम विदाई देना चाहते थे।

दूसरा, निर्भया कांड, दिल्ली एक लड़की के साथ दरिंदगी ने पूरे देश को हिला के रख दिया। न किसी को पूछने की जरूरत पड़ी कि उसका नाम क्या है! न उसके धर्म के बारे में कोई जानना चाहता था। चाहते थे तो बस इंसाफ। उसमें एक अनजाना सा, लेकिन घनिष्ठ रिश्ता बन गया। यह दोनों उदाहरण यही बताते हैं कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है और इसके आगे हर मजहब छोटा है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः

जब आँखें खुले तो धरती हिन्दुस्तान की हो, जब आँखें बंद हो तो यादें हिन्दुस्तान की हो, हम मर भी जाए तो कोई गम नहीं, लेकिन मरते वक्त मिट्टी हिन्दुस्तान की हो।

भारत में 29 राज्य है और प्रत्येक राज्य की अपनी पहचान। प्रत्येक राज्य का अपना रंग, [illegible] रहन-सहन और अलग-अलग ही खान-पान। इस प्रकार, भारत देश विविधताओं से भरा हुआ है [illegible] विभिन्नताओं के बावजूद भी भारत देश में 'अनेकता में एकता' की भावना देखने को मिलती है। [illegible] धागे एकता के सूत्र से बंधे हुए हैं। कहा गया है

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं, रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक है।

[illegible] विकास के लिए सद्भावना, पारस्परिक सहयोग एवं शांतिमय वातावरण [illegible] हो रहा है, वहाँ सुख और शान्ति [illegible] ने कहा है कि अशांत व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं [illegible] के लिए कल्याण की कामना किया करते थे:-

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।

भारतीय संस्कृति समस्त विश्व को ही अपना परिवार मानती रही है। 'उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्' [illegible]। जिस प्रकार परिवार में सभी सदस्य मिलजुल कर प्रेम, भाईचारे के साथ रहते [illegible] अपने देश में ही नहीं बल्कि पूरे दुनिया के साथ [illegible] भावना के साथ रहना चाहिए। तभी हमारे देश में शान्ति होगी और देश का [illegible]

[illegible] के अनुसार "अगर कहीं शान्ति नहीं है तो इसकी वजह ये है कि हम भूल चुके है कि हम एक-दूसरे के है।" अतः हमें मिलजुल कर 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' की भावना के साथ रहना चाहिए और [illegible] श्रेष्ठ बनाने में अपना सहयोग देना चाहिए क्योंकि सुकरात ने भी कहा है - "सारे ज्ञान का निचोड़ [illegible] अज्ञानता को समझ लेना ही है।" देश के श्रेष्ठ बनने से अभिप्राय देश के विकसित होने से है। देश [illegible] बुराईयाँ, जैसे- जातिवाद, भाईवाद, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब आदि भेदभावों को दूर करने से है, क्योंकि [illegible] विकसित होगा। कहा भी गया है:

मनुष्य की ताकत बढ़ेगी कब? जाति-बिरादरी खत्म होगी तब।

देश को विकसित करने के लिए देश के आर्थिक तन्त्र को मजबूत करना होगा, प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाना [illegible] इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयत्न करना होगा तथा अपने देश को श्रेष्ठ बनाना होगा।

तिरंगा लहरायेंगे, भक्ति गीत गुनगुनायेंगे।
वादा करो इस देश को, दुनिया का सबसे प्यारा देश बनायेंगे।

सर्व धर्म समभाव

कु० दीपा
[illegible]

मातृभूमिः पितृ [illegible], [illegible]
[illegible]।।

अर्थात् जिसको मातृभूमि प्रिय होती है [illegible]। हमारा देश भारत विविध-संस्कृतियों, रीति-रिवाजों, धर्मों, जातियों आदि से भरा है। [illegible] विभिन्नताओं एवं विषमताओं में भी हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत को [illegible] संविधान का एक-एक शब्द [illegible] रूप से [illegible] में एकता लिये हुए है। [illegible] जवाहर लाल नेहरू जी जिन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण "Tryst with Destiny" में भारत को [illegible] सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि "भारत एक घर है जिसका प्रत्येक निवासी भाई-भाई है।" सरदार वल्लभ भाई पटेल जी जिन्होंने बड़ी कठिनाइयों [illegible] टुकड़े में बँटे इस घर भारत को एक बनाया। भीम राव अम्बेडकर जी [illegible] दलितों को समाज में एक उचित दर्जा दिलाया। [illegible] राजेन्द्र प्रसाद, [illegible] अब्दुल कलाम आजाद, श्री कृष्णा मैत्री, डा० सर्वोपल्ली राधाकृष्णन आदि ने संविधान में [illegible] के प्रत्येक अंग को समान अधिकार प्राप्त कराया।

भारत ही शायद विश्व में एक ऐसा होगा जिसका संविधान [illegible] धर्म को समान अधिकार देता है। लेकिन हम आज भी जातिगत, लैंगिक, धर्मगत आदि का भेदभाव अपने [illegible] से नहीं निकाल पाते है। [illegible] महान पुरुषों को जिन्होंने संविधान लिखते समय अपनी शुद्ध [illegible] से इन भेदभावों को मिटाया। [illegible] जनता [illegible] है, और हमें इस एकता को अनुभव करते हुए ही [illegible]। [illegible] भारत बनाना है, जो हमारे पूर्वजों के भारत से भी अधिक गौरवशाली हो और यहां जन्मा प्रत्येक मनुष्य अपने-अपने व्यक्तित्व का विकास करते हुये केवल सम्पूर्ण मानव जाति के [illegible], अपितु सम्पूर्ण सृष्टि के साथ एकात्मकता का साक्षात्कार करता हुआ [illegible] के लिये समर्थ हो।

संस्कार, संस्कृति और शान मिले, ऐसे हिन्दू मुस्लिम और हिन्दुस्तान मिले,
रहे हम सब ऐसे-मिल-जुलकर, मंदिर में अल्लाह और मस्जिद में भगवान मिले।
जय हिन्द, जय भारत

हमारा संकल्प - अखंड भारत

कु० कल्पना
[illegible]

राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' द्वारा संपूर्ण देश के राज्यों की संस्कृति को एक माला के रूप में बनाने हेतु घोषणा की थी। इसके द्वारा हमारे देश के भिन्न-भिन्न राज्य सांस्कृतिक त्यौहारों के माध्यम से एक-दूसरे से प्रत्येक वर्ष आपस में मिलेंगे और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के दर्शन हो सकेंगे।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत की एकता अखण्डता को कायम करने हेतु हमारे राज्यों के [illegible] पर भी विशेष ध्यान दिया है। जैसे हमारे देश में प्रत्येक राज्य में [illegible] की तरह कर व्यवस्था हो तथा पूरे देश में राजनीति की [illegible] से चुनाव पूरे देश में एक समान एक ही समय पर हो, जिससे एक भारत श्रेष्ठ भारत का उद्देश्य पूर्ण हो। इसी प्रकार-खेलों के माध्यम से भी संपूर्ण भारत आपस में जुड़े, जिससे 'श्रेष्ठ भारत' का सपना साकार हो। इसी परिप्रेक्ष्य में आओ हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम अपने भारत को बनायें 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'।

विविध रंग विविध वेश, फिर भी एक भारत देश

[illegible]

एक भारत, श्रेष्ठ भारत, मिलकर हमें बनाना है।

[illegible]

भारत एक पुष्पहार

भिन्न-2 रंगों से मिलकर, इन्द्रधनुष बन जाता है
भाँति-भाँति के पुष्प मिलकर, पुष्पहार बन जाता है।
हिन्दू-मुस्लिम, सिख, ईसाई मिलकर भारत बन जाता है।
एक भारत बन जाता है, श्रेष्ठ भारत बन जाता है।

[illegible]

जातिवाद और प्रांतवाद मिलकर दूर भगाएंगे।
भारत के कोने-कोने में भाईचारा फैलाएंगे।
संस्कृति सभ्यता सबसे सुंदर, भाईचारा मिलता है।
एक भारत, श्रेष्ठ भारत, अब संकल्प हमारा है।

भारत में भावनात्मक एकता की आवश्यकता

[illegible]

भारत जैसे विशाल देश जहाँ एक साथ [illegible] जातियाँ तथा भिन्न-भिन्न [illegible] भावनात्मक एकता [illegible] अत्यंत आवश्यक है।

[illegible]

15 अगस्त 1947 को जब हमारा देश सदियों की गुलामी से मुक्त हुआ [illegible]

[illegible]

[illegible] प्रधानमंत्री नेहरू जी ने कहा था कि "भारत के उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम [illegible] अलग नहीं है। भारत एक है जिसके हम सब उत्तराधिकारी है और इससे भी महत्वपूर्ण बात [illegible] के [illegible] की भी हम ही उत्तराधिकारी है। कहीं हम सब की भलाई का रास्ता है [illegible] [illegible] की ओर ले जाने वाले ही कहे जा सकते हैं।" वर्तमान शताब्दी में यह [illegible] [illegible] की जा सकती है कि भारत के समक्ष मूल्यों का संकट फिर आ खड़ा हुआ है। [illegible] राजनीति, कला-संस्कृति और साहित्य आदि के सभी क्षेत्र स्वार्थों की भयावह लपटों में [illegible] [illegible] मूल्य और [illegible] की साधना से प्राप्त किये उच्च सांस्कृतिक आदर्शों की [illegible] [illegible] पारिवारिक [illegible] और मर्यादाएँ आज खंडित होती जा रही है। [illegible] [illegible], अहिंसा, [illegible], सम्मान और समर्पण के भाव अतीत की कहानी [illegible] [illegible] अपना ही अपनों पर घात लगाए रहता है। एक ओर [illegible] [illegible] और [illegible] के नाम पर मानवता खंड-खंड हो रही है। [illegible] [illegible] विपरीत परिस्थितियों में भारत का भविष्य क्या होगा ?

[illegible] सांस्कृतिक [illegible] और धार्मिक मान्यताओं के मूल में [illegible] [illegible] अपनी [illegible] मानसिकता को दूर कर सकते है। भावनात्मक एकता के [illegible] [illegible] इसी बात को ध्यान में रखते हुए, अनेकता में एकता को बनाये रखने के [illegible] [illegible] का अनुसरण करना होगा -

(1) प्रत्येक धर्म को मानने वाले सभी भारतीय अन्य सभी धर्मों का आदर करें और एक [illegible] [illegible] की भावना रखें।
(2) एक दूसरे की भाषा, वेशभूषा, रीति-रिवाज, आचार-विचार का आदर करते हुए, [illegible] [illegible] का प्रयास करें।
(3) एक दूसरे की भाषा और साहित्य-संगीत को सीखें व जानें और उसकी सराहना भी करें।
(4) एक दूसरे के पर्वों, उत्सवों व सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो पारस्परिक मेल-जोल [illegible] [illegible] का संचार करें।
(5) राष्ट्रीय पर्वों और उत्सवों को मिलजुल कर उल्लास के साथ मनायें।
(6) अनेकता में एकता की भावना को प्रसारित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का सार्वजनिक [illegible] [illegible] किया जाये।
(7) किसी भी दूसरे धर्म, सम्प्रदाय और वर्ग पर अनावश्यक रूप से दोषारोपण अथवा व्यंग्य [illegible] [illegible] करने का प्रयास किया जाये।
(8) प्रत्येक भारतीय अपना दृष्टिकोण उदार तथा विशाल बनाये रखे, मन को संकीर्ण न होने दें, [illegible] और [illegible] की बात भूलकर भी न करें।

उपर्युक्त सुझावों को अपनाकर ही हम अपने देश में 'भावनात्मक एकता' बनाए रख सकते हैं, [illegible] के लिये [illegible] रूप से सुख और समृद्धि के द्वार खोल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की नींव रख सकते हैं।

❖ ❖ ❖

परंपरागत भारतीय शिक्षण मूल्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण

डा० [illegible] जैन
[illegible]

भारतीय संस्कृति में शिक्षा को एक पवित्रतम प्रक्रिया [illegible] है। गीता में श्री कृष्ण ने [illegible] की [illegible] करते हुए कहा है- 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते'। [illegible] में कहा गया है - "[illegible] विद्या [illegible]" अर्थात् विद्या के समान कोई दूसरा [illegible] नहीं [illegible]।

शिक्षा मनुष्य जीवन के परिष्कार एवं विकास की प्रणाली है। [illegible] व्यक्ति के [illegible] के साथ-साथ [illegible] भी होता है। जिस देश में शिक्षा की [illegible] जितनी [illegible] और गहरी होगी, राष्ट्र जीवन उतना ही अधिक पुष्ट और गंभीर होगा। प्राचीन भारत में शिक्षा [illegible] और [illegible] वाली थी। जो शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक शक्तियों के संतुलित विकास से [illegible] [illegible] तथा श्रेष्ठ बनाती है। भारत में वैदिक काल से ही [illegible] [illegible] सत्यं शिवं सुन्दरम् अर्थात् सृष्टि व समाज के हित की [illegible], [illegible] [illegible] शिक्षा का परम् उद्देश्य रहा है। "सा विद्या या विमुक्तये" [illegible] [illegible] कि शिक्षा के द्वारा मनुष्य [illegible], [illegible], द्वेष, [illegible], हिंसा, [illegible] आदि की [illegible] से मुक्त होकर [illegible] प्राप्त कर सकता है। [illegible] के द्वारा चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर बल दिया जाता रहा है। शिक्षा किसी भी देश के आर्थिक विकास तथा सुसंस्कृत समाज की स्थापना का आधारभूत बिंदु होती है।

भारत में तो वैदिक काल से ही शिक्षा [illegible] [illegible] के रूप में जानी जाती रही है। [illegible] शिक्षा के जो प्रारम्भिक प्रयास हुए, उनमें [illegible] ने [illegible], [illegible] के द्वारा अपना भरपूर सहयोग दिया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय इसका ज्वलंत उदाहरण है।

आधुनिक शिक्षा में वैज्ञानिक ज्ञान पद्धति का प्रयोग हो रहा है। [illegible] [illegible] मूल्यों के प्रति [illegible] विवेक व विचार के द्वारा [illegible] दृष्टिकोण में [illegible] [illegible]। किंतु यह देखा गया कि वैज्ञानिक ज्ञान पद्धति के द्वारा केवल देश, काल, [illegible] को ही [illegible] सकता है। व्यक्ति के अन्तर्मन को नहीं समझा जा सकता। साथ ही इसमें नैतिक व चारित्रिक मूल्यों का [illegible] भी नहीं किया जा सकता। यह आधुनिक शिक्षा नवीन अनुसंधानों तथा मानव जीवन के [illegible] पर [illegible] रही है, व्यक्तित्व निर्माण पर नहीं। जिसके परिणाम [illegible] सामाजिक जीवन में [illegible] एवं "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना समाप्त हो रही है एवं [illegible], [illegible], [illegible] आदि बढ़ रही है। इसी प्रकार यह माना जाता है कि वर्तमान में [illegible] ज्ञान कम्प्यूटर, इंटरनेट, [illegible] आदि पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। फिर परंपरागत रूप से विद्यालय-महाविद्यालय जाने की क्या आवश्यकता है? किंतु शिक्षक के अभाव में यह [illegible] ज्ञान संवेदनाओं रहित हो जाता है। इस ज्ञान [illegible] के प्रयोग से मानवता का विनाश [illegible] [illegible], [illegible] भावना व विचार का संवर्द्धन एवं पोषण गुरु के सानिध्य में ही संभव है।

अत: आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा में विज्ञान एवं परंपरागत भारतीय मूल्यों का समायोजन किया जाए। क्योंकि सच्चे मानव, मानवीय मूल्यों के प्रति [illegible], विवेकपूर्ण एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करेगा। वैज्ञानिक विवेक एवं चिंतन शक्ति द्वारा राष्ट्र को [illegible] [illegible] प्राप्त होगा ही, साथ ही राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर एवं मानवीय [illegible] का पोषण एवं संवर्द्धन भी होगा।

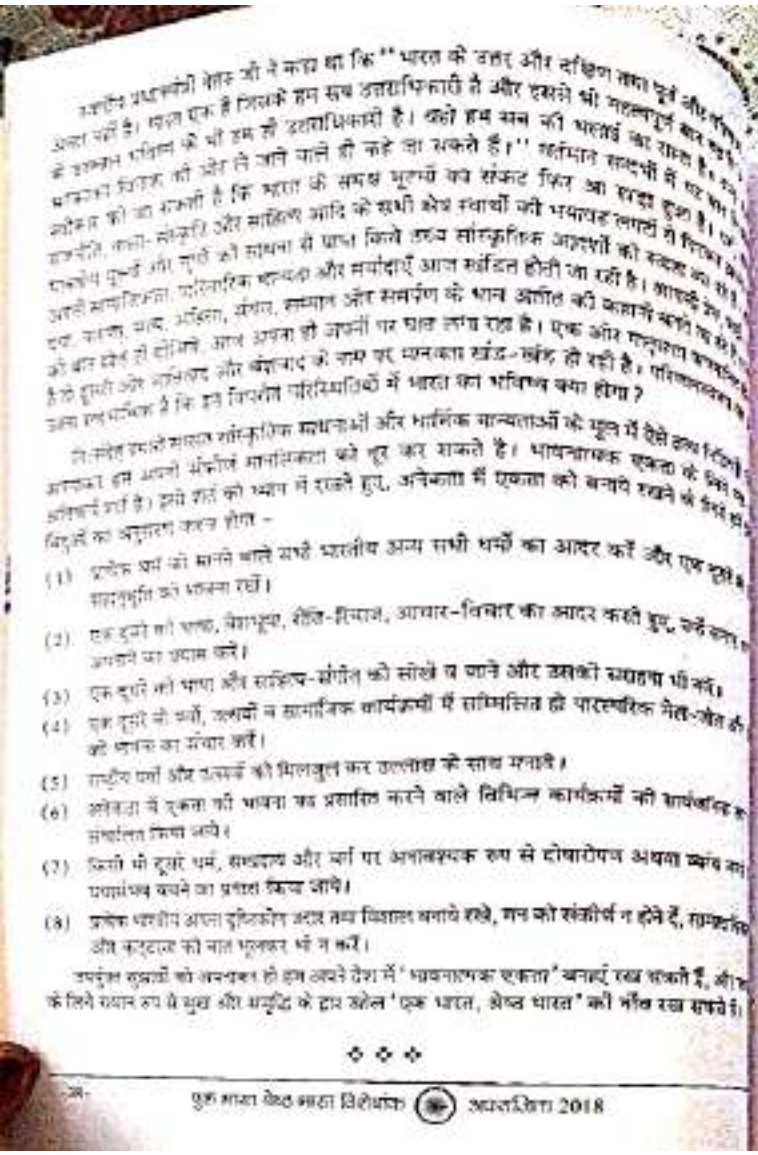

राष्ट्रीय एकीकरण में हिन्दी का योगदान

[illegible]

“राष्ट्र भाषा के प्रश्न को मैं राष्ट्रीयता का अंग मानता हूँ।” भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद [illegible] कथन का अर्थ इस प्रकार है कि हिन्दी भाषा का जितना अधिक प्रयोग होगा, उतना ही राष्ट्रीय एकीकरण [illegible] होगा। भारत जैसे विशाल देश में 130 से अधिक भाषाएं और बोलियाँ प्रचलित एवं व्याप्त हैं, [illegible] भाषा केवल व्यक्ति की ही नहीं, राष्ट्र की भी [illegible] कोई देश राष्ट्र कहलाता है उनमें राष्ट्रीय संविधान, राष्ट्रीय [illegible] के साथ ही राष्ट्रभाषा का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान है।

[illegible] हिन्दी ने [illegible] उसी युग को जन्म दी। [illegible] भाषा को केवल भावों के अभिव्यक्तिकरण का माध्यम न मानकर उसे संस्कृति और [illegible] भाषा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की संवाहिका होती है और [illegible] एकता और अखंडता की महत्वपूर्ण कड़ी भी होती है। राष्ट्रीयता और एकता हिन्दी का मूल स्वर है [illegible] हिन्दी सरकार एवं सम्पूर्ण देश की आम जनता के बीच में संवाद की भाषा होकर अपनी सार्थक भूमिका [illegible] है।

राष्ट्र की अखण्डता में तीन तत्व अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं भाषा, संस्कृति एवं मातृभूमि। [illegible] भाषा में मानव को बांधने की अपूर्व शक्ति है। भाषा की इस शक्ति के [illegible] अर्थात् शब्द शक्ति ही सम्पूर्ण विश्व को बांधने में [illegible] भिन्न-भिन्न मानव एकता का सबल सूत्र है। भाषा का मूल आधार भाव सम्प्रेषण है और [illegible] विचारों की एकता राष्ट्र के नागरिकों की सबसे बड़ी [illegible] किसी भी देश का आधार उसकी एकता एवम् अखंडता में ही निहित होता है, देश का विकास, [illegible] आपसी मतभेद देश की नींव को खोखला करते हैं, [illegible] आज भी हम कहीं न कहीं एकता में कमी के कारण ही अन्य देशों से पीछे हैं [illegible] देश की एकता को कमजोर कर रहे हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हिन्दी राष्ट्रीयता का पर्याय है। यह हमारे राष्ट्रीय एकीकरण का मूल [illegible] भारत की भाषा है। हिन्दी किसी एक क्षेत्र अथवा समुदाय विशेष की न होकर विस्तृत जन समुदाय की भाषा [illegible] राष्ट्र की अधिकांश जनसंख्या, चाहे वह साक्षर हो अथवा निरक्षर, जानती या समझती है। गाँधी जी ने [illegible] सर्वाधिक बल दिया कि अपने देश में अपनी ही कोई भाषा राष्ट्र की सही पहचान बने। एक ओर उन्होंने हिन्दी [illegible] आंदोलन का अंग बनाया वहीं दूसरी ओर राष्ट्र के सम्मान का सूचक भी बताया। अंत में हम कह सकते हैं कि राष्ट्र में एक राष्ट्रभाषा हमारे गौरव और हमारी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रतीक है। भारत की भाषाओं में केवल हिन्दी [illegible] भाषा है जिसमें उपर्युक्त सब गुण पाये जाते हैं और पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बाँधने की शक्ति रखती है।

❖ ❖ ❖

सरहदें

LIBRARY COPY

[illegible]

समय

कु० हेमा नारंग
बी०ए० IV सेम०

[illegible] चुकी हूँ मैं, सोच-सोच कर बातें
[illegible] करती हैं, अपनी पलकें झपके
[illegible] के इरादे कर चूक जाती हूँ
[illegible] पर, मैं नहीं कर पाती हूँ
[illegible] है कि मैं करना नहीं चाहती
[illegible] पर [illegible] मुझे
[illegible] कहाँ आ गयी हूँ मैं
छोटी-छोटी बातों से क्यों हार जाती हूँ मैं?
[illegible] का सामना भी नहीं कर पाती हूँ मैं।
अब कहीं? हार मान लूँ!
[illegible], नहीं मानूँगी मैं हार
[illegible], नहीं करूँगी समय बेकार।
[illegible], नहीं कोई इससे महान।
समय को [illegible] अब मैंने जानी है।
[illegible], तो जैसे, मेरी पुरानी कहानी है।
अपने [illegible] को क्यों खो देती हूँ?
मैं अपना समय क्यों व्यर्थ कर देती हूँ?
क्यों मुझे मेरी भूल का अहसास नहीं होता?
[illegible] भी क्यों गलती का अहसास नहीं होता?
क्यों समय के साथ, मैं दौड़ नहीं सकती
समय [illegible] चलता है, तो मैं क्यों नहीं चल सकती?
जानती हूँ मैं, मंजिल मेरी कहाँ है?
लेकिन फिर क्यों, लापरवाही बेवजह है?
क्यों भूल जाती हूँ, कुछ अच्छा करने की चाहत,
[illegible], छा गए हैं मुझ पर स्वार्थ के बादल।
जो भी हो, ठान लिया है अब तो मैंने,
कुछ अच्छा कर दिखाऊँगी
हर बाधा का सामना कर, मैं हिम्मत अपनी दिखाऊँगी।
मैं समय के साथ, दौड़ अवश्य लगाऊँगी।
हार कर नहीं, मैं जीत कर दिखाऊँगी।

मन

वाह!
आश्चर्य है
ये मेरे चित्र
कब बनाये
कहाँ बनाये
और क्यों बनाये
और मन में
मचल रही थी
एक अभिलाषा
कहते हैं मन के
भावों की अभिव्यक्ति
कला है ....
फिर ये भाव
मेरे है ......
चेतन मन के
या अचेतन मन के
अब मन उलझा
सोचा ये अंगुलियाँ
रंगों से कितना खेली
लेकिन .....
अब क्या हुआ
कभी समय नहीं
कभी मन नहीं
कभी मौसम नहीं
तब सोचा
सब कुछ बदला
इस आपाधापी
जिन्दगी में
क्या पाया
क्या खोया
सोचने में बीता
क्यों .....
ये मौसम नहीं दिखता
अब जुनून कहाँ
जिन्दगी भी श्वेत-श्याम हो गयी .....

कु० [illegible]

[illegible] कारण है
फिर [illegible]
कोष .....
[illegible]
लाल, पीले, [illegible]
उड़ेल देती
कैनवास पर
जैसे ....
हम मन को
उड़ेल देते हैं
किसी [illegible]
फिर से रंगों [illegible]
उड़ेल बिखरी [illegible]
अधूरे चित्र [illegible]
काश!
जिन्दगी को [illegible]
कैनवास पर
और फिर देख [illegible]
उस पुराने चित्र [illegible]
जो कभी मैंने [illegible]
अनजाने में
लाल, पीले, [illegible]
रंगों से....
जिन्दगी को [illegible]
काश ......!

[illegible] विभाग एवं [illegible] विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित [illegible] वाद-विवाद प्रतियोगिता की श्रेष्ठ प्रस्तुतियों के संपादित अंश

विषय: वैज्ञानिक प्रगति एवं पर्यावरण

कु० [illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रगति किसी भी देश के लिए लाभप्रद है परन्तु यदि इसकी कीमत पर्यावरण का दोहन है तो यह [illegible] विचारणीय है। पल भर के ऐशो-आराम व विलासितापूर्ण जीवन के लिए हम अपना और आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय नहीं कर सकते। औद्योगिक क्रांति के बाद मानव ने वैज्ञानिक तकनीकी से उन्नति की [illegible] पर पर्यावरण को प्रदूषित कर दिया है, इसका प्रभाव भूमि, जल, वायु सभी पर [illegible]। [illegible] आँकड़ों के अनुसार आज हमारे समुद्रों में इतना प्लास्टिक बताया गया है कि [illegible] बना सकते हैं। विज्ञान के द्वारा ही निर्मित रॉकेट, मिसाइल, बम, युद्ध में प्रयुक्त होने वाले टैंक तथा अनेक प्रकार के रासायनिक उपकरण मानव विनाश के लिए पर्याप्त है। [illegible] तथा परमाणु बम तो संपूर्ण [illegible] को नष्ट करने की क्षमता रखते हैं।

हम प्रकृति से चाहते तो बहुत कुछ हैं पर अपनी कीमत पर। [illegible] पेड़ों को काट रहे हैं [illegible] से वृक्षारोपण नहीं कर रहे हैं। हमें पीने के लिए स्वच्छ जल चाहिए लेकिन कारखानों का [illegible] पानी [illegible] में बहाते हैं। अपने राज्य को स्मार्ट सिटी बनाने की होड़ में हम [illegible] का निर्माण कर रहे हैं पर क्या हम ये सोचते हैं कि इसके लिए कितने पेड़ काटे जा रहे हैं। प्रदूषण एक [illegible] शत्रु है कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास कितने पैसे हैं और कितनी शक्ति है, आप प्रदूषण के क्रोध से नहीं बच सकते।

***

कु० प्रज्ञा द्विवेदी
बी०ए० IV सेम०
[illegible]

पर्यावरण प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जनसंख्या में वृद्धि है। यदि [illegible] बढ़ती रहेगी तो [illegible] सामग्रियों व अन्य आवश्यकतानुसार चीजों के उपयोग में भी बढ़ोतरी होगी [illegible] पर्यावरण पर पड़ेगा। विज्ञान की प्रगति की वजह से ही हम हरित क्रांति के अंतर्गत उन्नतशील गुणवत्ता के बीज, कीटनाशक दवाई इत्यादि की मदद से अधिक मात्रा में फसल की पैदावार बढ़ा सकते हैं। Water treatment Plant के माध्यम से हम गंदे पानी को शुद्ध कर उसका पुनः प्रयोग कर सकते हैं। विज्ञान के अविष्कार, सैटेलाइट की मदद से हम पर्यावरण संबंधी विभिन्न आँकड़े प्राप्त कर सकते हैं और मौसम के बदलाव व प्राकृतिक आपदाओं का समय से पहले ही आभास कर समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। मनुष्य को अपनी आवश्यकता और सुविधानुसार मानवता की भलाई के लिए विज्ञान का लाभ उठाना चाहिए, न कि इसका दुरुपयोग कर इसके अविष्कारों पर प्रश्न चिन्ह लगाना चाहिए।

***

कु० [illegible]
[illegible] II सेम०
[illegible]

मनुष्य इस सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना है। किंतु विकास के नाम पर अनियन्त्रित वैज्ञानिक प्रगति के परिणाम स्वरूप ही आज मानव के अस्तित्व पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया है। अस्त्र-शस्त्रों के भंडार ने विश्व में युद्ध [illegible]

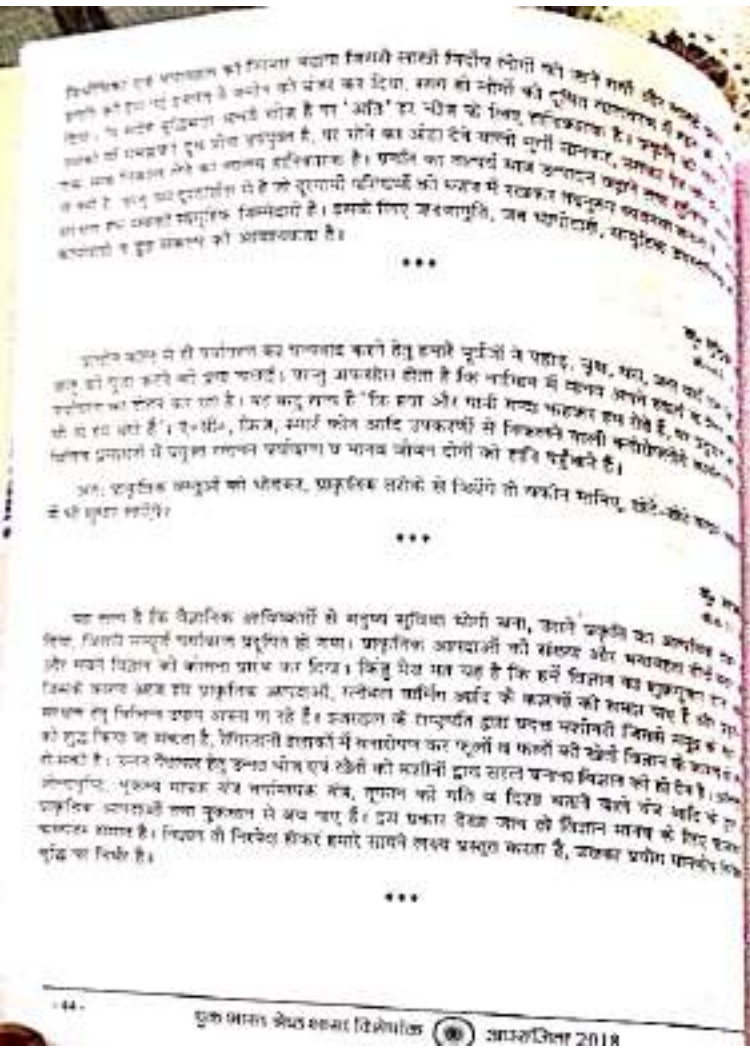

[illegible]

* * *

[illegible]

* * *

[illegible]

* * *

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'

डा० अंजु शर्मा
प्रवक्ता-हिन्दी

[illegible]

[illegible] हिन्दी हिन्द की है और हिन्द हिन्दी का। जय हिन्द। जय हिन्दी।

❖ ❖ ❖

नए भारत की चुनौतियाँ

स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए लंबे संघर्ष के उपरान्त 15 अगस्त 1947 में भारत ने स्वतंत्रता [illegible] जनवरी 1950 में अपने संविधान के नीति निर्देशक सिद्धान्तों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक [illegible] विकास का लक्ष्य प्रस्तुत की। सन् 2022 में भारत गणराज्य अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर [illegible] प्रगति में विकास के पथ पर एक लम्बा रास्ता हमने तय किया है किन्तु विश्व स्तर पर एक [illegible] लिए अभी हमें अनेक चुनौतियों का सामना करना है। भारत के नव निर्माण की दिशा में [illegible] चुनौतियाँ इस प्रकार हैं

बेरोजगारी - स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और अन्य स्कीमों के बीच [illegible] अवसरों में वृद्धि के प्रयासों के बावजूद हाल के वर्षों में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। [illegible] रोजगार-बेरोजगार सर्वेक्षण (2015-2016) के अनुसार, 2013-2014 में बेरोजगारी दर 4.9% थी, [illegible] वृद्धि हो गई। 2012-2013 में यह 4.7% और 2011-2012 में 3.8% थी।

इसके अलावा, पुरुषों की तुलना में बेरोजगारी की दर महिलाओं के बीच काफी अधिक थी। [illegible] स्तर पर महिला बेरोजगारी की दर 8.7% होने का अनुमान था, जबकि पुरुषों के लिए यह 4.0% था। [illegible] बीच रोजगार दर का निम्न स्तर पूरे समाज के लिए काफी चिंता का विषय है।

जनसांख्यिकीय चुनौतियाँ- भारत की वर्तमान आबादी 1.34 बिलियन है और 1% से अधिक की [illegible] के साथ सन् 2022 तक 1.40 अरब तक पहुँचने का अनुमान है। संसाधन- जमीन, पानी, खनिज और [illegible] सीमित हैं। खेतों की उत्पादकता और उद्योगों की समान दर से बढ़ाया जाना चाहिए। भारत के लिए [illegible] चुनौती है। हमें इस तथ्य को भी ध्यान में रखना चाहिए कि 35 वर्ष से कम उम्र की जनसंख्या [illegible] लाभ पहुँचाने की दिशा में इस चुनौती का सामना करना बहुत महत्वपूर्ण चुनौती है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के मार्ग में अवरोध- सन् 2022 तक नया भारत बनाने के लिए एक गुणवत्ता पूर्ण [illegible] आर्थिक बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है। हाल के वर्षों में देश ने बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में काफी [illegible]

ग्लोबल प्रतियोगिता सूचकांक- विश्व आर्थिक मंच की बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता के [illegible] भारत का रैंक 2015-2016 में 81 से बढ़कर 2016-2017 में 68 हो गया है। हालांकि, यह सुधार [illegible] देश की बढ़ती आबादी की अपेक्षाओं से काफी कम है। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट में [illegible] ''भारत में व्यवसाय करने के लिए सबसे ज्यादा समस्याग्रस्त कारकों में से एक महत्वपूर्ण कारक बुनियादी [illegible] अपर्याप्त आपूर्ति है।''

स्वास्थ्य और शिक्षा- स्वतंत्र भारत ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में इन 70 वर्षों में काफी वृद्धि की है [illegible] यह प्रगति भी पर्याप्त नहीं है। अब तक अधिकतर विद्यालयों, कॉलेजों और अस्पतालों के माध्यम से [illegible] सेवाओं के विस्तार पर ध्यान दिया गया है और गुणवत्ता के पहलू पर बहुत कम जोर दिया गया था। [illegible] जैसे कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुणवत्ता के पहलू की उपेक्षा, जीवन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव [illegible] रही है। इसे संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम मानव विकास सूचकांक में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। 20[illegible] रैंकिंग में 188 देशों के बीच भारत 131 वें स्थान पर आ गया। भारत का मानव विकास सूचकांक ([illegible]) 0.624 का मूल्य इसे पाकिस्तान और अन्य देशों जैसे ''कांगो और नामीबिया'' के साथ ''मध्यम मानव वि[illegible]

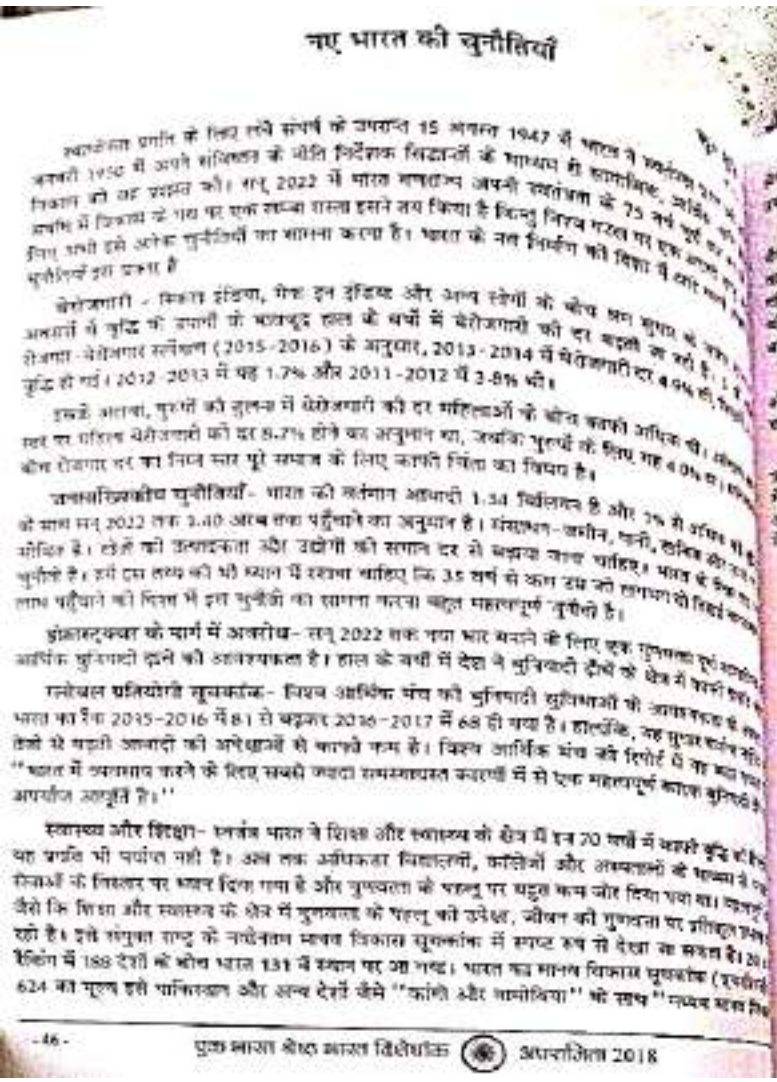

[illegible] और उनकी सुविधाओं के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। [illegible] चुनौतियों से निपटने की नीति और योजना सफल होंगे तो नये भारत का निर्माण होगा।

आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा- भारत आंतरिक और बाह्य स्रोतों से सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। [illegible] आतंकवाद, पूर्वोत्तर, चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद, पूर्वोत्तर में अलगाववादी प्रवृत्तियों और [illegible] राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। दक्षिण चीन सागर में डोकलाम [illegible] में चीन की हालिया आक्रामक स्थिति को देखते हुए, वन बेल्ट वन रोड और [illegible] आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) से संबंधित आने वाले 5 वर्षों में भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान द्वारा एक [illegible] चुनौती का सामना करने की उम्मीद है।

आने वाले वर्षों में साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष सुरक्षा को धमकी भी बढ़ने की संभावना है विशेष गतिविधियों [illegible] सैन्यीकरण और अंतरिक्ष में [illegible] की दौड़ की वजह से गंभीर सुरक्षा [illegible] कारण, अगले 5 वर्षों में आर्थिक विशेष और मानव संसाधनों की आवश्यकता पड़ सकती है।

आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन- मानव निर्मित आपदाओं के अतिरिक्त भारत कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से भी जूझ रहा है। 58.6% से अधिक भूमि भूकम्प ग्रस्त क्षेत्र के अंतर्गत आता है। 12% जमीन [illegible] बाढ़ और नदी के कटाव की आशंका है। 7,516 कि.मी. लंबे समुद्र तट में से करीब 5,700 कि.मी. एक चक्रवात और सुनामी का खतरा मंडराता रहता है। खेती योग्य क्षेत्र का 68% हिस्सा सूखाग्रस्त है। अतः भारत के नव निर्माण में उपर्युक्त चुनौतियों का सामना कर ही भारत को अग्रणी राष्ट्र बनाया जा सकता है।

❖ ❖ ❖

मानव तू महान है

कु. दीपा
[illegible]

मानव तू महान है भूल गये
उन महान् पुरुषों की संतान है भूल गया
जिन्होंने हँसते-हँसते देश पर किये प्राण न्यौछावर भूल गया
जिन्होंने सारे कर्म किये देश पर समर्पित भूल गये।
तू एक नहीं, तू [illegible]
विषमताओं में समानता लाने वाला
विविधताओं में एकता बनाने वाला
आन-बान-शान से सदा बढ़ता चल।
कदम चूमेगी मंजिल एक दिन
इतिहास बोल उठेगा एक दिन
चप्पा-चप्पा जाग उठेगा एक दिन
मानव तू महान है भूल मत।।

[illegible] हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी

कु. [illegible]
[illegible]

बढ़ाया [illegible]
[illegible] मुक्त करने को बताये कुछ गुण
[illegible] आत्मविश्वास [illegible]।
कहा यदि आत्मविश्वास है तुम्हारे पास
तो नहीं चाहिये किसी [illegible] का साथ।
अंकों के पीछे न भागें हम
किसी हुनर को अपना कर दें काम।
बात शिक्षा की भी कहा
न डालें बच्चों पर परीक्षा का दबाव।
तनाव दूर करने की दिशा दिये उपाय
आगे बढ़ने का फार्मूला [illegible]
मन की एकाग्रता के [illegible] रहे ठीक।
नहीं उचित दूसरों से [illegible]
हर किसी से कुछ सीखें यह बढ़ने का [illegible]
विश्वास है हम आगे बढ़ेंगे
आपकी सीख और शुभकामनाएँ।।

([illegible])

परीक्षा पर चर्चा

हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने 16, फरवरी 2018 को ताल कटोरा स्टेडियम, [illegible] द्वारा सब छात्राओं को सम्बोधित किया। इस चर्चा में उन्होंने देश भर के [illegible] महाविद्यालय की छात्राओं से इस कार्यक्रम की बहुत अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इसी [illegible] विचारों के संपादित अंश यहाँ प्रस्तुत है-

1. कु० [illegible], बी०ए० V सेम० - संबोधन में सबसे अच्छी बात यह लगी कि उन्होंने [illegible] कार्यक्रम' कहकर सम्बोधित किया। उन्होंने बच्चों से एक दोस्त के रूप में बात की। [illegible] का अभिवादन किया। बच्चों को जीवन में सही मार्ग पर चलने के लिए बहुत [illegible] विद्यार्थी को कभी मरने मत दो' यह बात मेरे मन को छू गई।

2. [illegible], बी०ए० IV सेम० - उन्होंने बच्चों से कहा कि दिमाग से यह निकाल दें, कि कोई [illegible] है और कोई अंक देने वाला है, बल्कि अपने परीक्षक स्वयं बनें। ये बात मुझे सबसे अच्छी [illegible] से हमें प्रेरणा मिलती है, कि हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए और स्वयं पर विश्वास होना चाहिए। [illegible] तनाव मुक्त होकर व आनन्दमय होकर चलना चाहिए।

3. कु० शाकिरा, बी०ए० VI सेम० - मोदी जी का भाषण अत्यंत प्रेरक लगा। उनका कथन कि [illegible] जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है, मुझे शत-प्रतिशत भा गई।

4. कु० आरजू, बी०ए० VI सेम० - मेरे मन को मोदी जी की यह बात छू गई कि सफलता और [illegible] घनिष्ठ संबंध है। उन्होंने बताया कि सचिन तेंदुलकर जब क्रिकेट खेलते थे, तो अपना पूरा ध्यान [illegible] थे, ठीक उसी तरह हमें भी परीक्षा के समय अपना ध्यान परीक्षा पर ही रखना चाहिए। केवल [illegible] स्वयं सारिणी बनाकर पढ़ना जरूरी है।

5. कु० अनिता, बी०ए० VI सेम० - मोदी जी के भाषण में जो सबसे अच्छा लगा वह था कि प्रधानमंत्री [illegible] सवाल के जवाब में कहा है कि समाज में पहला शिक्षक परिवार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि [illegible] परीक्षा जीवन का आधार नहीं है। एकाग्रता और निरंतर प्रयास से ही जीवन निखर सकता है। केवल [illegible] विद्यार्थी हार से सबक लेकर जीवन को बेहतर बनायें।

6. कु० पूजा, बी०ए० VI सेम० - प्रधानमंत्री जी की हाजिर जवाबी को मैं कायल हो गई। एक [illegible] छात्र ने जब पूछा, ''महोदय मुझे लगता है कि अगले साल हम दोनों की परीक्षाएं है, क्योंकि मेरी [illegible] परीक्षा है और आपके लिए लोकसभा चुनाव की परीक्षा। आपने इसकी पूरी तैयारी कर ली है या [illegible] की चर्चा है?'' इस सवाल का उत्तर मोदी जी ने बड़ी सरलता से दिया, उन्होंने कहा, अगर मैं [illegible] टीचर के आपकी पत्रकारिता में जाने को कहता क्योंकि ऐसे स्पेलिंग सवाल पूछने की ताकत [illegible] होती है। अंत होकर अपने अंदर की छात्र को उर्जावान बनाए रखें। परिणाम और अंक [illegible] बाईप्रोडक्ट होते है।

7. कु० [illegible] सिद्दीकी, बी०ए० VI सेम० - मोदी जी का मानना है कि जीवन में आत्मविश्वास [illegible] आवश्यक है। लेकिन आत्मविश्वास के लिए कोई जड़ी बूटी या शार्टकट नहीं है। आत्मविश्वास तो [illegible] प्रयासों के साथ आता है।

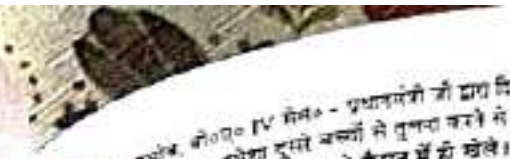

8. कु० [illegible], बी०ए० IV सेम० - प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया एक छात्र के प्रश्न का उत्तर अच्छा लगा कि [illegible] की जगह [illegible] द्वारा होगा दूसरे बच्चों से तुलना करने से [illegible] में थी। मोदी जी ने [illegible] का उदाहरण देते हुए कहा कि आप हमेशा अपने मैदान में ही खेलें। इससे आप ज्यादा बेहतर कर सकते हैं।

9. कु० [illegible], बी०ए० IV सेम० - बी०एम० मोदी जी ने कहा कि हम अपने माता-पिता के इच्छों पर [illegible] करें। [illegible] पूरी जिन्दगी बच्चों की बेहतरी के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का [illegible] आश्चर्य पैदा होता है। बच्चों को पता होता है कौन सा काम कैसे होगा?

10. कु० [illegible] शर्मा, बी०ए० IV सेम० - इसके आलेख में मोदी जी के कथन "हर दिन एक सपना देखें और अपने सपने को पूरा करने का दृढ़ इरादा बनायें" को रेखांकित किया गया।

11. कु० [illegible], बी०ए० IV सेम० - एक छात्र के द्वारा पूछे गये प्रश्न का उत्तर अच्छा लगा कि [illegible] अपने दिमाग से यह निकाल देना चाहिए कि आप परीक्षा देने जा रहे हैं। [illegible] कि आप [illegible] की अंक देने वाले हैं। इस भाव के साथ आप परीक्षा में बैठिये। परीक्षा को त्यौहार की तरह लेना चाहिए।

12. कु० [illegible] बी०ए० IV सेम० - मोदी जी ने बताया कि अक्सर हम परीक्षा के समय उत्तर भूल जाते है और [illegible] याद आ जाता है कि शब्द इस पेज पर था या उस पेज पर था, पर याद नहीं आता कि शब्द क्या था। [illegible] आत्मविश्वास व एकाग्रता की कमी से होता है। ज्यादातर छात्र परीक्षा से पहले [illegible] की ऐसी [illegible] हनुमान जी को पूजा करते हैं लेकिन जब तक हमें खुद पर आत्मविश्वास नहीं होगा तो देवी-देवता भी कुछ नहीं करेंगे। उन्होंने खुद से स्पर्द्धा करने की सीख दी दूसरों से नहीं।

13. कु० [illegible] वर्मा, बी०एससी० VI सेम० - मोदी जी के विचार सुनकर मेरे आत्मविश्वास के कारण वृद्धि हुई है और प्रेरणा मिली। जीवन जीने का एक नया तरीका मिला। हमें तनाव मुक्त होने व सकारात्मक बनने की सीख मिली। एकाग्रता बढ़ाने के लिए ध्यान तथा योग का मंत्र मिला।

14. According to Shela Shakhar (B.Sc. VIth Sem) At the 'Pariksha Pe Charcha' PM Narendra Modi urged his young friends to always keep the student in them alive Prime Minister said that in addition to the right skills and the means, students need self confidence which comes by challenging ourselves and working hard. He said "My young friends, do not bother about how many hours your friends study. Think you studied for a certain goal, don't compete with others, compete with yourself" He requested parents not to make the achievement of their child a matter of social prestige

15. Amani (B.Sc. IVth Sem) mentioned in her write up that '...The most important tip received was self acknowledgement leads to self evolution.' She also agrees with Hon'ble Modi Ji's views that practical education is the key of success. Practical education in India is not very prominent. Student learn more with practical knowledge and experience.

संयोजक एवं संकलनकर्त्ता - डा० अनुराधा [illegible], डा० [illegible] शर्मा, डा० अमान सिद्दीकी, डा० [illegible]

❖ ❖ ❖

[illegible]

[illegible]

❖ ❖ ❖

संस्कृत भाषा संस्कृति की जननी है

संस्कृत शब्द बोलने सुनने व लिखने से ही मस्तिष्क में एक नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। [illegible] अर्थात् मातृभूमि, मातृसंस्कृति और मातृभाषा-सुखद व गौरव प्रदान करती है।

भारतीय संस्कृति के विषय में 'यजुर्वेद' में लिखा हुआ है - [illegible] संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। [illegible]

[illegible] संस्कृत ही भारतीय संस्कृति का गौरव है। [illegible]

गाँधी दर्शन एवं राष्ट्र निर्माण

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भारत के सम्मान है गाँधी, इस युग की महागाथा है गाँधी।

[illegible]

❖ ❖ ❖

[illegible]

-[illegible]

मेरा लक्ष्य: भ्रष्टाचार मुक्त भारत

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था: ''उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत'', [illegible]

[illegible]

''जो डालतीजी थे कब पाया वो वे हुकम कर देंगे।
कमीशन देकर तो देखो हिन्दुस्तान नीलाम कर देंगे।''

[illegible]

पनप रहा कहीं अब बेईमानों का राज, सर पर था जिसके हिमालय का ताज
[illegible] धोते थे जिसके पैर, वहाँ फल-फूल रहा लालच, नफरत और बैर।
बेईमानों के हाथों ईमानदार है मर रहा, गुमशुदा तलाश केन्द्र में दिलचस्प खबर कि हिन्दुस्तान [illegible]
यदि आपको मिले हिन्दुस्तान कहीं फुटपाथ पर सोया हुआ,
तो उसकी खबर किसी को न दीजिए
उसका नवनिर्माण स्वयं ही कीजिए- उसका नवनिर्माण स्वयं ही कीजिए।

बनारस के लोक चित्र व लोकगीतों में कोहबर

डा. अपेक्षा चौहान
[illegible]

[illegible]

कोहबर लिखिये खाव रे सुगैया। मधुवा लिखहि गोपीचन्द रे॥

[illegible]

[illegible] कहता है "मुझे [illegible] में गाय, बैल आदि पशु भी नहीं [illegible] का सुन्दर [illegible] चित्र [illegible] है।"

[illegible] कलात्मक [illegible] हाथे [illegible] / [illegible] कोहबर [illegible] हाथे [illegible] / गइया [illegible] देहरी, [illegible] / गइया ना [illegible], [illegible] गाय है / [illegible] के हम [illegible] है।

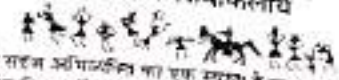

आधुनिक जीवन शैली के [illegible] पर भी स्त्रियाँ [illegible] चित्र [illegible] वाले [illegible]

❖ ❖ ❖

भारत की लोककलाएँ

लोककला जन सामान्य की सहज अभिव्यक्ति का एक माध्यम है [illegible] चली आ रही है तथा उसके धार्मिक विश्वासों तथा आस्थाओं के विषय में [illegible] की भित्तियों पर स्त्रियों द्वारा चित्रों को उकेरने के उदाहरण मिलते हैं। [illegible] का श्रेय स्त्रियों को जाता है। वास्तविक रूप से अगर देखा जाये तो लोक कला का [illegible] है। लोक कला ग्रामीण व आदिम जन मानस की परम्परागत [illegible] उपजाती है। विभिन्न क्षेत्रों की लोक कला का स्वरूप भिन्न-भिन्न होते हुए भी [illegible] जिसमें सौन्दर्यात्मक अनुभूति के दर्शन होते हैं।

लोककला में मौलिक रूप परम्परागत [illegible] संकेतों पर आधारित है। [illegible] है। इसमें जो शक्ति है उसमें आकर्षण भी है। यह कभी चित्र के रूप में, कभी शिल्प के रूप में [illegible] में प्रचलित मान्यताओं के रूप में अभिव्यक्त होती है। लोक कला में हमें सांस्कृतिक [illegible] मिलती है। लोककला जन-साधारण की कला है। लोककला सहज है, सरल है और [illegible] सीधी छवि को प्रस्तुत करती है। लोककला में लोक मानस, लोक संस्कृति व लोक [illegible] सम्मिश्रित रूप में मिलता है इसीलिए वह सार्वभौमिक है कि लोक कलाकार [illegible] इस कला की सबसे बड़ी विशेषता है। लोक कला ग्राम्य जन-जीवन में पनपती है। [illegible] मान्यताओं की आवश्यकता होती है उनमें आँगन, भित्ति, द्वार आदि पर [illegible] भारतीय लोककला का प्रत्यक्ष दर्शन यहाँ के त्यौहारों, उत्सवों एवं संस्कारों पर किये जा सकते हैं।

लोक कला में लोक मानस अपने मौलिक प्रयोगों के साथ परम्परागत उत्तराधिकार [illegible] लोक-कला का दो दिशाओं में अध्ययन किया जाना चाहिये। पहला उसका ऐतिहासिक [illegible] वर्तमान स्वरूप। लोककला अनेक उपयोगी वस्तुओं के साथ जुड़ी हुई है। [illegible] चित्रकारी तथा उनकी [illegible] की आकृति उपयोगिता तथा कला का मिला-जुला रूप है। [illegible] शृंगार करती है। ये मानव के जीवन को प्राणों के रस से आप्लावित करती है। [illegible] लोक कला ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करती है।

❖ ❖ ❖

[illegible] सार्वजनिक कार्यों में [illegible] द्वारा प्रस्तुत विचारों के [illegible]

स्वच्छ गंगा परियोजना

कु० [illegible]
कक्षा VI [illegible]

[illegible] नरेन्द्र मोदी को [illegible] स्वच्छ गंगा परियोजना का आधिकारिक नाम 'नमामि गंगे' है। भारत में पाँच राज्य उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम [illegible] बिहार [illegible] सहायक नदियों के कारण यह हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, [illegible] और दिल्ली के कुछ हिस्सों को भी छूती है, इसलिए स्वच्छ गंगा परियोजना इन क्षेत्रों को भी [illegible]

[illegible] परियोजना का सबसे बड़ा उद्देश्य गंगा नदी की सफाई है यह 2,500 किमी की दूरी [illegible] 23 छोटे शहरों से निकलती है। [illegible] इस परियोजना में केन्द्रीय [illegible] यह परियोजना जुलाई 2014 में [illegible] इसकी कुल लागत 2037 करोड़ रुपये है। [illegible] आशा थी कि [illegible] वर्ष में पूर्ण होगी। [illegible]

इस परियोजना की घोषणा के [illegible] 20000 करोड़ रुपये में से 5000 करोड़ [illegible] मीडिया के सामने आई तो [illegible] ?

[illegible] 57 स्थानों पर गंगा की गुणवत्ता को परखने हेतु निगरानी केन्द्र [illegible] 50 शहरों का [illegible] उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के [illegible] गंगा को निर्मल नहीं [illegible] इन तथ्यों को देखते हुए कोई भी [illegible] नहीं होगी।

❖ ❖ ❖

परमाणु हथियारों की होड़ : विश्व के लिए खतरा

कु० हिमांशी [illegible]
कक्षा [illegible]

आज पूरे विश्व पर परमाणु युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान ने अपना पूरा परमाणु कार्यक्रम [illegible] पाकिस्तान की सामरिक [illegible] हासिल कर चुका है। [illegible] कहा जाता है कि पाकिस्तान हर साल 20 से ज्यादा परमाणु बम बनाने की क्षमता [illegible] पाकिस्तान के परमाणु [illegible] यह खतरा [illegible] किसी भी [illegible] कभी भी पड़ सकती है। [illegible] आतंकवादी [illegible]

[illegible]

कश्मीर को चाहिए नई रणनीति

[illegible]

महिला सुरक्षा

[illegible]

[illegible]

Effects of Ground water Pollution

Vrishty Saini
B.Sc. II Sem

Ground water pollution affects humans, beings as well as soil. According to U.A. department of health education major categories of surface water pollutants are sewage waste, dissolved brine minerals and chemical components etc. some other common sources of water contamination included industrial wastes, agricultural waste, decomposers, plant and animal wastes.

Groundwater affects soil fertility by killing soil micro-organisms and bacteria. It results in reduced reproduction and causes alternation in plant metabolism. Water present in hydrosphere or 1% of water is available for humans which is known as surface water but because of ground water pollution it is also polluted. In heavy rainfall areas, ground water contains high concentration of ions that exist in the form of phosphorus ion which leads the water to light yellowish colour due to oxidation in the presence of sunlight.

CSIR –NCL Develop Artificial Leaf

Pragya Sharma
B.Sc. IV Sem

Hydrogen is produced from fossil fuels by steam reforming, a process that not only involves exhaustible energy of a large amount of carbon dioxide that promotes global warming. So, in view of pressing energy and environmental issues, it is important to produce hydrogen from natural resources.

Scientists from the CSIR-National Chemical Laboratory (CSIR-NCL) have developed an artificial leaf that absorbs sunlight to generate H_2 fuel from water. This is an advanced technology that provides clean energy for powering eco-friendly cars and other machines in the future. It can serve as an ultimate solution for our energy and environment problems.

The ultra-thin wireless devices mimics plant leaves to produce energy using water and sunlight. The service consists of semi conductors stacked in a manner to stimulate the natural leaf system. It has an area of 25 cm^2 when visible light strikes semi conductors, electrons move in one direction and produce electric current. The current splits water into Hydrogen. It can produce 6 litres of hydrogen fuel per hour. To improve light absorbing efficiency of artificial leaf, researchers used gold Nano particles, titanium dioxide and quantum dots (which are semi conductor crystals of nanometer

dimensions with properties that depend on the size of dots). The cell does not need ... voltage and performs better than existing solar cells.

The research has been published in an online open access journal Scientific Reports.

❖ ❖ ❖

Use of Chemistry in Biological Field

Shaila ...
B.Sc. ...

Chemical biology is a scientific discipline spanning the fields of chemistry & biology. The ... involves the application of chemical techniques, analysis, and often small molecules produced ... synthetic chemistry, to the study and manipulation of biology systems. In contrast to bioche... which involves the study of the chemistry of bio-molecules and regulation of biochemical path... within and between cells, chemical biology deals with chemistry applied to biology.

Some form of chemical biology attempt to answer biological questions by directly probing ... systems at the chemical level. In contrast to research using biochemistry, genetics or molec... biology, where mutagenesis can provide a new version of the organism, cell, or bio-molecule ... interest, chemical biology probes systems in vitro & in vivo with small molecules that have ... designed for a specific propose or identified on the basis of biochemical cell-based screening.

Chemical biology is one of several interdisciplinary sciences that tend to differ from ... reductionist fields and whose goals are to achieve a description of scientific holism. Chemical bi... has scientific, historical and philosophical roots in medicinal chemistry, supra molecular chemistry, bioorganic chemistry, pharmacology, genetics, biochemistry and metabolic engineering.

❖ ❖ ❖

Edible Bags

Re...
B.Sc. ...

Plastic bags despite being banned in several states continue to dominate the sales purch... domains India generates more than 5.6 billion toxic plastic waste every year. Ashwath Hegde ... Mangalore based entrepreneur thought of an alternative to replace with a sustainable eco-friendly material. After around four year of research Ashwath has found a green technology. He along ... 11 other scientist and environmentalist have come up with their company produces 100% organ... biodegradable and edible bags that look and feel just like plastic bags. These environmental friendly edible bags are made with a combination of natural starch (from potato and tapioca), vegetable derivatives and vegetable waste. The bags were naturally degrade in 180 days. The bags are ... edible and will cause no harm to animal if ingested. To prove this Ashwath consumed a bag ... boiling it in water. Several tests been conduct by the Karnatka State Pollution Central Board (KSPC...

❖ ❖ ❖

प्रथम पंक्ति (बायें से दायें) :- डा० कनक जैन, डा० ज्योतिका, सुश्री अंजली प्रसाद, डा० प्रभा रानी, डा० अनुपमा गर्ग, डा० अर्चना मिश्रा (प्राचार्या), डा० अल्का आर्य, डा० किरन मल्ला, श्रीमति शैली सिंघल, डा० भारती शर्मा, डा० अर्चना चौहान, डा० पारुल चड्ढा, सुश्री स्वर्ण लता मिश्रा

द्वितीय पंक्ति (बायें से दायें) :- श्रीमति मीनाक्षी कश्यप, श्रीमति श्वेता अग्रवाल, डा० रेखा सिंह, डा० संगीता सिंह, डा० आस्मा सिद्दीकी, डा० रुचि गहलौत, डा० शालिनी वर्मा, डा० सीमा राव, श्रीमति पल्लवी सिंह, कु० हिमानी, श्रीमति दिप्ति नागपाल, श्रीमति दिपिका, डा० अंजू शर्मा, डा० निरुक शर्मा

तृतीय पंक्ति (बायें से दायें) :- कु० नमिता, श्रीमति प्रीति, कु० मेहनाज़, कु० परवीन, कु० अर्चना देवी

महाविद्यालय शिक्षणेत्तर परिवार

प्रथम पंक्ति (बायें से दायें) :- श्री शिव मंगल, श्री निशान्त पंडित, श्री अनुज कुमार सिंघल, श्री राकेश कुमार शर्मा, श्रीमति प्रीति शर्मा, डा० अर्चना मिश्रा (प्राचार्या), सुश्री सुषमा, श्रीमति नीतू तायल श्रीमति सुषमा कटारिया, कु० प्रियंका, श्रीमति शर्मा देवी

द्वितीय पंक्ति (बायें से दायें) :- श्री अजय अविनाश, श्री नवाब सिंह, श्री विनोद कुमार कटारिया, श्री राजेश कुमार, श्री सत्य प्रकाश गौड, श्री हीरा पाल सिंह, श्री सूरज बिड़ला, श्री पंकज कुमार सिंघल, श्री दर्शन कुमार, श्री संदीप भटनागर

तृतीय पंक्ति (बायें से दायें) :- श्री [illegible], श्री [illegible] सिंह, श्री [illegible] कुमार, श्री [illegible] कुमार, श्री [illegible]

पत्रिका समिति

प्रथम पंक्ति (बाएं से दाये) – डा० ज्योतिका, डा० अस्मा सिद्दीकी, डा० अर्चना मिश्रा (प्राचार्या), डा० अनुपमा गर्ग, डा० अलका आर्या

द्वितीय पंक्ति (बाएं से दाये) – कु० शैला शेखर, कु० रुमाना

अनुशासन समिति

प्रथम पंक्ति (बाएं से दाये) – सुश्री अंजलि प्रसाद, डा० कामना जैन, डा० अर्चना मिश्रा (प्राचार्या), डा० अर्चना चौहान, डा० पारुल चड्ढा

द्वितीय पंक्ति (बाएं से दाये) – कु० नीलम, कु० रुचि, कु० सोलानी त्यागी, कु० विधि गुप्ता, कु० नेहा, कु० अर्शिया गौरी, कु० शालू सैनी, कु० हिना, कु० रुमाना, कु० जेबा, कु० सादिया, कु० अनिता, कु० समरीन, कु० स्वाति रवि, कु० गुरप्रीत, कु० सीमा, कु० फायजा, कु० कशिका

तृतीय पंक्ति (बाएं से दाये) – कु० मुदिका, कु० शैला, कु० रिद्धि ओबराय, कु० रेशमा, कु० पूजा, कु० शाहीन कु० नाजिया हसन, कु० गुलफशा, कु० अमरीन, कु० आरजू, कु० राबिया, कु० स्वाति, कु० पून

राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी अभिव्यक्ति

मुख्य अतिथि द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन

आमंत्रित खण्ड

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथिगण

राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी की झलकियाँ

अतिथि कलाकारों के साथ महाविद्यालय परिवार

चित्रकला प्रदर्शनी के कैटेलॉग का विमोचन

ग्रस्त है। UNDP Report के अनुसार 88% गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं। राष्ट्रीय परिवार, स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2016 के अनुसार भारत की हर तीसरी महिला को एनीमिया की शिकायत है।

अतः इन सभी आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि भारत में महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति काफी खराब है। परंतु इसमे हम केवल सरकार की गलती नहीं कह सकते बल्कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति खुद सचेत होना पड़ेगा तभी वे स्वयं स्वस्थ रहेंगी और स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगी। इसीलिये नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था - "तुम मुझे स्वस्थ मां दो, मैं तुम्हें स्वस्थ समाज दूंगा"

❖ ❖ ❖

Effects of Ground water Pollution

Vrishty Saini
B.Sc. II Sem

Ground water pollution effects humans, beings as well as soil. According to U.A. department of health education major categories of surface water pollutants are sewage waste, dissolved bone minerals, and chemical components etc. some other common sources of water contamination included industrial wastes, agricultural waste, decomposers, plant and animal wastes.

Ground water affect oil fertility by killing soil micro-organisms and bacteria. It results in reduced crop production and causes alternation in plant metabolism. Water present in hydrosphere or 1% of water is available for humans which is known as surface water but because of ground water pollution it is also polluted. In heavy rainfall areas, ground water contains high concentration of ions that exist in the form of phosphorus ion which leads the water to light yellowish colour due to oxidation in the presence of sunlight

❖ ❖ ❖

CSIR –NCL Develop Artificial Leaf

Pragya Sharma
B.Sc. IV Sem

Hydrogen is produced from fossil fuels by steam reforming, a process that not only involves exhaustible energy of a large amount of carbon dioxide that promotes global warming. So, in view of pressing energy and environmental issues, it is important to produce hydrogen from natural resources.

Scientists from the CSIR-National Chemical Laboratory (CSIR-NCL) have developed an artificial leaf that absorbs sunlight to generate H2 fuel from water. This is an advanced technology that provides clean energy for powering eco-friendly cars and other machines in the future. It can serve as an ultimate solution for our energy and environment problems.

The ultra-thin wireless devices mimics plant leaves to produce energy using water and sunlight. The service consists of semi conductors stacked in a manner to stimulate the natural leaf system. It has an area of $23cm^2$ when visible light strikes semi conductors, electrons move in one direction and produce electric current. The current splits water into Hydrogen. It can produce 6 litres f hydrogen fuel per hour. To improve light absorbing efficiency of artificial leaf, researchers used gold Nano particles, titanium dioxide and quantum dots (which are semi conductor crystals of nanometer

dimensions with properties that depend on the size of dots). The cell does [illegible] voltage and performs better than existing solar cells.

The research has been published in an online open access journal Scientific Reports.

❖ ❖ ❖

Use of Chemistry in Biological Field

Shalu [illegible]
[illegible]

Chemical biology is a scientific discipline spanning the fields of chemistry & biology. The discipline involves the application of chemical techniques, analysis, and often small molecules produced through synthetic chemistry, to the study and manipulation of biology systems. In contrast to biochemistry, which involves the study of the chemistry of bio-molecules and regulation of biochemical pathways within and between cells, chemical biology deals with chemistry applied to biology.

Some form of chemical biology attempt to answer biological questions by directly probing living systems at the chemical level. In contrast to research using biochemistry, genetics or molecular biology, where mutagenesis can provide a new version of the organism, cell, or biomolecule of interest, chemical biology probes systems in vitro & in vivo with small molecules that have been designed for a specific propose or identified on the basis of biochemical cell-based screening.

Chemical biology is one of several interdisciplinary sciences that tend to differ from older, reductionist fields and whose goals are to achieve a description of scientific holism. Chemical biology has scientific, historical and philosophical roots in medicinal chemistry, supramolecular chemistry, bioorganic chemistry, pharmacology, genetics, biochemistry and metabolic engineering.

❖ ❖ ❖

Edible Bags

[illegible]
B.Sc. [illegible]

Plastic bags despite being banned in several states continue to dominate the sale [illegible] domains India generates more than 5.6 billion toxic plastic waste every year. Ashwath Hegde, a Mangalore based entrepreneur thought of an alternative to replace with a sustainable eco-friendly material. After around four year of research Ashwath has found a green technology. He along with 11 other scientist and environmentalist have come up with their company produces 100% organic biodegradable and edible bags that look and feel just like plastic bags. These environmental friendly edible bags are made with a combination of natural starch (from potato and tapioca), vegetable oil derivatives and vegetable waste. The bags were naturally degrade in 180 days. The bags are also edible and will cause no harm to animal if ingested. To prove this Ashwath consumed a bag after boiling it in water. Several tests been conduct by the Karnataka State Pollution Central Board (KSPCB).

❖ ❖ ❖

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति'

[illegible] के चित्रकला विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों में प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली [illegible] कला प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इस वर्ष कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' का राष्ट्रीय स्तर [illegible] उल्लेखनीय उपलब्धि रही। संयोजिका डा० अलका आर्य के दिशा निर्देशन में दिनांक [illegible] 2018 तक [illegible] इस त्रिदिवसीय कला प्रदर्शनी में चित्रकला विभाग की 200 छात्राओं के साथ भारत के [illegible] राज्यों के लगभग 50 कलाकारों की चयनित कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं। इस प्रदर्शनी में देश के कुछ [illegible] वरिष्ठ कलाकारों की कलाकृतियाँ आमंत्रित खण्ड में लगाई गईं। आमंत्रित कलाकारों में [illegible] (Vice President, AIFACS, New Delhi) [illegible] (पं. बंगाल), [illegible] (पूर्व प्राचार्य, आर०जी० कॉलेज, मेरठ), श्री अशोक गांगुली (वरिष्ठ कलाकार, प० बंगाल), [illegible] (हैदराबाद, आंध्र प्रदेश), डा० [illegible] (उत्तराखण्ड) [illegible] (उड़ीसा), डा० जगदीश [illegible], श्री [illegible], श्री [illegible], श्री अशोक गुप्ता (हरिद्वार, उत्तराखण्ड), श्री [illegible] (उत्तराखण्ड), [illegible] (श्रीनगर, उत्तराखण्ड) [illegible] (देहरादून), डा० [illegible] डा० सुनीता गुप्ता (रुड़की, उत्तराखण्ड) इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

[illegible] राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती [illegible] (Member [illegible], New Delhi) तथा [illegible] अतिथि डा० [illegible] (पूर्व प्राचार्या आर०जी० (पी०जी०) कॉलेज, मेरठ) एवं [illegible] के [illegible] द्वारा हुआ। उत्कृष्ट कलाकृतियों से सुसज्जित आमंत्रित खंड को दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहा। श्री [illegible] की [illegible] कलाकृति 'Hat and Cool [illegible]' ने अपनी विशिष्ट कलाशैली से सभी को सम्मोहित कर दिया। इसके साथ छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों [illegible] पेंटिंग्स, [illegible], पोर्ट्रेट, [illegible] इत्यादि का अद्भुत प्रदर्शन निःसंदेह सराहनीय रहा।

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के अवसर पर महाविद्यालय में हुए विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इसे और भव्यता प्रदान कर दी, जिनका विवरण निम्नवत है-

- [illegible] के साथ [illegible] चित्रकार की छात्रा कु० [illegible] द्वारा 3 मिनट में महामना मदन मोहन मालवीय के [illegible] चित्र का अंकन।
- छात्राओं द्वारा देश प्रेम और भक्ति से ओत-प्रोत समूह नृत्य '[illegible]' की मनमोहक प्रस्तुति।
- '[illegible]' व 'राष्ट्रीय एकता' की भावना को प्रदर्शित करने वाली [illegible] नृत्य नाटिका का मंचन।
- राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के 32 पृष्ठ के [illegible] का विमोचन।
- पं० मदन मोहन मालवीय जी के जीवनवृत्त पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन।
- महाविद्यालय में [illegible] हेतु रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
- महाविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथियों के साथ [illegible] द्वारा [illegible] का शुभारम्भ।

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के सफल आयोजन में महाविद्यालय प्रबंध समिति का विशेष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष माननीय श्री [illegible] गुप्ता जी ने कार्यक्रम की [illegible] की। [illegible] करते हुए आमंत्रित कलाकारों, छात्राओं और आयोजन समिति को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। माननीय सचिव श्री [illegible] जी ने [illegible] के साथ छात्राओं की कलाकृतियों के प्रदर्शन को [illegible]

[illegible] ... ने कहा कि इस प्रदर्शनी के आयोजन [illegible] ... [illegible] प्रबंध समिति [illegible] ... श्री अरविन्द गुप्ता जी भी उपस्थित रहे।

[illegible] ... ने अपने सम्बोधन में कहा कि कला अभिव्यक्ति [illegible] ... [illegible] रचनात्मक दिशा प्रदान कर सकती है।

[illegible] ... राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के [illegible] आयोजन [illegible] ... [illegible] महाविद्यालय [illegible] ... [illegible]

[illegible] ... आयोजन समिति को बधाई तथा छात्राओं को अपनी शुभकामनाएँ [illegible] ... [illegible] अभिव्यक्ति का राष्ट्रीय स्तर [illegible] ... [illegible] अनेक अवसर प्रदान करेगा।

[illegible] ... प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' अपने उद्देश्यों में पूर्ण [illegible] ... [illegible] चित्रकला विभाग की प्राध्यापिका डा० [illegible] मिश्रा, डा० [illegible] ... [illegible] का पूर्ण सहयोग रहा।

रिपोर्ट - डा० अलका आर्य

❖ ❖ ❖

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति'

[illegible] विद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा संचालित विविध गतिविधियों में प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली [illegible] प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इस वर्ष कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' का राष्ट्रीय स्तर [illegible] उपलब्धि रही। [illegible] डा० अलका आर्य के निर्देशन में दिनांक 5 अप्रैल से 11 [illegible] 2018 तक लगाई गई इस त्रिदिवसीय कला प्रदर्शनी में चित्रकला विभाग की 200 छात्राओं के साथ भारत के [illegible] राज्यों के लगभग 50 कलाकारों की चयनित कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई। [illegible] ... (Vice President, AIFACS, New Delhi) [illegible] ... वरिष्ठ कलाकार [illegible] ... इत्यादि उल्लेखनीय है।

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी [illegible] मुख्य अतिथि श्रीमती [illegible] (Mentor KCB, New Delhi) तथा [illegible] ... उत्कृष्ट कलाकृतियों ने सुसज्जित आर्ट गैलरी [illegible] दर्शकों के आकर्षण का [illegible] केन्द्र रही। [illegible] 'Hot and Cool weather' ने अपनी विशिष्ट कलाशैली में [illegible] कर दिया। [illegible] छात्राओं द्वारा विभिन्न [illegible] ... पेंटिंग, [illegible] ... इत्यादि का अद्भुत [illegible] रहा।

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के अवसर पर महाविद्यालय में हुए विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इसी [illegible] प्रदान कर दी, जिसका विवरण निम्नवत है-

- [illegible] चित्रकला की छात्रा [illegible] द्वारा 3 मिनट में [illegible] के जीवित चित्र का अंकन।
- छात्राओं द्वारा [illegible] 'जय हो' की मनमोहक प्रस्तुति।
- 'सर्वधर्म सम्भाव' व 'राष्ट्रीय एकता' की भावना को प्रेरित करने वाली प्रेरक नृत्य नाटिका का मंचन।
- राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के 32 पृष्ठ के रंगीन कैटेलॉग का विमोचन।
- पं० मदन मोहन मालवीय जी के जीवनवृत्त पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन।
- महाविद्यालय में मौजूद महिलाओं हेतु रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
- महाविद्यालय परिसर में मुख्य अतिथियों के साथ आमंत्रित कलाकारों द्वारा भित्ति चित्रण का शुभारम्भ।

प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के सफल आयोजन में महाविद्यालय प्रबंध समिति का विशेष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष माननीय श्री दिनेश कुमार गुप्ता जी ने कार्यक्रम की [illegible] करते हुए आमंत्रित कलाकारों, छात्राओं और आयोजन समिति को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। माननीय सचिव श्री सुनील कुमार [illegible] जी ने [illegible] कलाकारों के साथ छात्राओं की कलाकृतियों के प्रदर्शन को

एक [illegible] सांस्कृतिक [illegible]। [illegible] की [illegible] भूषण जी ने कहा कि इस प्रदर्शनी के आयोजन [illegible] छात्राओं को [illegible] में अपनी प्रतिभा [illegible] करने का [illegible] अवसर मिलेगा और इनसे महाविद्यालय की [illegible] अवसर पर [illegible] होगा। [illegible] के शुभारंभ का [illegible] समिति के अन्य [illegible] को [illegible] विनय जी, श्री सुशील [illegible] जी, श्री [illegible] जी तथा [illegible] भी उपस्थित रहे।

[illegible] के अंत में मुख्य अतिथि [illegible] जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि [illegible] अभिव्यक्ति का एक [illegible] माध्यम है जो युवाओं के जीवन को एक सकारात्मक एवं रचनात्मक दिशा प्रदान कर सकती है।

विशिष्ट अतिथि डा॰ [illegible] जी ने राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के सुव्यवस्थित आयोजन एवं [illegible] छात्राओं को [illegible] करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह महाविद्यालय कला के क्षेत्र में [illegible] स्थापित करेगा।

प्राचार्य डा॰ अर्चना मिश्रा जी ने आयोजन समिति को बधाई तथा छात्राओं को उनकी सृजनात्मक [illegible] हुए कहा कि हमारी छात्राओं की इन्द्रधनुषी अभिव्यक्ति का राष्ट्रीय स्तर तक विस्तार [illegible] प्रतिभाओं को [illegible] आकाश में उड़ान भरने के अनेक अवसर प्रदान करेगा।

वस्तुतः महाविद्यालय में आयोजित यह प्रथम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' अपने उद्देश्यों में पूर्ण [illegible] रही तथा चित्रकला विभाग की समृद्ध परम्परा में यह विशिष्ट उपलब्धि [illegible] पृष्ठ के रूप में [illegible] हो गई। प्रदर्शनी के आयोजन में चित्रकला विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डा॰ [illegible] सिंह, डा॰ [illegible] श्रीमति [illegible], श्रीमति दीपिका एवं सुश्री अर्चना देवी का पूर्ण सहयोग रहा।

❖ ❖ ❖

रिपोर्ट - डा॰ अलका आर्य

गीता, बाइबिल और कुरान

डा॰ अर्चना मिश्रा

प्राचार्या

धर्मों के नाम पर फसाद,
मज़हब के नाम पर मार-काट
क्या नहीं सिखाते हैं-
गुरु ग्रंथ साहिब, गीता, बाइबिल और कुरान?
[illegible] यहाँ [illegible], खून-ख़राबा...
[illegible]-[illegible], [illegible],
अतीत और भविष्य दोनों को [illegible] करता,
अपने [illegible] [illegible] से [illegible],
वे हम [illegible] गीता, बाइबिल, कुरान पढ़ रहे हैं-
कि उन्हें समझने वाले नहीं
[illegible] [illegible] का [illegible] [illegible] रहे हैं।

हिन्दी भाषा है महान

डा॰ अलका आर्य

एसो॰ प्रो॰, चित्रकला

मिश्र [illegible]-संस्कृति
और राष्ट्र का सम्मान,
ये मातृभाषा, राष्ट्र भाषा,
हिन्दी भाषा है महान ॥

सूर, तुलसी, कबीर के
दोहों में रस का [illegible],
जय शंकर, निराला, मैथिली की,
[illegible] में भी है [illegible],
महादेवी, दिनकर, पुष्प...
[illegible], पद्माकर और [illegible]
इनकी शरण में [illegible]...
हिन्दी के [illegible] कवि-विद्वान ॥
ये मातृभाषा, राष्ट्र भाषा,
हिन्दी भाषा है महान ॥

[illegible]-ध्वनि की [illegible],
रस-अलंकार का [illegible]-[illegible],
[illegible]-[illegible] की [illegible] से,
[illegible] का '[illegible]',
अभिधा-[illegible]-[illegible],

और [illegible] की [illegible]-[illegible]।
[illegible]-[illegible] के [illegible] का
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
ये मातृभाषा, राष्ट्र भाषा,
हिन्दी भाषा है महान ॥

[illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible],
भारती की [illegible] [illegible]-[illegible]।
[illegible]-[illegible] [illegible] की,
भाषा को [illegible] [illegible] ॥
[illegible]-[illegible], [illegible]-[illegible] में,
[illegible] का [illegible] [illegible],
संस्कृत, उर्दू, [illegible] या [illegible]...
[illegible] [illegible] है [illegible] [illegible]।
वेद-पुराण, दर्शन-[illegible],
[illegible] [illegible]-[illegible]।
[illegible]-[illegible] के [illegible] में,
[illegible] [illegible] [illegible]-अनुसंधान ॥
ये मातृभाषा, राष्ट्र भाषा,
हिन्दी भाषा है महान ॥

संस्कृत संस्कृतेस्य जननी अस्ति

[illegible]

प्रथम प्रभात उदय तव गगने, प्रथम सामरव तव तपोवने।
प्रथम प्रचारित तव वनभुवने, छन्द काव्य रसकथा काहिनी॥

[illegible]

❖ ❖ ❖

भारतीय संस्कृते संस्कृत भाषाया महत्वम्

[illegible]

"या प्रथमा संस्कृतिर्विश्ववारा"।

[illegible]

[illegible]

वैदिक भौतिक यज्ञ : वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

कु० दीपा
बी.ए. VI सेम.

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] आवश्यक है।

❖ ❖ ❖

रामसेतु का वैज्ञानिक आधार

कु० हेमा [illegible]
बी.ए. IV सेम.

[illegible]

राम सेतु के बारे में [illegible] राम सेतु के निर्माण के लिए आर्किटेक्ट नल और नील की [illegible] वानर सेना ने 5 दिन का समय लिया। आयु और संरचना की दृष्टि से राम सेतु 1.7 मिलियन वर्ष पुराना है। [illegible] यह 30 किमी लम्बा और 3 किमी चौड़ा है। [illegible] माना जाता है कि राम सेतु [illegible] [illegible] द्वीप से शुरू होता है और श्रीलंका के मन्नार द्वीप से [illegible] में [illegible] लेकिन एक पूर्ण वैज्ञानिक व्याख्या है कि कैसे पत्थर पानी पर तैरते हैं और कई [illegible] पानी के नीचे हैं?

एक वैज्ञानिक संभावना:- अगर हम सिलिका के एक [illegible] में भरा जाता है तो वह एक पत्थर जैसा [illegible] लेकिन आयतन में बहुत हल्का होगा और इस प्रकार [illegible] होगा। एक और उदाहरण [illegible] में [illegible] है, [illegible] पर तैरता है और [illegible] हुआ जाता है। एक अन्य प्रमुख उदाहरण "प्यूमिस" [illegible] है। प्यूमिस एक ऐसा पत्थर है जो पानी पर तैरता है।

रामसेतु के बारे [illegible] के अनुसार यह पत्थरों से बना पुल अब भी भारत और श्रीलंका के बीच [illegible] देख सकते हैं, जहाँ भगवान राम ने भगवान शिव से प्रार्थना की और पुल का निर्माण शुरू किया।

❖ ❖ ❖

आयुर्वेद का वैज्ञानिक पक्ष

कु. पूजिका [illegible]
बी.एस.सी [illegible]

वैदिक संहिता चार वेदों का संग्रह है: ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद। इनमें [illegible] संबद्ध विज्ञान से पूरी तरह [illegible] है यदि जो खोज वैज्ञानिकों ने आज तक की एवं जो भविष्य में होगी [illegible] हजारों वर्ष पहले ही वेदों में हो चुका है। आधुनिक विश्व में बढ़ती बीमारियों को देखते हुए [illegible] वैज्ञानिकों ने [illegible] को एक Healing science - [illegible]। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आयुर्वेद [illegible] [illegible] यह दुनिया का सबसे पुराना [illegible] घोषित किया है जो रसायन पर नहीं बल्कि प्राकृतिक [illegible] आश्रित है। आज के समय में आयुर्वेद बहुत तेजी से हर क्षेत्र में विकास कर रहा है।

आयुर्वेद के अनुसार एक भोजन किसी के लिये लाभदायक या किसी के लिये हानिकारक हो सकता है। आयुर्वेद अंग्रेजी दवाइयों से बेहतर इसलिए भी है क्योंकि इसमें किसी दवाई का कोई side effect नहीं होता। उदाहरण स्वरूप Benadryl जैसे Cough-syrup से आमतौर पर नींद आती है परन्तु यही आयुर्वेदिक दवाई [illegible] [illegible] में तो आराम [illegible] है साथ ही इसका कोई side effect भी नहीं होता। Immunity बढ़ाने के लिए आयुर्वेद [illegible] पूर्ण [illegible] है जोकि Revital से भी [illegible] है। Rheumatoid Arthritis एक ऐसी बीमारी है जिसका इलाज पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान में नहीं है, पर आयुर्वेद में है। [illegible] आयुर्वेद में शारीरिक शुद्धिकरण यानि Biopurification के लिए एक Therapeutical Technology खोजी गई है। जिसे Panchkarma Therapy के नाम जाना जाता है। [illegible] को नियंत्रित करने के लिए भी अंग्रेजी दवाइयों को खाने से अच्छा है आयुर्वेद की Accupressure Therapy। Mercury का यदि एक अंश भी शरीर में जाए तो मनुष्य की मृत्यु निश्चित है। परन्तु इसी Mercury से बनी एक derivative से बनी आयुर्वेदिक दवाई Rasa sindoora [illegible] में लाभदायक है।

अतः वैदिक [illegible] भले प्राचीन हो परन्तु इसकी भूमिका इस युग में भी हर क्षेत्र में देखने को मिलती है एवं आगे भी मिलती रहेगी।

❖ ❖ ❖

The Mahabharata : A Science Fiction

Km. Ananya Singh
B.A. VI Sem

The Mahabharata is one of the most imaginative science fiction. It visualized impossible technologies and human studies at that time. The technologies dreamed of in the Mahabharata probably took thousand of years to become reality – but today they are. Some of these are :-

Test Tube Babies : Well known is the fact that the Kauravs had their gestation outside their mother's womb in pots of ghee. Test tube babies, where the embryo is nurtured outside the mother's womb is today a reality.

Advanced warfare Technology :- Weapons like Agneyastra, Brahmastra, – imagined in the Mahabharata include biological warfare, chemical warfare, atom bombs and nuclear bombs. The things to marvel here is the fact that it was the time when the bows and arrows were in use.

Prediction in Transportation : The Mahabharata is set in a time when the widely used technology in transport was the horse carriage. It is remarkable that in that world the authors imagined aeroplanes. The Mahabharata unambiguously predicted air travel – aeroplanes and helicopters.

Wireless communication Technology :- The entire description of the war is a narration by Sanjay to Dhritrashtra. The blind king is sitting in his palace and Sanjay is granted the ability to "see" the war on the battle ground and describe it to the king. This has become the reality by the coming of radar and television, smart phones and immediate uploads on the internet using the platforms of blogs, facebook or youtube and are an extension, adding immediacy and democracy to the transmission abilities of televisions.

❖ ❖ ❖

Scientific Value of "OM" Mantra

Km. Anfeera
B.A. IVth Sem

This Aum is the same word 'Hum' of Tibetans, Amin of Muslims and 'Amen' of Egyptians, Greeks, Romans, Jews, Christians. In it's most rudimentary form, a mantra is made of syllable which exist their influence by means of sound. For example, by chanting 'aaa' one can feel the sensation and hence resonance of nervous system in the stomach and chest region. Chanting 'ooo' creates sensation in throat and chest region and resonates with them. Similarly, chanting or humming 'mmm' resonates with the nasal cavity as well as skull or brain region.

When we concentrate energy moves from the abdomen all the way up to the brain, thereby channelizing energy and activating the spinal cord and brain. One of the most popular claims made by 'Yogis' is that chanting 'OM' mantra reduced mental stress.

Scientists conducted experiments to study the effect of OM mantra on nervous system using sophisticated software tools, mathematical transforms were applied to raw sample of the chanting and results to the same effect were observed.

Hence, based on scientific experiments and research studies, we can now confirm the age old claim made by Yogis that chanting OM mantra reduced mental stress, cures depression, improves focus and concentration, calms the mind and leads to better well – being, peace and happiness.

Narrating The Nation Through Literature

Dr. [illegible] Sharma
Asst Prof. English

The concept of nation is [illegible] the point of debate or interest among [illegible] and [illegible] [illegible] "nation". Nation means a country considered as a group of people with the same language, culture and history, who live in a particular area under one government.

[illegible] constantly occupied with the project of [illegible] through their literary texts. The concept of nation is produced [illegible]. In India we keep producing nation through [illegible] novels, folk narratives, mythologies, history, cultural productions [illegible] represent the will of the people [illegible] the novel *Jugga Tek Singh* by Sardar Hasan [illegible] *tragedy of the nation during* [illegible] *the heart of nation. Similarly, in the* [illegible] *a Sanskrit Hindi* [illegible] *Performing Arts* [illegible] *body and mind. The work itself speaks of the* [illegible] *to the world that Indian education differs* [illegible] *beyond a reading text, rather a journey to the* [illegible] *with various texts and discourse. have been* [illegible] *recognition throughout the globe. They* [illegible] *Their emergence has produced a radical* [illegible] *and cultural studies. These literatures are the* [illegible] *the voices of protest, the voices of challenge. The* [illegible] spirit of Indian literary texts to the query how literature [illegible] is supposed to narrate the nation.

These are actually the voices of India's intellectual tradition and the voices of glorious past. They are concerned with giving a voice to the protest against power structure; they are concerned with giving a voice to the challenge against patriarchal and institutionalized social and cultural frameworks; they are concerned with the voices of [illegible] against indigenous and regional writers; they are concerned with giving a voice of India's intellectual tradition and glorious past to fight the colonial prejudices and the [illegible] of the educated Indians. They expose social and political ideology [illegible] that explains how politics works in a society; and they intend to provide a profound insight into the forces that shape a new society, its new literature and aesthetics. But the Indian literatures in translation have not been valued for this account only. They are valued because they strengthen democracy by questioning and [illegible] the gender bias, because they provide the maximum space for narrating the nation by representing the will of the people to live collectively as a nation, because they help knit India together as a nation by bringing languages closer to one another and introducing to one another diverse modes of imagination and perception and various regional cultures, because they promote the growth of indigenous literatures by translating masterpieces from other Indian languages, because they help decolonize the minds of the educated Indians, because they help fight colonial prejudices and that of the educated Indians by proving to them that we have a long history of Indian intellectual tradition. If I spot them categorically they include Indian aesthetics, dalit discourse, feminist/ gender discourse, discourse of narrating the nation, discourse of

regional culture and historical writings. By translating narratives or stories such as novels, folk-narratives, mythology, history, cultural productions (films, newspapers, theatre, calendar) from other Indian languages into English we have enriched not only India's national literature, but also contribute substantially to world literature. It provide the maximum space for narrating the nation by representing the will of the people to live collectively as a nation.

❖ ❖ ❖

Narrating Nation Through Literary Heritage

Km. Heena Narang
IV Sem

Our literary heritage encompasses some fine works of universal merit in written and oral form from generation to generation. The earliest work of Aryans, a collection of 1028 hymns in Vedic sanskrit appease Vedic deities during yajnas or sacrifices. Many of literary men and rhetoricians painted nature through their brushes like painters. The worth quoting lines are "In the Sky's framework she has gleamed worth brightness, the goddess has cast off the rob of darkness. Raising the world from sleep with ruddy horses, driven in her well yoked chariot is arriving."

We have the Rigveda, Yajurveda a guide to the performer of Yajna, the Samveda reflecting tunes for hymns and the Atharvaveda, highlighting rites and rituals. After the four Vedas a number of works, called Brahman Granthas contain detailed explanation of Vedic literature. The earliest Upanishads the Brihad Aranyaka and Chandogya are in the form of dialogues and express the highest thoughts in simple and beautiful words.

Valmiki Ramayana, Vyasa Mahabharata, the time great epics, Bhagwat Gita with 18 Puranas form the basis of our philosophical texts. Gupta period, being the climax of literary traditions flourished with Kalidas, Bhasa, Varahamihira, Aryabhatta and Panini.

The Tirukkural (Tamil) and Sangam writings have everlasting value and significance. The Tripitakas and Jatakas of the Buddhists and likewise the great Jaina works like the Agamas of Upangas, Haribhadra's Shaddarshan – Samuchchaya have great literary as well as religious value.

In the early medieval period in northern India, Sanskrit defined and destined the age with eminent works like Katha-Sarit-Sagar of Somadeva, Rajatarangini of Kalhan, Gitagovinda of Jayadeva. Historical accounts of Sultanate relevance: Zia-ud-din Barani's, Tarikh-i-Firuz Shahi, Minhaj Siraj's Tabaqat-e-Nasiri' and Ain-e-Akbari by Abul Fazal as well.

❖ ❖ ❖

Contribution of Science and Technology in Making India a Great Power

Km. Madrika Verma
B.Sc. VI Sem

India has much to be proud of its advancements in science and technology. India is the foremost among developing countries and is at its rapid pace to be called a completely developed country in the world. To make India stand at such a marvellous position, science and technology have made enormously huge contribution. Indian Government has planned to spend 2% of GDP in establishing scientific research institutes and laboratories. This has helped in increasing opportunities for youth in field of science. India has 17 IIT's, 31 NIT's and universities that provide doctorate and qualifying degrees to many students.

Apart from this, Mars Orbital Mission (MOM) guided and initiated under K. Radhakrishnan was a successful attempt of India. Indian Space Research Organisation (ISRO) is now planning to make reusable satellite using winged satellite launch technology. In these ways India is ranked among top 12 countries in the world in field of science.

These days India is making successful achievements in Nuclear field. Kundan Kulam Nuclear Power Plant - I (KKNPP-I) has been built that has a capacitance of 1000 MW. Apart from this Dr. Kota Harinarayan has invented a combat aircraft named Tejas, which is also a great achievement.

Technology is a boon to India. Many great minds have made excellent use of technologies for doing marvellous inventions. Mumbai - Ahmedabad Bullet Train Project is a successful achievement. Recently, Suneet Singh Pal has invented a tablet Aakash Tablet which has pre-built education and cover almost all the topics. And the cost of tablet is very low. This even creates good opportunities for youth.

Global Positioning System (GPS) is such a technology that is like water in drought. It has been very useful in past decade. Recently, GPS systems have been installed and fit in the taxies of metropolitan cities, which ensures safety to all, specially girls who are involved in the working sector of society. Global System for Mobile (GSM) has helped everyone to advance and nowadays smart phones have created a broader thinking in everybody mind.

Pharmaceutical Industries are rapidly increasing for proper medication. In agriculture advanced tools have helped farmers to get more production in less efforts and less time. Weather forecasting facility has been now availed to farmers though radios and mobiles. In our colleges and universities advanced equipments have made our studies easy and interesting. World's first supercomputer was also invented in India. Recently, a small boy has invented a portable satellite, which proves that "Indian Minds are elaborating". Solar energy is now used not only for cooking, but also for industrial purposes and generating electricity.

Everything has now changed from paper work to digital which has reduced to load and burden of files and storage. All documents could be now safely maintained. E-banking, booking tickets, journal travels, watching useful material, gaining knowledge, all this is now available online. Children who can't travel long distances can now easily gain knowledge online. Govt. has even distributed laptops and scholarships for deserving. It is more a country of pride and advancement now. All the technologies in India are excellent and few of them beat many countries world-wide. These successful measures are like a flying wheel, that will surely make India a great power in the near future...

❖ ❖ ❖

Challenges of New India : From Skill Development to Water Scarcity

Km. Ananya Singh
B.A. VI Sem.

The most decisive national election result since 1984 marks a new phase in India's dramatic journey into the worlds top ten economies. Following years of slow growth and insularity in the early 1990's India undertook structural reforms that attracted foreign investments, unlocked entrepreneurial flair and lifted millions into a burgeoning middle class.

Yet while the economy has been transformed, many social problems linger on. The new government of Prime Minister Narendra Modi has a clear mandate for change. Its unprecedented popular support is driven by one common objective : economic growth for the benefits of all Indians. India may already be the worlds third largest economy on purchasing power parity, but it ranks only sixtieth out of 144 countries in the world economic forum's ranking, indicating that there is a greater potential to be unlocked. India faces several challenges, some of them are :

1. Education and Skills : Educated youth in India struggle to get work on the basis of right skills, questioning as to how India can get the best out of its people through education and training.
2. Urbanization : More than one-third of Indians live in cities. High rates of urbanization needs safeguarding the environment with new models.
3. Health : India faces the double burden of infectious diseases and a dramatic rise in non-communicable diseases, now estimated to account for more than half of all deaths. Apart from causal tragedies these diseases are also a major economic threat.
4. Sanitation : Many health challenges are linked with sanitation. Narendra Modi started clean India drive with special focus on this issue. Linking a clean environment to human capital productivity is an issue that should be looked at as an investment and not a cost.
5. Gender : There is a need in India to closely examine the norms that allow violence and a of gender discrimination to continue. The gender gap hold's back economies all around the world.
6. Water Scarcity : India's large population places a severe strain on its natural resources, and most of its water sources are contaminated by sewage and agricultural run off. This causes many diseases and scarcity of water.
7. Transparency : The vast majority of Indians say transparency is their number one concern, according to polls before the recent election, with figure peaking at over 90% among young voters. Transparency issues are not just a daily irritation, they are a drag on the whole economy.

❖ ❖ ❖

कालेज के ये साल ..... बेमिसाल!

अवाहकथीन करते सिखाया

[illegible]

◆ ◆ ◆

कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन

[illegible]

◆ ◆ ◆

यादगार : स्वर्ण जयंती समारोह

[illegible]

◆ ◆ ◆

महाविद्यालय की बेमिसाल यादें

[illegible]

◆ ◆ ◆

वो लम्हे।

[illegible]

◆ ◆ ◆

साधारण छात्रा से बिदा एम.कॉम. तक..

[illegible]

यहाँ बिताये दिनों की याद करके कभी चेहरे पर मुस्कान तो कभी आँसू आयेंगे। मुझमें अपने आत्मविश्वास और मेरी उपलब्धियों के लिए मैं हमेशा अपने शिक्षकों और कॉलेज की आभारी रहूँगी।

❖ ❖ ❖

College Life – Beautiful life Mantra !

Km. Ananya Singh
B.A. VI Sem

I Ananya Singh student of B.A. III year is very glad to receive an opportunity to contribute my views to the college magazine "APARAJITA" This college gave and taught me beautiful life mantras which I do not think that any other college could give. My three years in this college were very beautiful and memorable. The faculty of this college is very much kind hearted and helpful. Our principal and specially my economics teacher Dr. Archana Mishra a sweet and a generous human being, taught me very good and valuable things and always encourage me to read good books from the library, our Green Brigade and our Disha wall Magazine, our visitar Activity and NSS boards and campaign gave me awesome abilities, qualities and strength which will help me in my future and will remain be with me for the rest of my life.

❖ ❖ ❖

Three years in College

Km. Iti Gupta
B.Sc. VI Sem

Just like all other farewells, it's a bitter sweet feeling that I am about to complete my B.Sc. It seems as if it was only a few days ago when I entered the college, as the three years have passed so quickly and easily. I am going to miss my class room, studying in library, having fun with my friends, but my best memory is the planning of farewell in this second year dancing on Govinda songs with my friends. Being in this college played an important role in increasing my confidence and shaping me as a different person over past three years.

❖ ❖ ❖

Marvelous Three years

Km. Arsiya Gaud
B.Sc. VI Sem

पुस्तकों में नहीं छपी गयी इसकी कहानी, हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जुबानी
अनगिनत राही गये इस राह से, उनका पता क्या, पर गये कुछ लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी।।
– हरिवंश राय बच्चन

As I took the first step into college life, it was just like entering into land of ecstasy to me. The tiring school days were over and it was a new phase, the best phase of my life. In college, I made a lot of friends, walked through the corridors, sat in classrooms, attended lectures, participated in various activities and enjoyed every bit there. I got the opportunity to be prefect and vice president of college student union. These things nurtured in me skills of leadership, team work, discipline. Now, as I walked out of my college, I have learned to identify my mistakes and rectify them. I am a better person now, much more confident, filled with energy, ready to face new challenges of my life.

न रूपमस्येह तथोपलभ्यते, नान्तो न चादिर्न च सम्प्रतिष्ठा।
अश्वत्थमेनं सुविरूढमूल-मसङ्गशस्त्रेण दृढेन छित्त्वा॥
ततः पदं तत्परिमार्गितव्यं, यस्मिन्गता न निवर्तन्ति भूयः।
तमेव चाद्यं पुरुषं प्रपद्ये, यतः प्रवृत्तिः प्रसृता पुराणी॥

(गीता १५/३-४)

[illegible] अनुभव में नहीं है। इसका आदि भी समझ में नहीं है तथा आकार और अन्त नहीं है, [illegible] भी नहीं समझा जा सकता है। परन्तु मनुष्य को चाहिये कि इसके दृढ़ मूल को विरक्ति के कुठार (कुल्हाड़ा) से काटकर [illegible] इसके उपरान्त ऐसे स्थान की खोज करनी चाहिये, जहाँ जाकर लौटना नहीं पड़े तथा परमात्मप्राप्ति हो जाय।

श्रद्धांजलि

ओ३म्
वायुरनिलममृतमथेदं भस्मान्तं शरीरम्।
ओ३म् क्रतो स्मर। क्लिबे स्मर। कृतं स्मर॥

(यजुर्वेद 40, 15)

''आत्मा अजर अमर है। यह पञ्चभूत से बना शरीर भस्म होने वाला है। हे कर्मशील! ओम् का स्मरण करो, बल के लिये स्मरण करो, कर्म को स्मरण करो।''

स्व० श्री कर्णपाल सिंह
चौकीदार
कार्यकाल 20-10-2003 से 28-01-2018

श्री सतीश कुमार
सफाई कर्मचारी
कार्यकाल 23-04-1996 से 20-12-2017

स्व० श्री कर्णपाल सिंह एवम् श्री सतीश कुमार ने महाविद्यालय में अपने सम्पूर्ण सेवाकाल में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन किया। आपका असामयिक कालकवलित होना संस्था की एक अपूरणीय क्षति है।
आपकी सेवाओं और स्नेहिल व्यवहार की स्मृतियों के साथ समस्त महाविद्यालय परिवार आपको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अपराजिता : 'लोकतन्त्र' विशेषांक (2018-19)

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं व शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर स्टॉफ से आमंत्रित लोकतन्त्र विशेषांक सत्र 2018-19 हेतु लेख/रचनाएँ/कविता आमंत्रित है। इस संबंध में छात्राओं हेतु निर्देश निम्नवत् हैं-

1. रचनाएँ मौलिक/स्वरचित होनी चाहिए। प्रत्येक रचना के अंत में मौलिकता संबंधी प्रमाण-पत्र निम्न प्रारूप में लिखा होना चाहिए 'मैं .... कक्षा .... की छात्रा, पुत्री .... प्रमाणित करती हूँ कि .... शीर्षक की रचना मेरी मौलिक/स्वरचित रचना है, अन्यथा सिद्ध होने पर परिणाम के लिए मैं स्वयं उत्तरदायी रहूँगी।

छात्रा के हस्ताक्षर

2. रचना स्पष्ट रूप से हस्तलिखित या टंकित होनी चाहिए। टंकित रचनाएं निम्नानुसार प्रेषित की जा सकती हैं:
   हिन्दी - A.A Text, Font Size - 14   अंग्रेजी - Times New Roman, Font Size - 1[illegible]
   E-mail ID - [illegible]@gmail.com
3. रचनाएँ हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत किसी भी भाषा में लिखी जा सकती हैं।
4. प्रत्येक रचना के साथ अपना पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ भी संलग्न करें।
5. प्रकाशन योग्य रचनाओं के चयन में सम्पादक मंडल का निर्णय अंतिम होगा।
6. रचनाएँ अधिकतम 30.09.2018 तक पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्यों में से किसी के भी पास जमा कराई जा सकती हैं।

सम्पादक

समाचारों में राष्ट्रीय सेवा योजना

वेदों में वैज्ञानिकता भी है
प्रतिभा का प्रदर्शन किया

महाविद्यालय परिवार

डा० अर्चना मिश्रा – प्राचार्य

शिक्षक वर्ग

कला संकाय

1. डॉ० अर्चना मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
2. डॉ० अनुपमा शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी
3. डॉ० [illegible] आर्य, एसोसिएट प्रोफेसर, चित्रकला
4. डा० भारती शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी
5. डॉ० [illegible], असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
6. डॉ० किरन बाला, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र
7. डॉ० [illegible] चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर, चित्रकला
8. सुश्री [illegible], असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र
9. डॉ० [illegible], प्रवक्ता हिन्दी (प्रबन्ध तंत्र)
10. सुश्री [illegible] फातिमा, प्रवक्ता अंग्रेजी (प्रबन्ध तंत्र)
11. श्रीमती [illegible], प्रवक्ता [illegible] (प्रबन्ध तंत्र)
12. डॉ० [illegible], प्रवक्ता हिन्दी (प्रबन्ध तंत्र)
13. डॉ० [illegible] शर्मा, प्रवक्ता संस्कृत (प्रबन्ध तंत्र)
14. सुश्री [illegible], प्रवक्ता [illegible] विज्ञान (प्रबन्ध तंत्र)

विज्ञान संकाय (स्ववित्त पोषित)

1. डॉ० [illegible] सिद्दीकी, प्रवक्ता, वनस्पति विज्ञान
2. डॉ० [illegible] रानी, प्रवक्ता, वनस्पति विज्ञान
3. श्रीमती [illegible] सिंह, प्रवक्ता, रसायन विज्ञान
4. सुश्री शिवानी त्यागी, प्रवक्ता, रसायन विज्ञान
5. डॉ० रेखा सिंह, प्रवक्ता, जन्तु विज्ञान
6. डॉ० [illegible] सिंह, प्रवक्ता, जन्तु विज्ञान
7. श्रीमती [illegible], प्रवक्ता, कम्प्यूटर साइंस
8. श्रीमती [illegible], प्रवक्ता, कम्प्यूटर साइंस
9. [illegible], प्रवक्ता, गणित
10. सुश्री [illegible], प्रवक्ता, गणित
11. डॉ० [illegible], प्रवक्ता, भौतिक विज्ञान
12. श्रीमती [illegible] शर्मा, प्रवक्ता, भौतिक विज्ञान
13. डॉ० [illegible] जैन, प्रवक्ता, माइक्रोबायोलॉजी
14. श्रीमती [illegible], प्रवक्ता, माइक्रोबायोलॉजी

एम० ए० (स्ववित्त पोषित)

1. श्रीमती दीपिका, प्रवक्ता चित्रकला
2. श्रीमती [illegible], प्रवक्ता चित्रकला
3. सुश्री अर्चना देवी प्रवक्ता चित्रकला
4. डॉ० शालिनी शर्मा, प्रवक्ता राजनीति विज्ञान
5. डॉ० [illegible], प्रवक्ता राजनीति विज्ञान
6. डॉ० [illegible] मिश्रा, [illegible] प्रवक्ता, चित्रकला

शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग

कला संकाय

श्री [illegible] कुमार मित्तल, वरिष्ठ लिपिक
श्री [illegible] सिंह, परिचर
श्री [illegible] सिंह, बुक लिफ्टर
श्री [illegible] शर्मा, पुस्तकालय परिचर
श्री रविन्द्र कुमार, उद्यान परिचर
श्री पंकज कुमार, परिचर
श्री [illegible]पाल, परिचर
श्री [illegible] सिंह, परिचर (27.1.18 तक कार्यरत)
श्री सतीश कुमार, परिचर (30.12.17 तक कार्यरत)

विज्ञान संकाय एवं एम०ए० (स्ववित्त पोषित)

श्री राकेश कुमार शर्मा, कार्यालय अधीक्षक
श्रीमति प्रीति शर्मा, पुस्तकालय प्रभारी
श्री [illegible], लिपिक
सुश्री सुषमा देवी, पुस्तकालय लिपिक
श्री [illegible], कम्प्यूटर ऑपरेटर
श्री विनोद कुमार, प्रयोगशाला सहायक
श्री [illegible], प्रयोगशाला सहायक
श्री [illegible], प्रयोगशाला सहायक
श्रीमती नीतू [illegible], प्रयोगशाला सहायक
कु० [illegible], प्रयोगशाला सहायक
श्रीमति सुषमा [illegible], प्रयोगशाला सहायक
श्री [illegible], परिचर
श्री [illegible] कुमार, परिचर
श्री [illegible] कुमार, परिचर
श्रीमती [illegible], सफाई कर्मचारी
श्री [illegible], परिचर
श्री मुकेश, परिचर
श्री [illegible] गौड़, परिचर
श्रीमती [illegible] देवी, सफाई कर्मचारी

राष्ट्रीय गान

जनगणमन-अधिनायक जय हे, भारत भाग्यविधाता।
पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा, द्राविड़ उत्कल बंग।
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा, उच्छल-जलधितरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे।
गाहे तव जय गाथा।
जनगण-मंगलदायक जय हे, भारत भाग्यविधाता।
जय हे! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे!
अहरह तव आह्वान प्रचारित, शुनि तव उदार वाणी।
हिन्दु बौद्ध सिख जैन पारसीक, मुसलमान ख्रिस्तानी।
पूरब पश्चिम आसे, तव सिंहासन पाशे।
प्रेमहार हय गाथा।
जनगण-ऐक्यविधायक जय हे, भारत-भाग्यविधाता।
जय हे! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे!
पतन-अभ्युदय-बन्धुर पन्था, युग-युग-धावित यात्री।
तुमि चिरसारथि! तव रथचक्रे मुखरित पथ दिनरात्रि।
दारुण विप्लव माझे तव शंखध्वनि बाजे।
संकट-दुःख त्राता।
जनगण-पथपरिचायक जय हे, भारत-भाग्यविधाता।
जय हे! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे!
घोरतिमिरघन निबिड़ निशीथे पीड़ित मूर्छित देशे।
जाग्रत छिल तव अविचल मंगल नतनयने अनिमेषे।
दुःस्वप्ने आतंके रक्षा करिले अंके।
स्नेहमयी तुमि माता।
जनगण-दुःखत्रायक जय हे, भारत-भाग्यविधाता।
जय हे! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे!
रात्रि प्रभातिल उदिल रविच्छवि पूर्व-उदयगिरि भाले।
गाहे विहंगम, पुण्य समीरण नवजीवनरस ढाले।
तव करुणारुण रागे, निद्रित भारत जागे।
तव चरणे नत माथा।
जय जय जय हे जय राजेश्वर, भारत-भाग्यविधाता।
जय हे! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे!

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

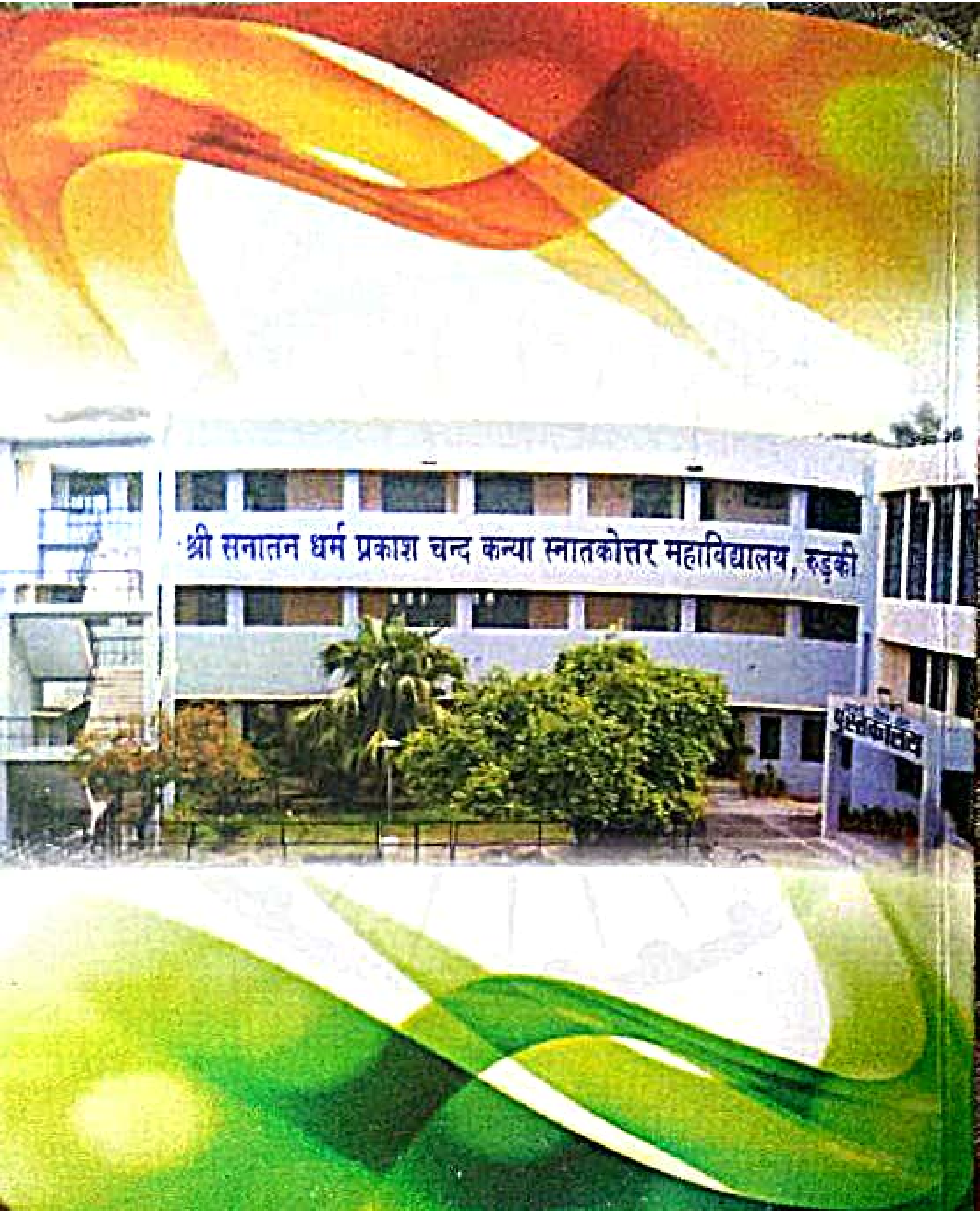

श्री सनातन धर्म प्रकाश चन्द कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की
पुस्तकालय